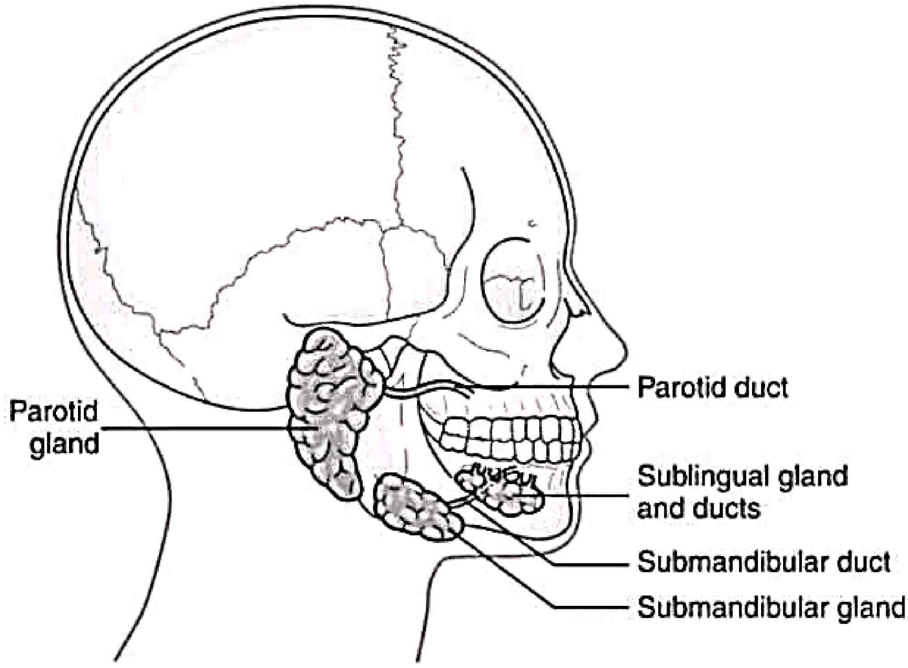

साइलो ग्राफी

यह एक रेडियोग्राफी प्रोसीजर है जो कि अनुभवी चिकित्सक के द्वारा किया जाता है यह प्रोसीजर हम 2 दशक से अधिक समय से करते आ रहे हैं जिसके परिणाम बहुत ही संतोषजनक प्राप्त हुए हैं विगत दो दशकों में हम सफलतापूर्वक यह प्रोसीजर हजारों की संख्या में कर चुके हैं इस प्रोसीजर के दौरान लार ग्रंथि में होने वाली बीमारियों का पता लगाया जाता है साथ ही लार ग्रंथियों में होने वाली पथरी के द्वारा लार ग्रंथि के ऑब्स्ट्रक्शन की जानकारी भी प्राप्त होती है बीमारी पता चलने उपरांत मरीज का सफलतापूर्वक उपचार हो जाता है ।

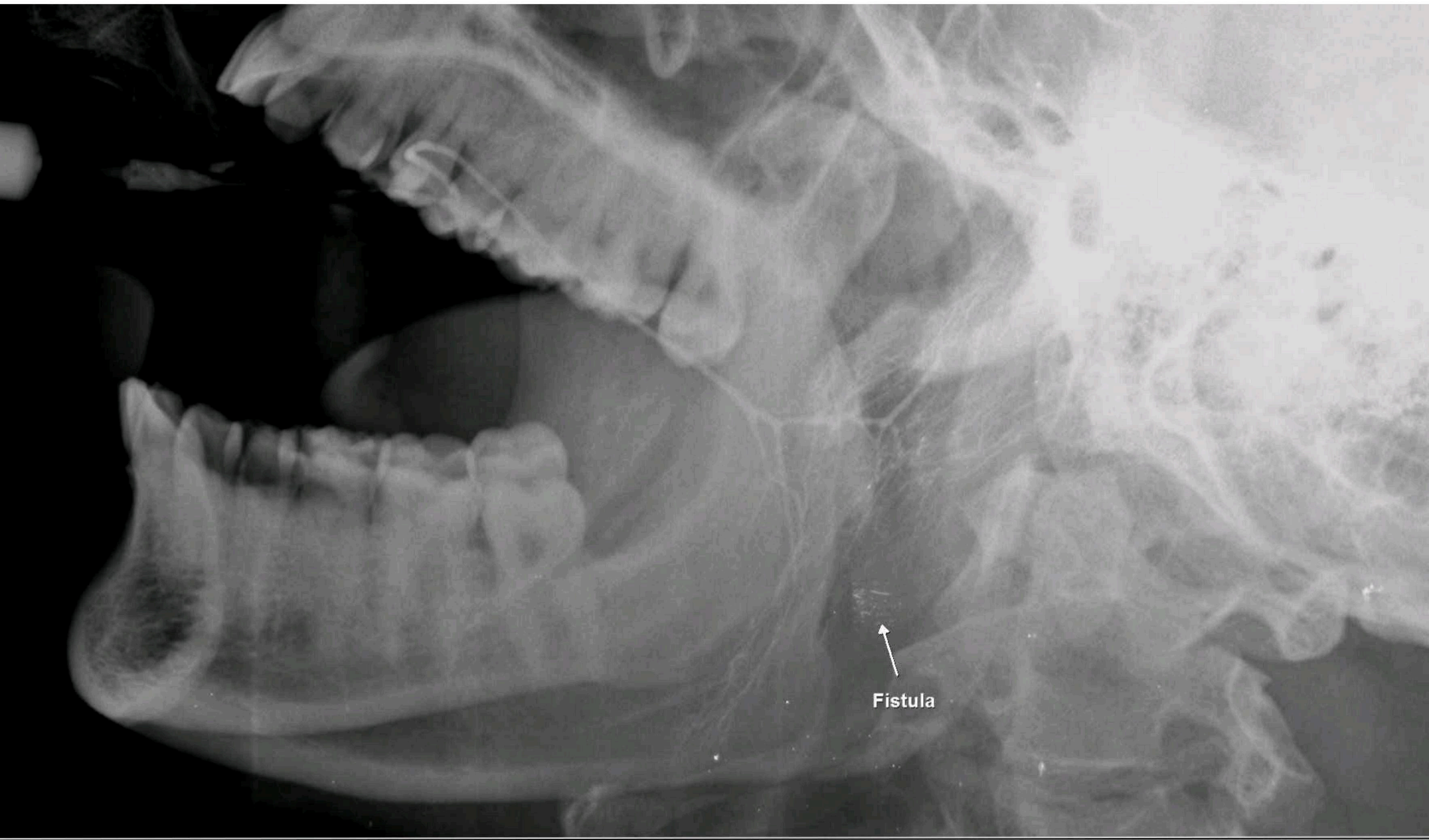
Fistula

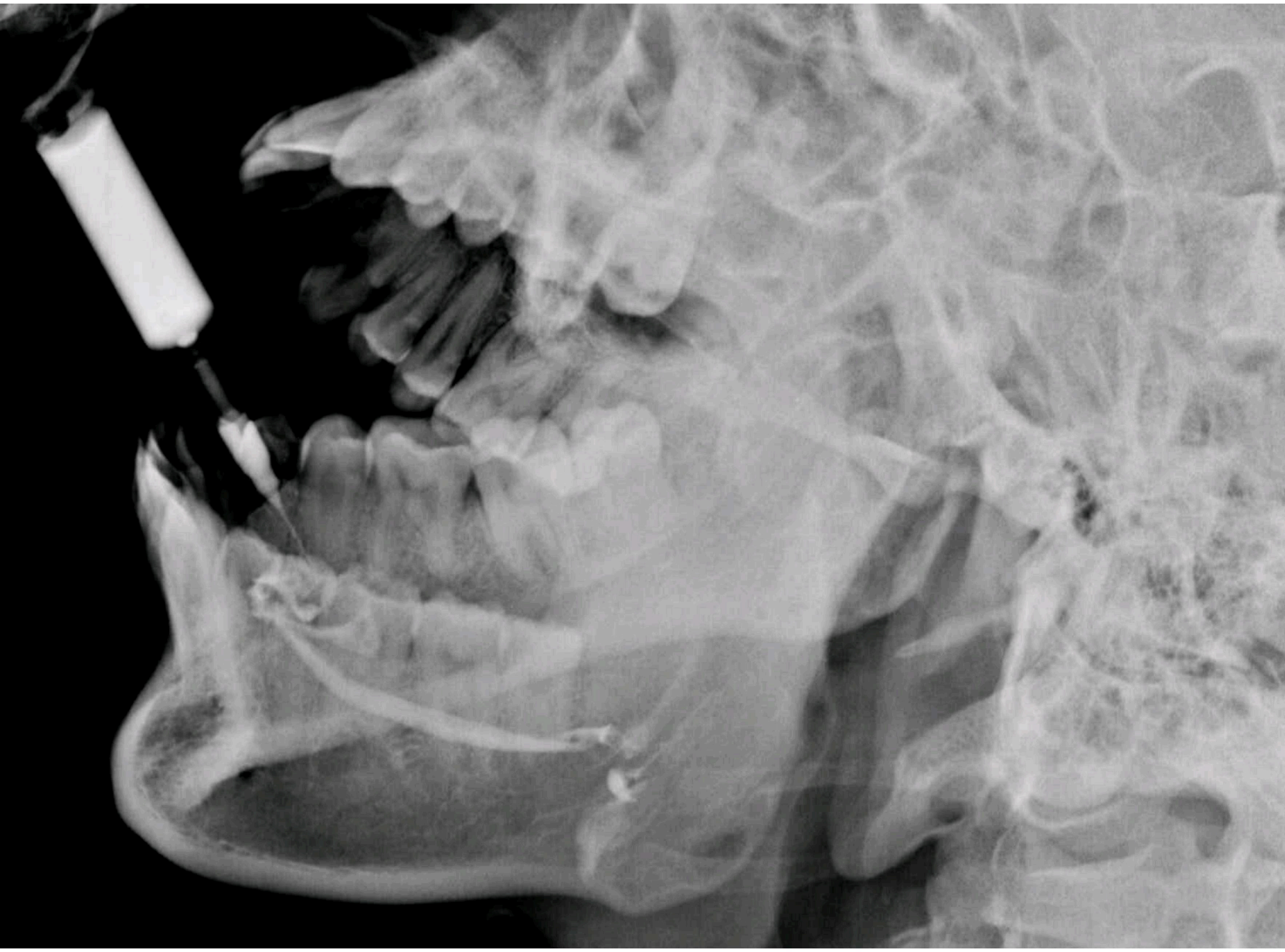

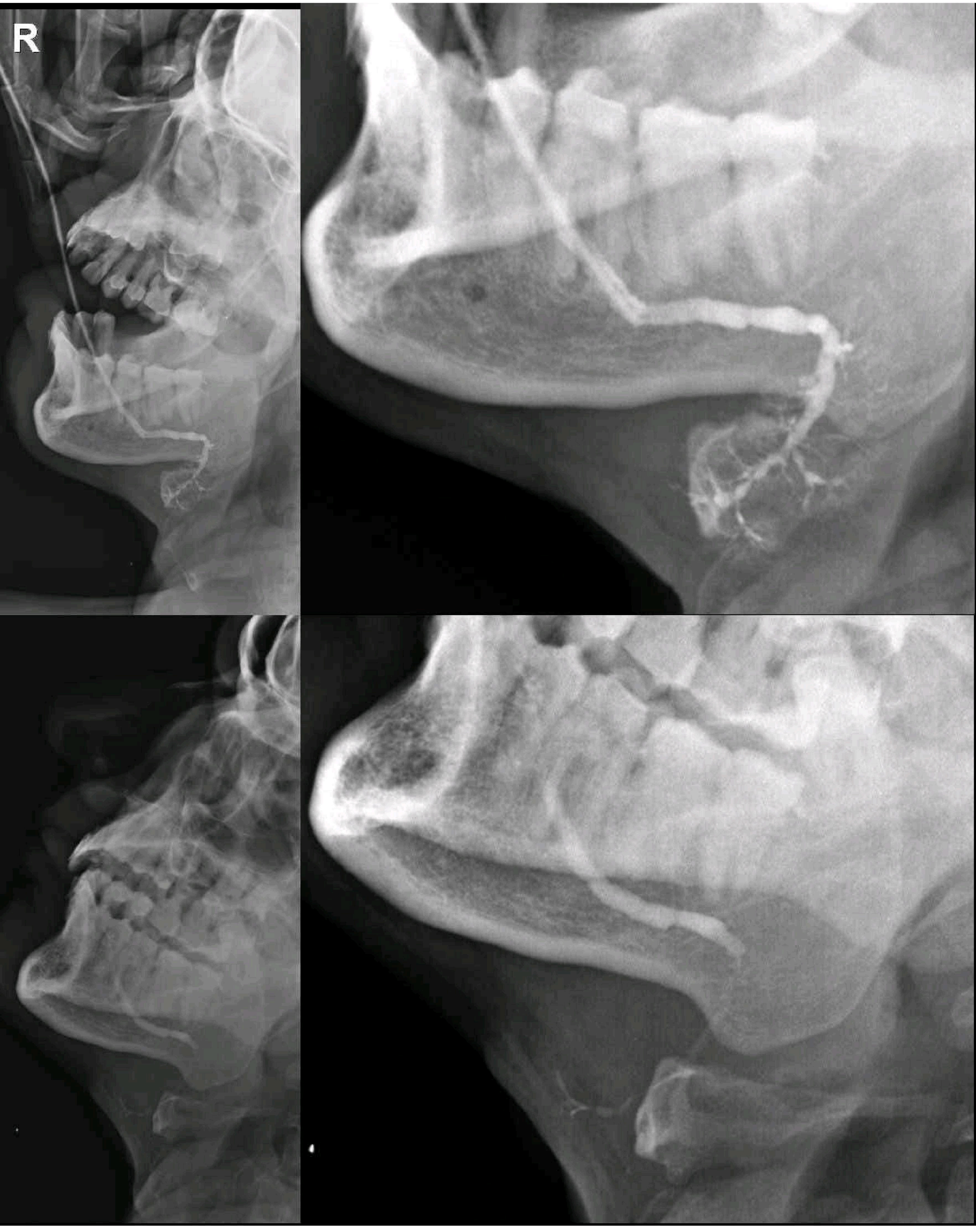
R

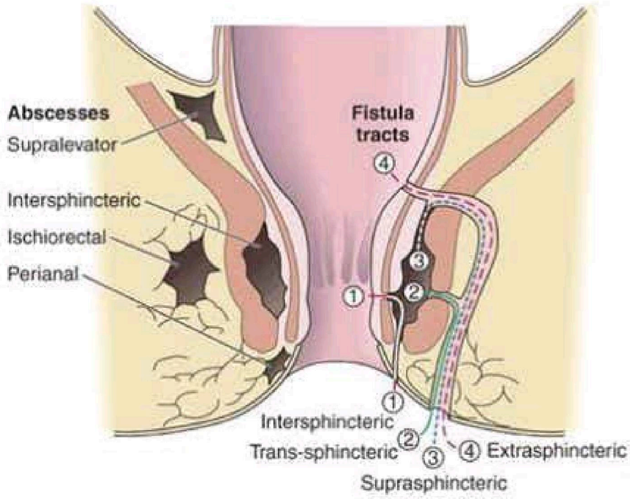

फिशचुलोग्राफी

यह गुदाद्वार के पास इंफेक्शन या गंदगी के द्वारा होने वाली बीमारी है जिसमें गुदाद्वार के पास इनफेक्टिव फिस्टुला बन जाता है जिसमें पस एवं मल बाहर आने लगते हैं। जिस से ग्रसित मरीज असहनीय पीड़ा से जीवन यापन करता है तथा बार-बार ऑपरेशन कराने के पश्चात भी इस बीमारी से निजात नहीं पाता जिसका एकमात्र कारण होता है की इस बीमारी से बने फुसचुला के समस्त रास्तो का पता न हो पाना । जैसे ही सर्जन को समस्त फिसचुला ट्रेक का पता चल जाता है वह सफलता पूर्वक ऑपरेशन कर बीमारी से निजात दिला देते हैं। इन ट्रेक का पता लगाने के लिए सबसे आसान, सफल एवं कम खर्चे की जांच है फिस्टुलो ग्राफी है जो कि हम विगत 25 वर्षो से करते आ रहे हैं । जिसके उपरांत हजारो लोग फिस्टुला की बीमारी से मुक्त हुए हैं।

Right
UB
Urethra
Rectum
Fistula

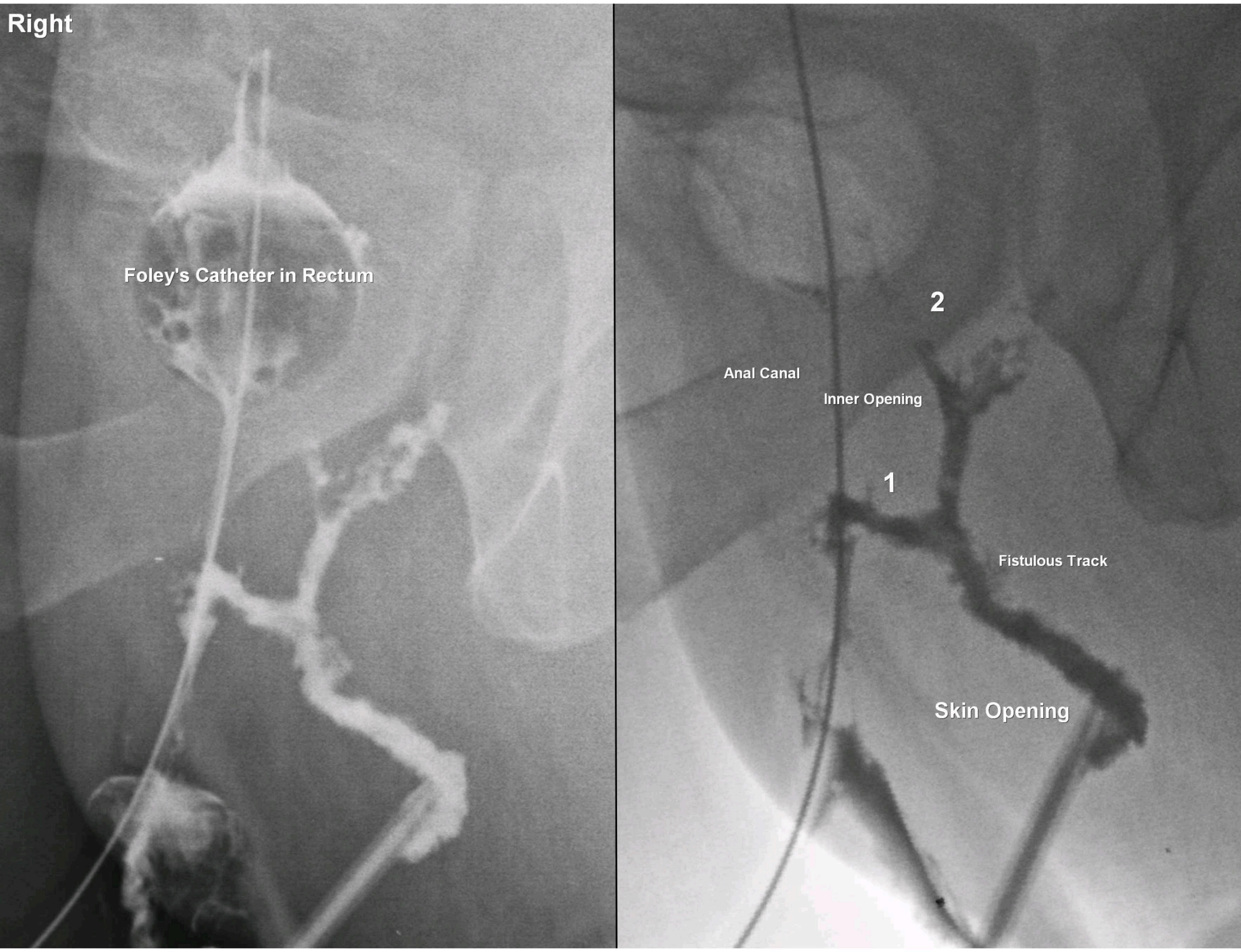
Right
Foley's Catheter in Rectum
2
Anal Canal
Inner Opening
1
Fistulous Track
Skin Opening

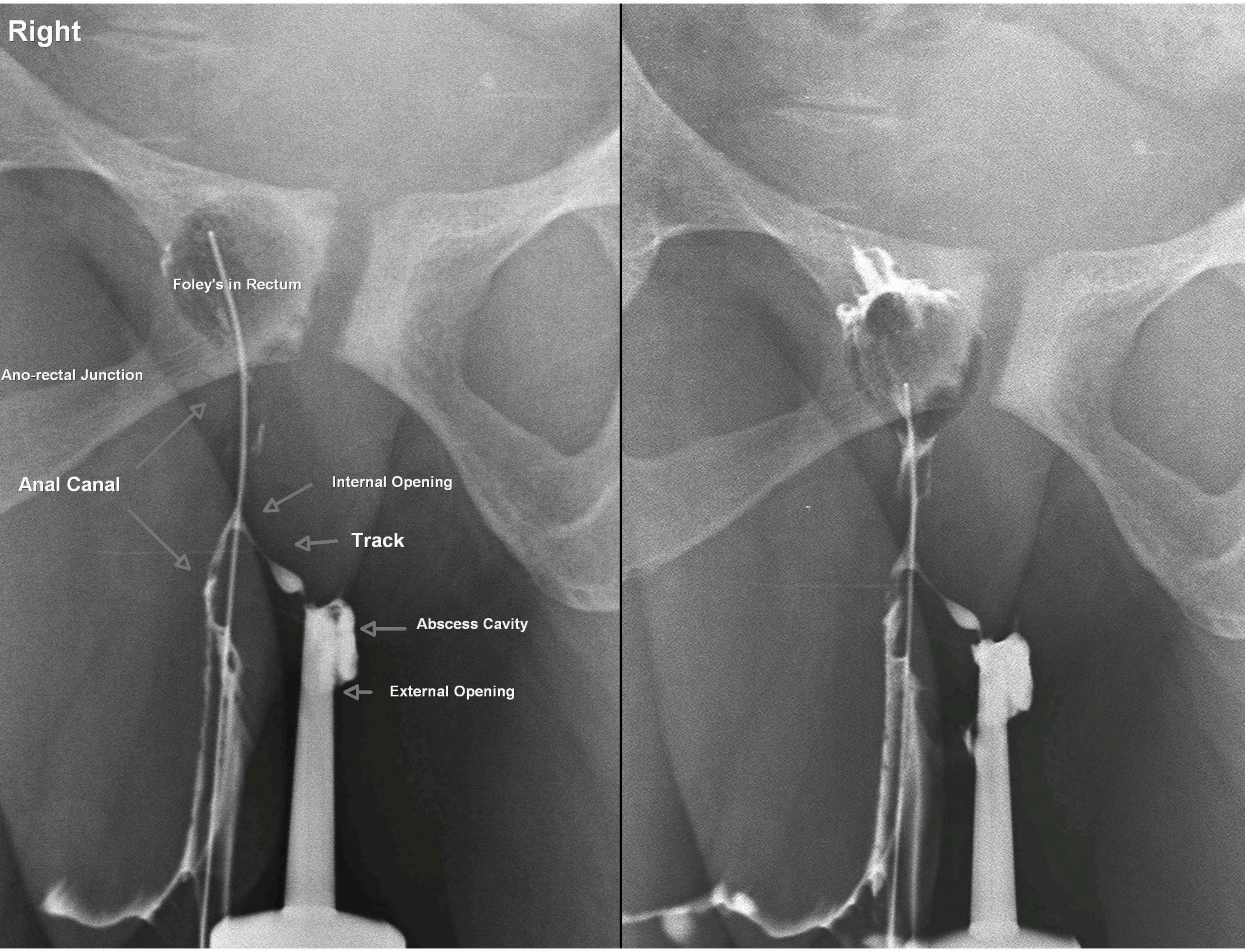

Right
Foley's in Rectum
Ano-rectal Junction
Anal Canal
Internal Opening
Track
Abscess Cavity
External Opening

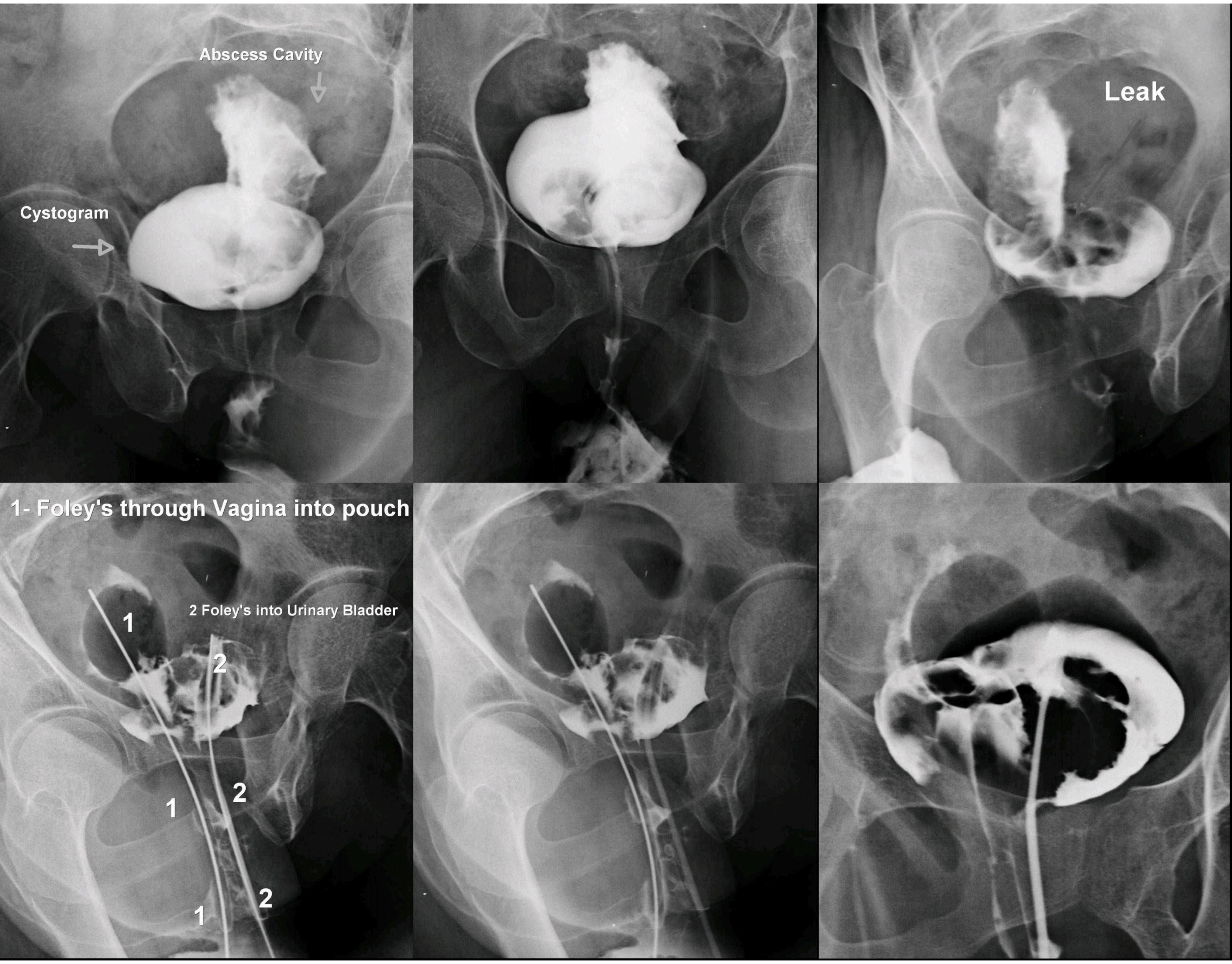

Abscess Cavity
Cystogram
Leak
1- Foley's through Vagina into pouch
2 Foley's into Urinary Bladder
1
2
1
2
1
2

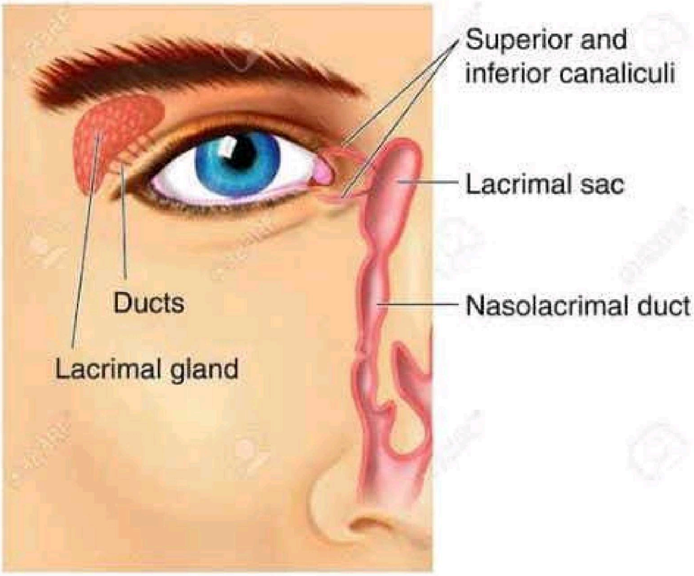

डी सी जी (डेक्रोमेटोग्राफी)

यह एक विशेष प्रकार का रेडियोग्राफिक प्रोसीजर है जिसमें अश्रु ग्रंथि (Tear system. a = lacrimal gland b = superior lacrimal punctum c = superior lacrimal canal d = lacrimal sac e = inferior lacrimal punctum) की जांच कर, बीमारी का पता लगाया जाता है इस बीमारी से ग्रसित मरीज की आंखों से निरंतर आंसू आते रहना या आंखों के चारों ओर सूजन के कारण का पता लगाया जाता है। यह परीक्षण हमारे यहां 1990 से सावधानी पूर्वक किया जा रहा है। जिसमें हाइजीन का विशेष ध्यान रखा जाता है। जिसका लाभ हजारों मरीज प्राप्त कर चुके हैं।

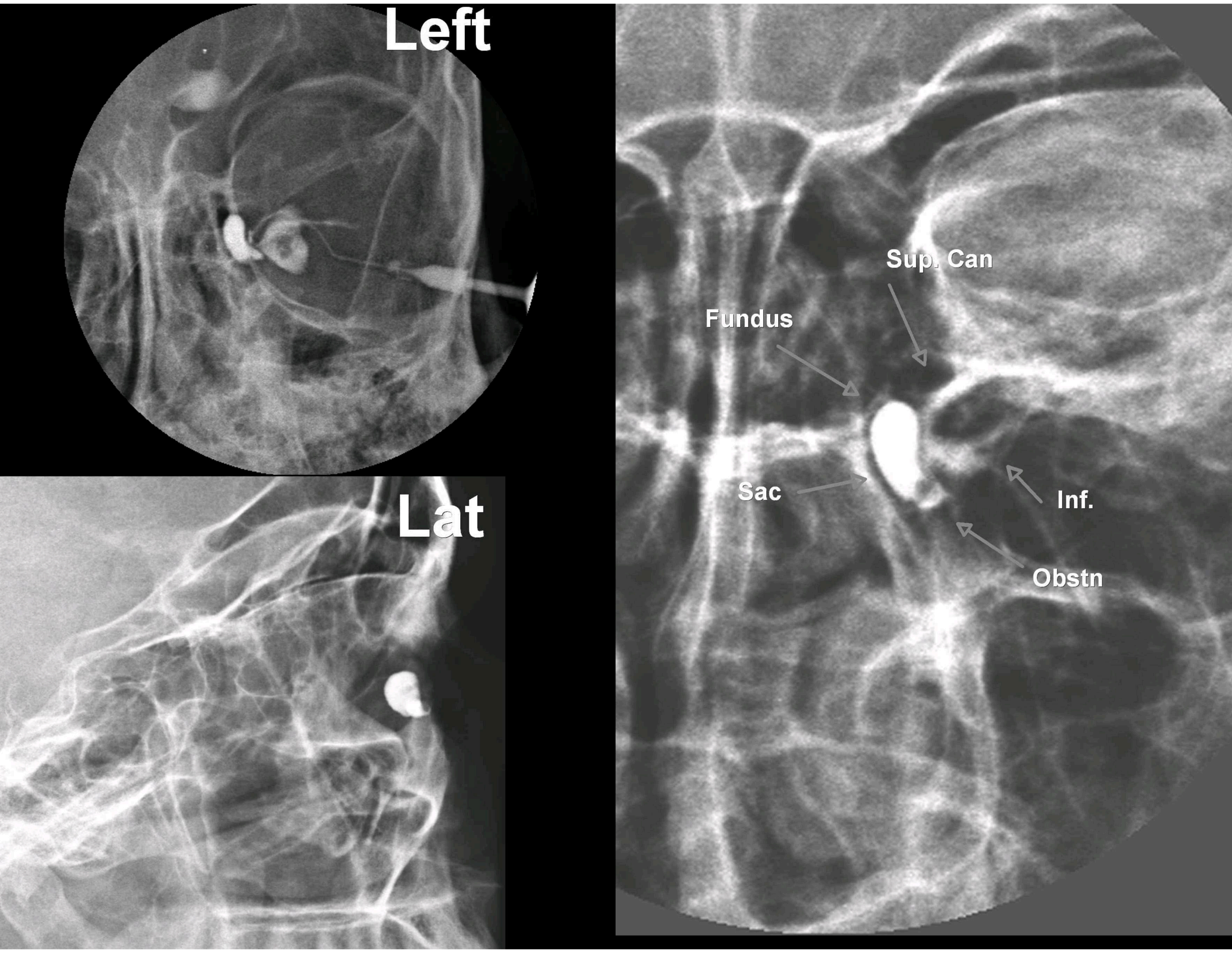
Left
Lat
Sup. Can
Fundus
Sac
Inf.
Obstn

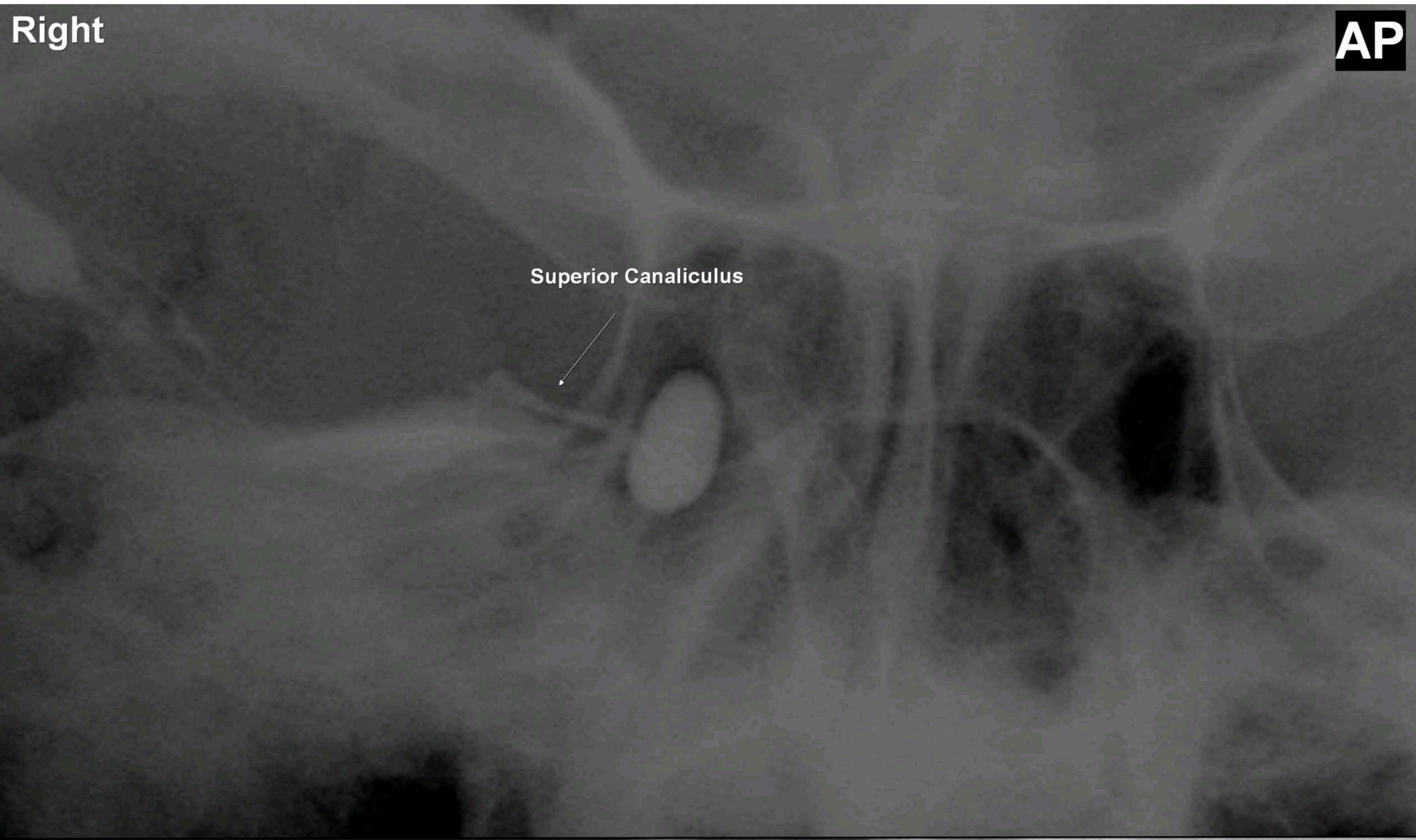
Right
AP
Superior Canaliculus

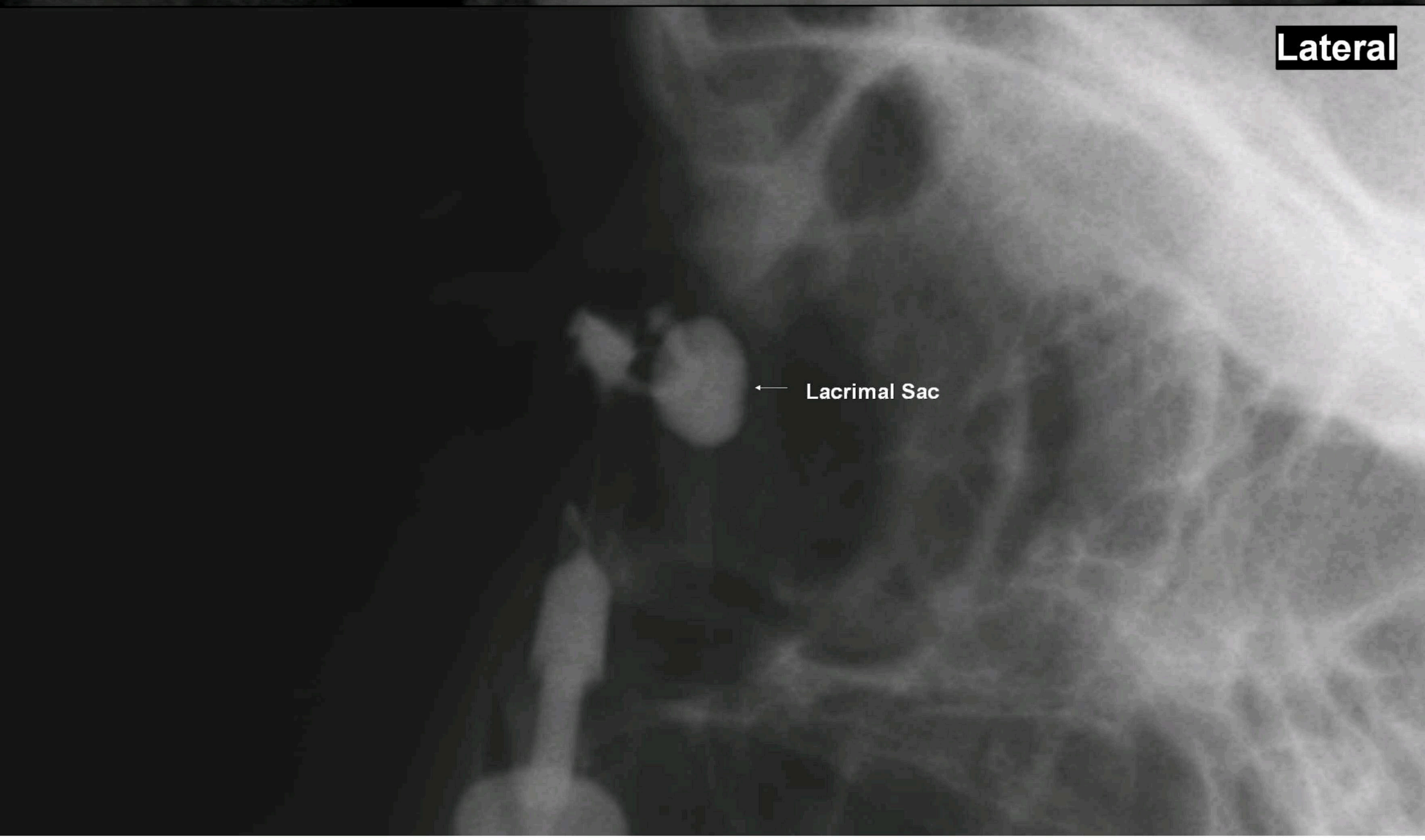
Lateral
Lacrimal Sac

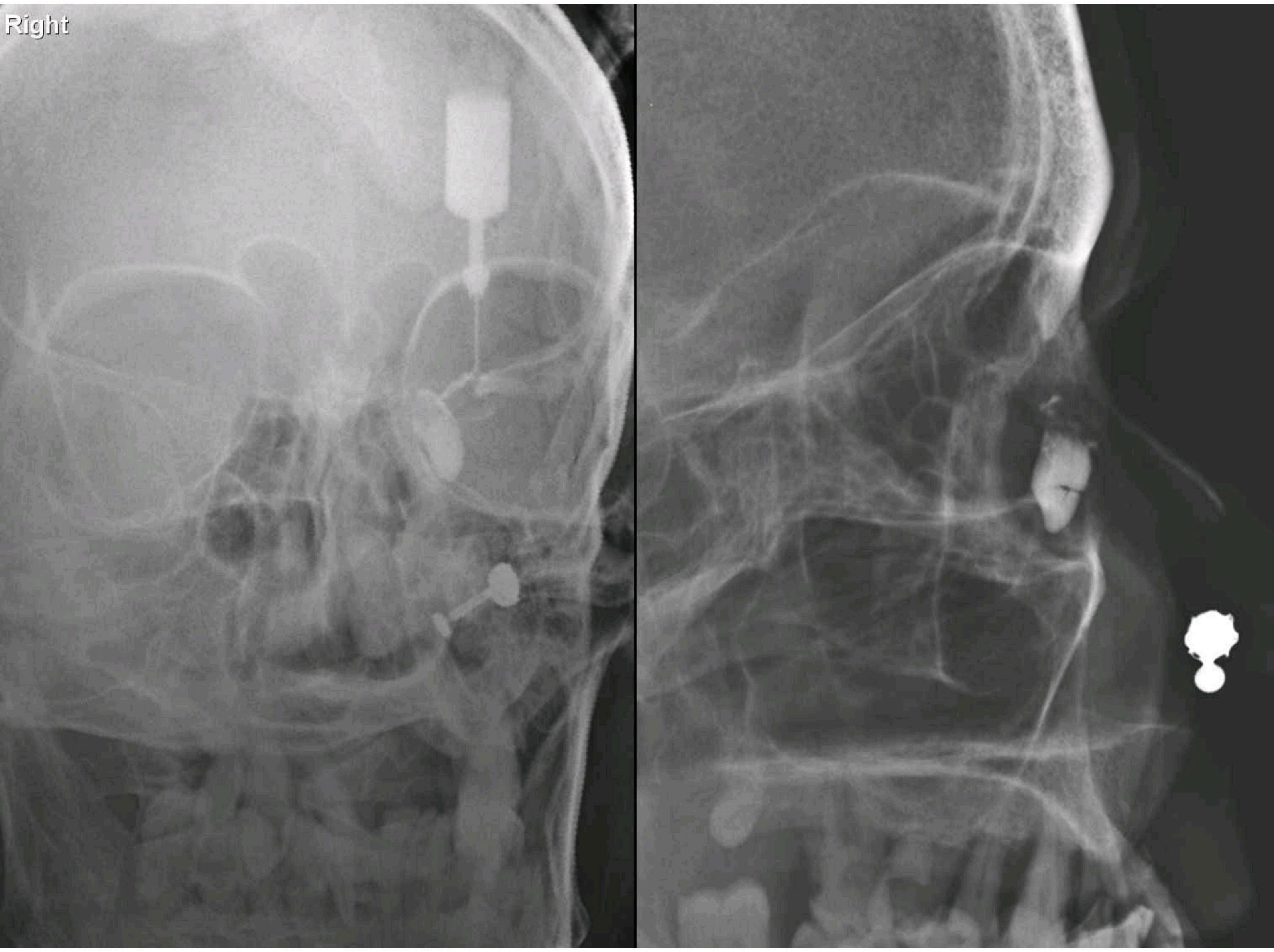
Right

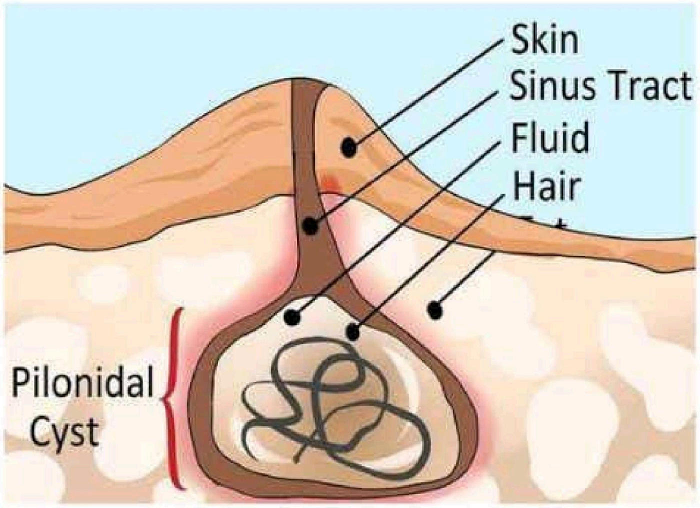

साइनोग्राफी

यह एक अलग तरह की बीमारी है जोकि इंफेक्शन के कारण होती है इस बीमारी से ग्रसित मरीज के शरीर के किसी विभाग में असामान्य रूप से एक चित्र हो जाता है जिससे गंध युक्त तरल पदार्थ स्त्राव होता है जो कई बार यह छिद्र शरीर के आंतरिक अंगों से जुड़ा हुआ होता है जिसके द्वारा शरीर के आंतरिक अंगों का तरल पदार्थ निकलते रहता है अगर समय रहते उसका उपचार नहीं किया गया तो यह घातक रूप प्राप्त कर लेता है इस तरह के क्षेत्रों का कनेक्शन किस आंतरिक अंग से है उसका पता लगाने के लिए यह जांच की जाती है। इस जांच की सुविधा भोपाल में हमारे पास उपलब्ध है जिसकी संख्या अन्य जांच केंद्रों से हजार गुना अधिक है तथा परिणाम भी सत प्रतिशत बहुत अच्छे हैं। इस प्रकार की बीमारी से ग्रसित मरीज तत्काल है संपर्क कर जांच करवाएं और शारीरिक लाभ प्राप्त करें।

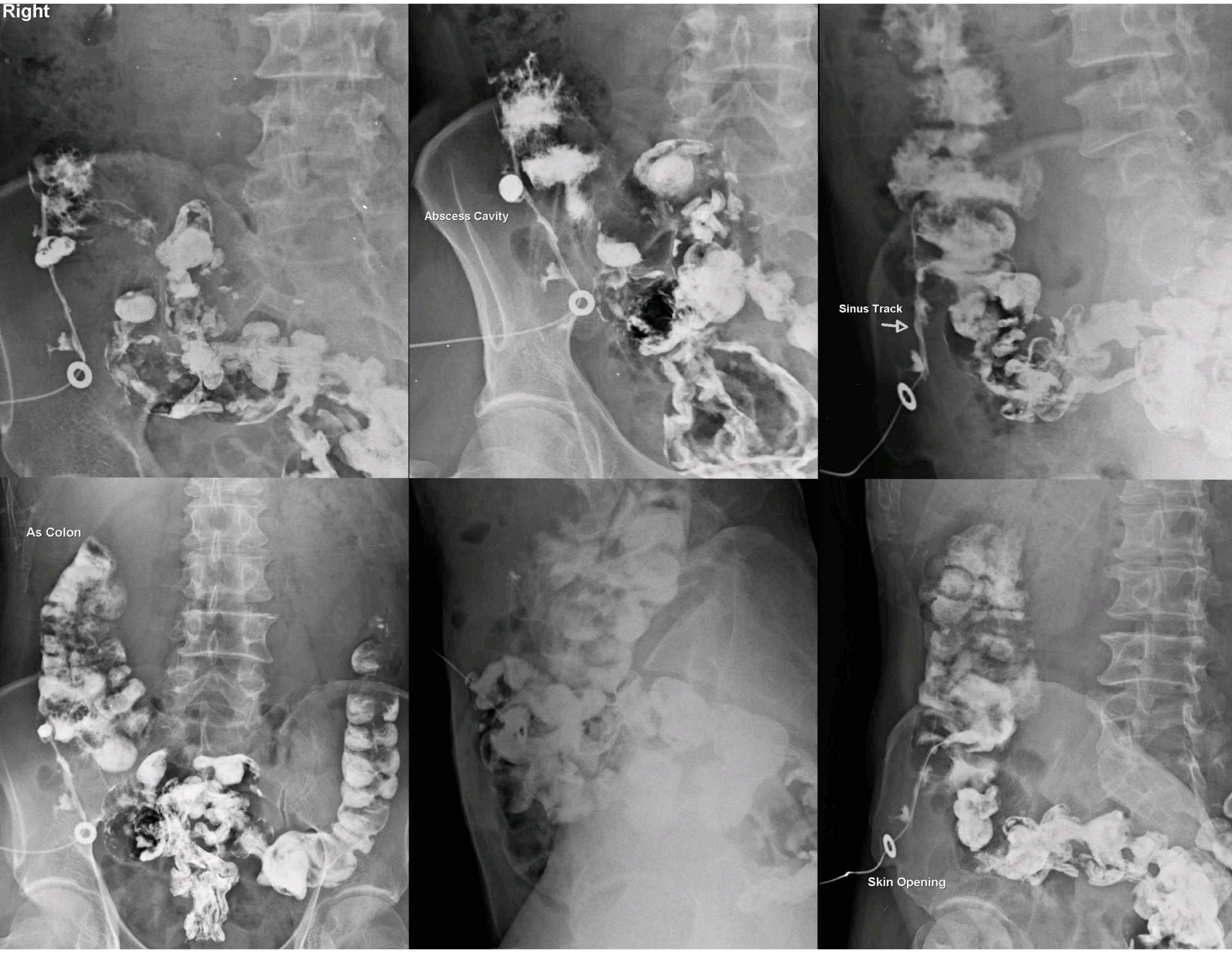

Right
Abscess Cavity
Sinus Track
As Colon
Skin Opening

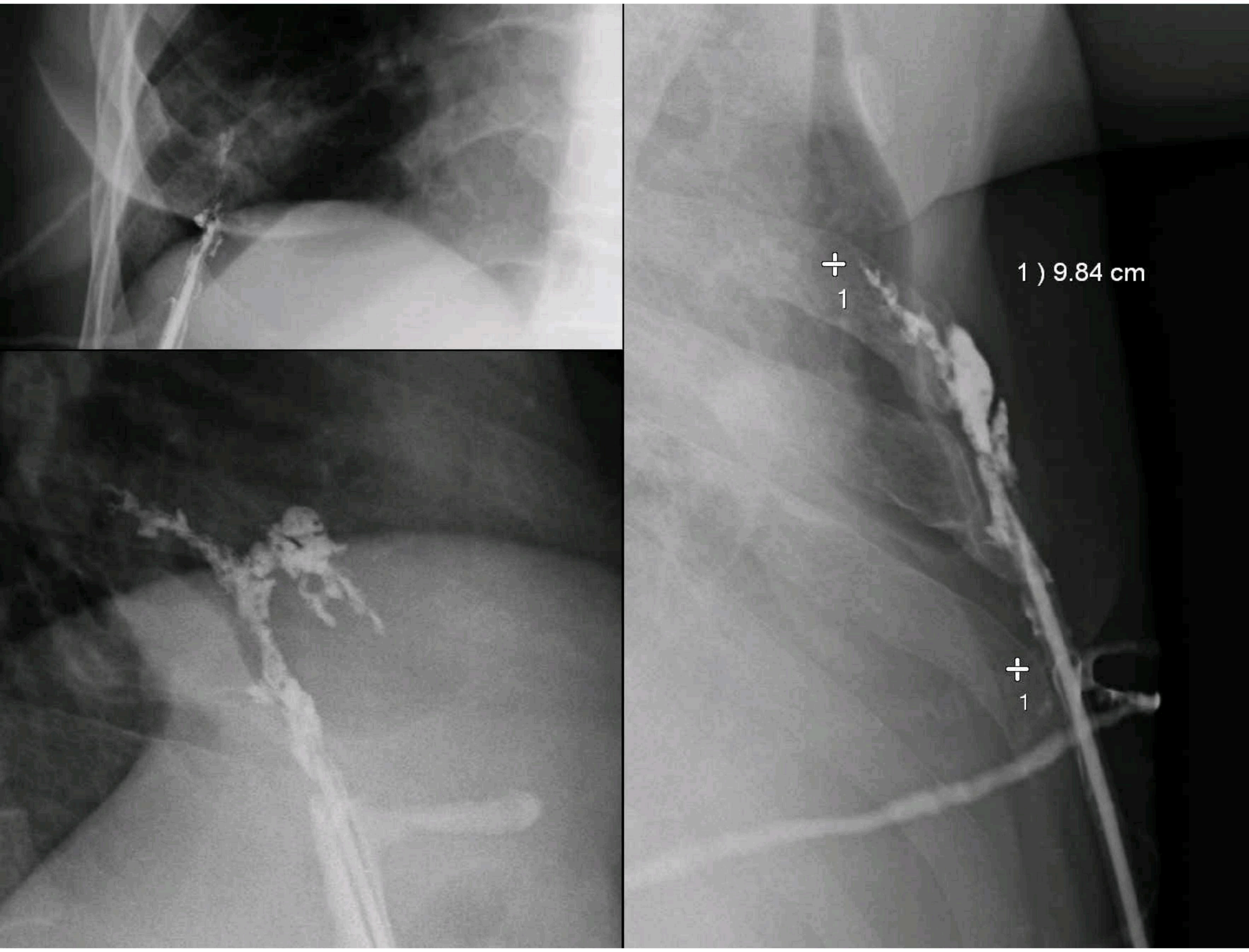
1) 9.84 cm
1
1

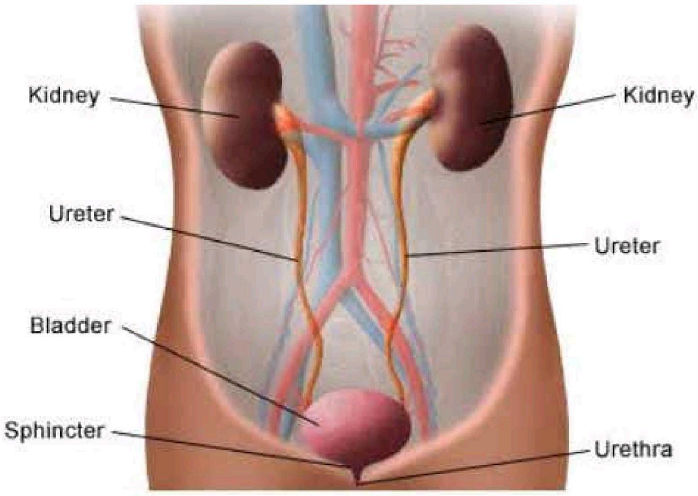

इंट्रावेनस यूरोग्राफी (IVU)

स्थितियां जिसमें जांच करनी चाहिए
ऑब्स्ट्रक्टिव यूरोपैथी जैसे पथरी की संभावना होने पर, गुर्दे में होने वाली जन्मजात गड़बड़ियां, रक्तचाप की जांच, गुर्दों से निकलने वाली ट्यूमर की संभावना होने पर, उधर में चोट तथा पेशाब में खून आना, गुर्दे के कार्य का पता लगाने में, गुर्दे में इन्फेक्शन (टी. बी.) की दशा में इस जांच का उपयोग किया जाता है यह जांच पूर्ण गुणवत्ता के साथ हमारे यंहा निरन्तर की जा रही है

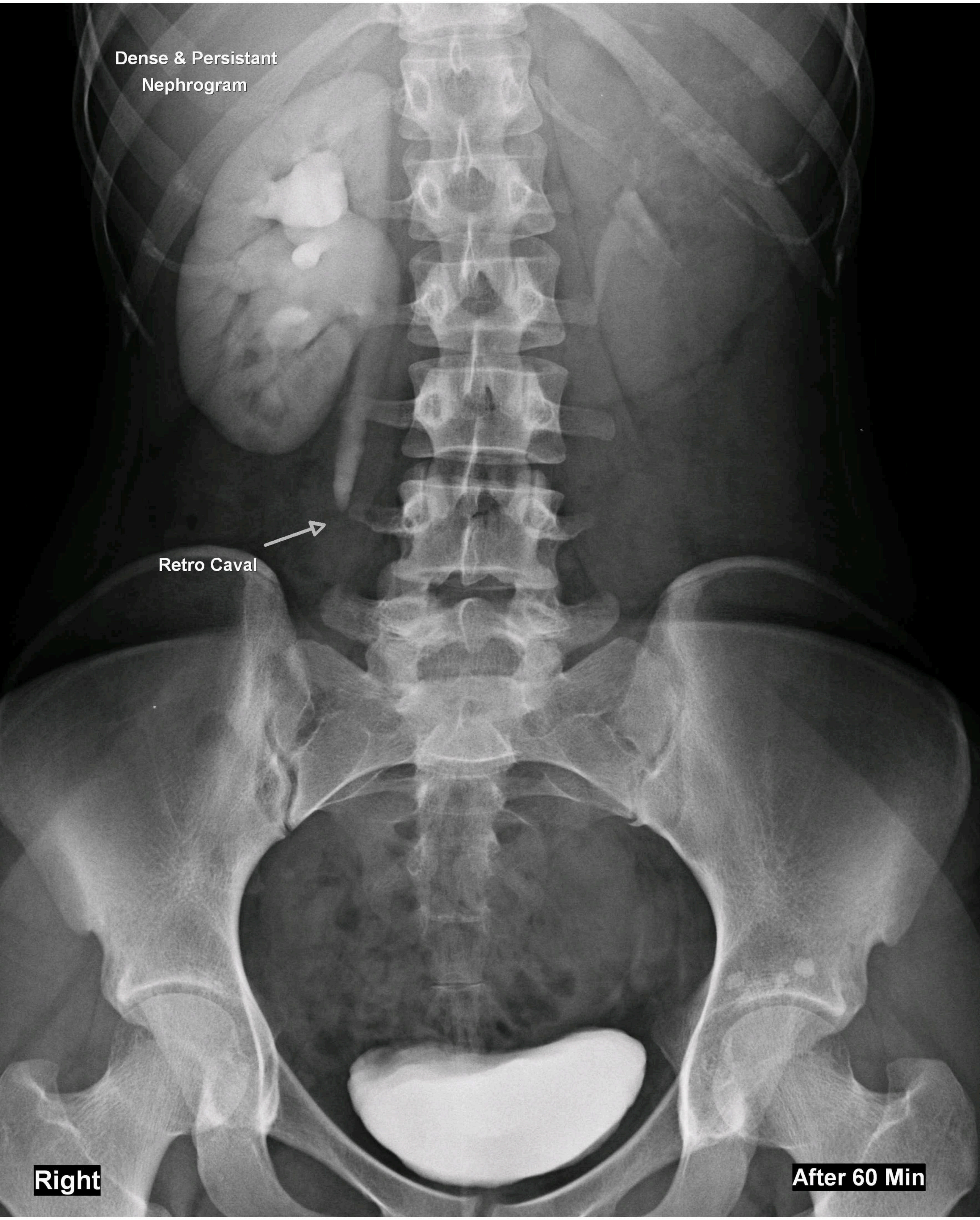
Dense & Persistant
Nephrogram
Retro Caval
Right
After 60 Min

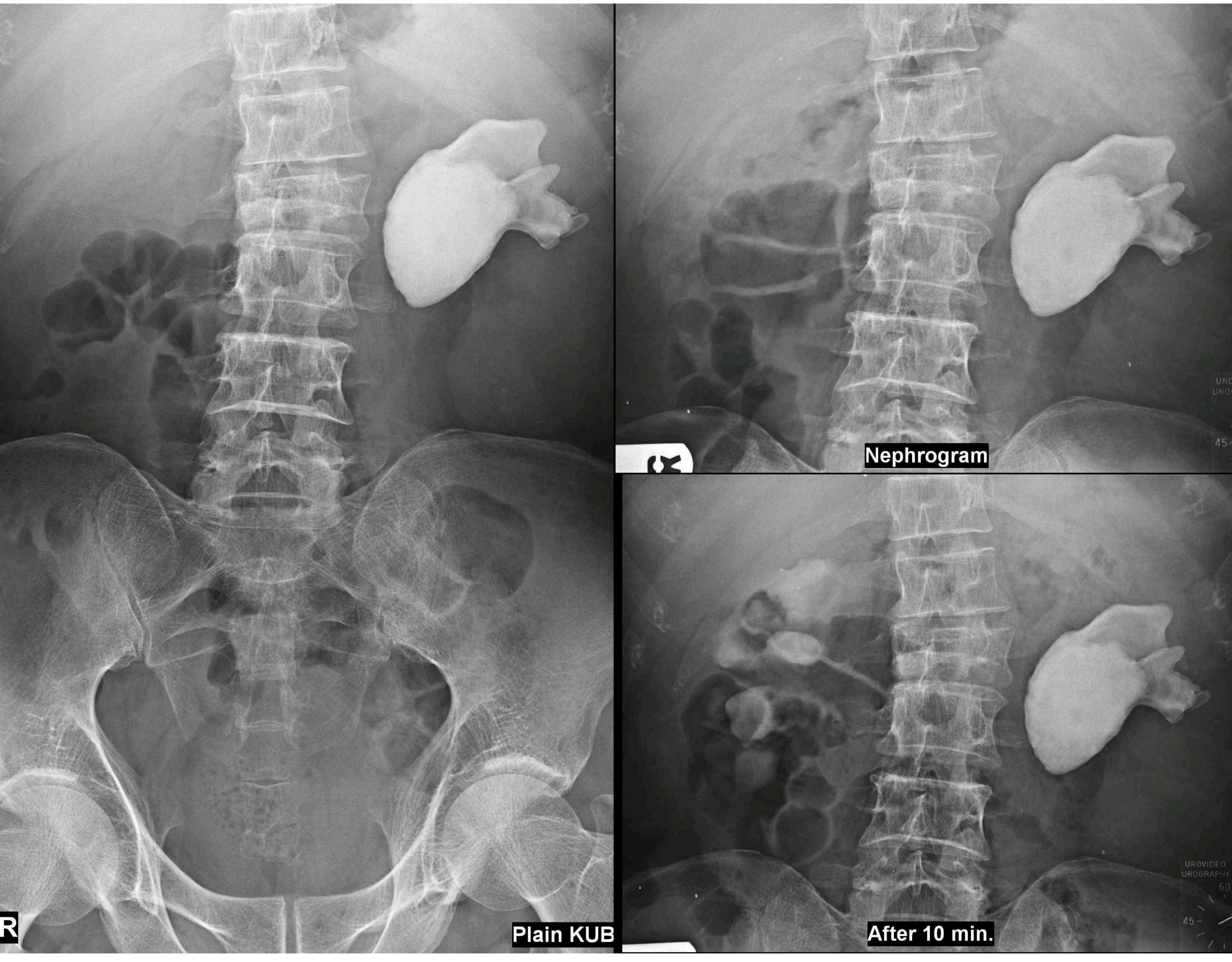
R
Plain KUB
Nephrogram
After 10 min.
UROVIDEO
UROGRAPHY

Right
IVU
Prone
After 20 Min

Right
IVU
Supine
After 60 Min

Right
IVU
UROVIDEO

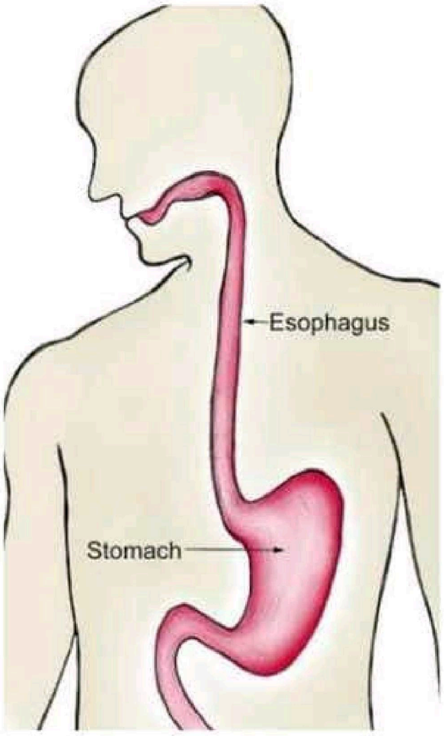

बेरियम स्वैलो

यह एक ऐसा टेस्ट है जिसके द्वारा खाने की नली इसोफेगस (ग्रास नली) में होने वाली बीमारियों का पता लगाया जाता है। इस टेस्ट तहत खाने की नली में होने वाले कैंसर, छाले, रुकावट, रिफ्लक्स, उल्टी आना, खट्टी डकार आना, ग्रास नली की सुकड़न, खाने में ठस्का लगना, खाना खाते समय सीने में दर्द होना, मुंह में छालों का होना, ग्रास नली में होने वाली गाँठ जैसी बीमारीयो का पता लगाने में होता है, जो मात्र 15 मिनट की जांच है यह हम निरन्तर करते आ रहे हैं।

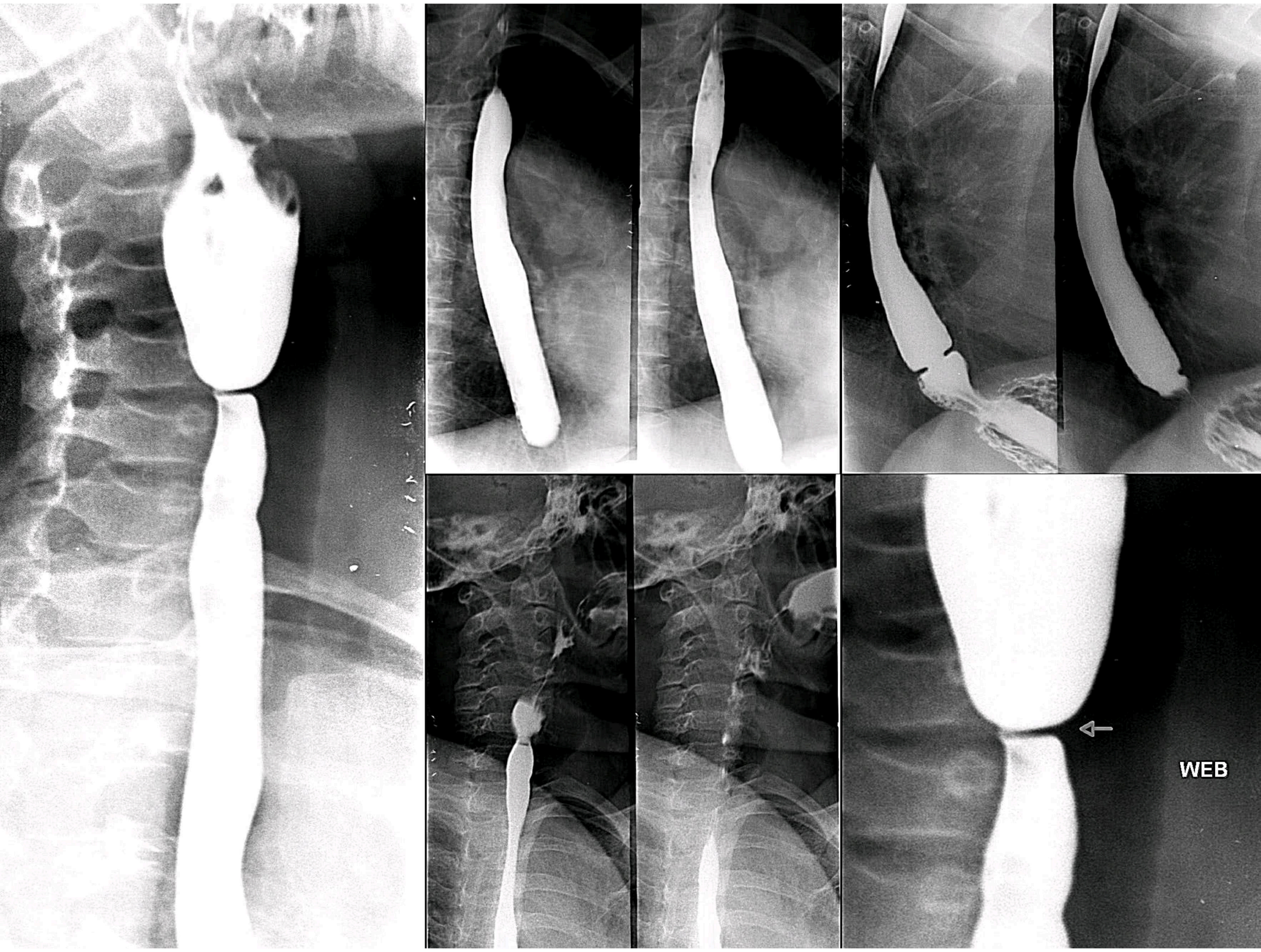
WEB

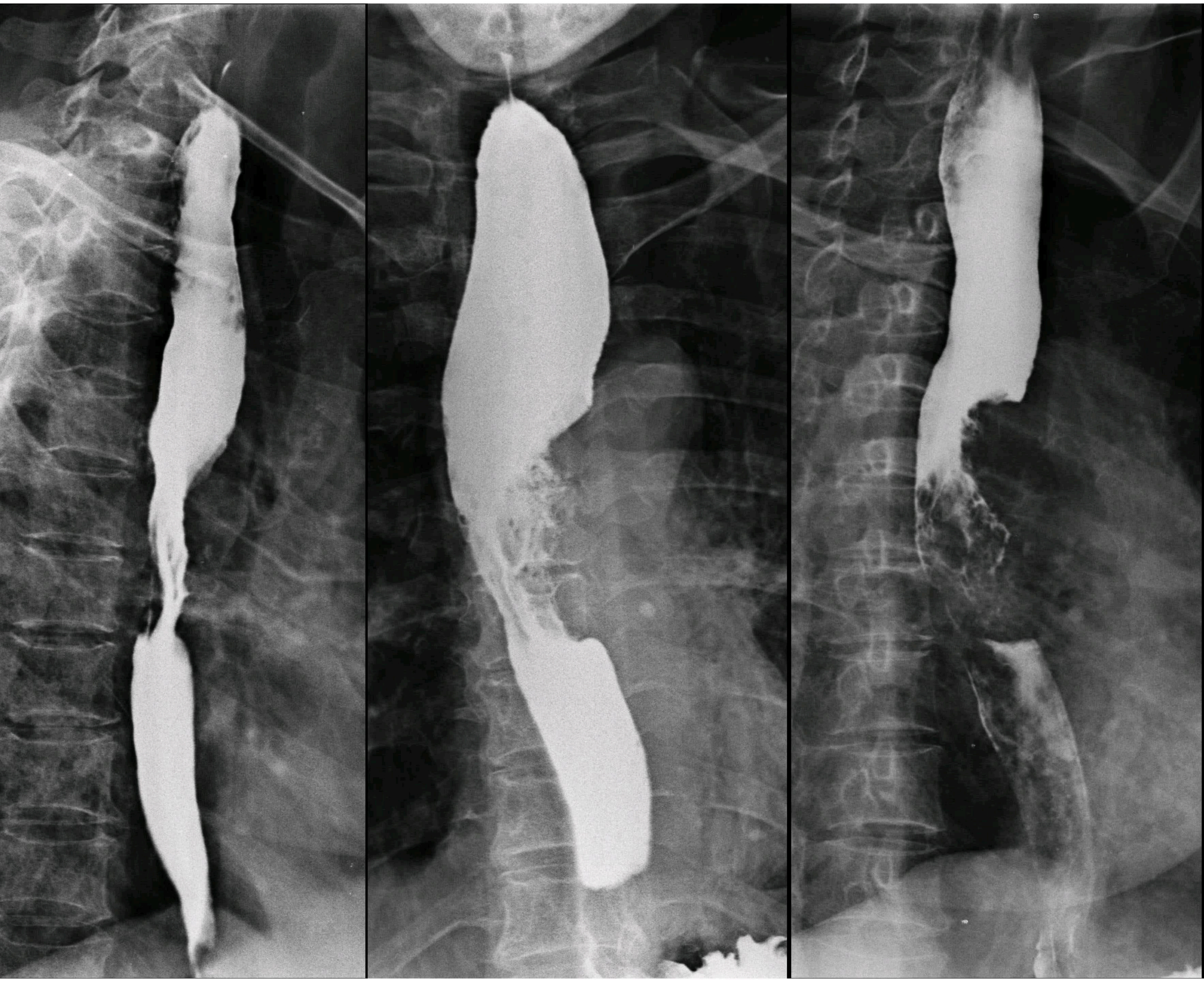

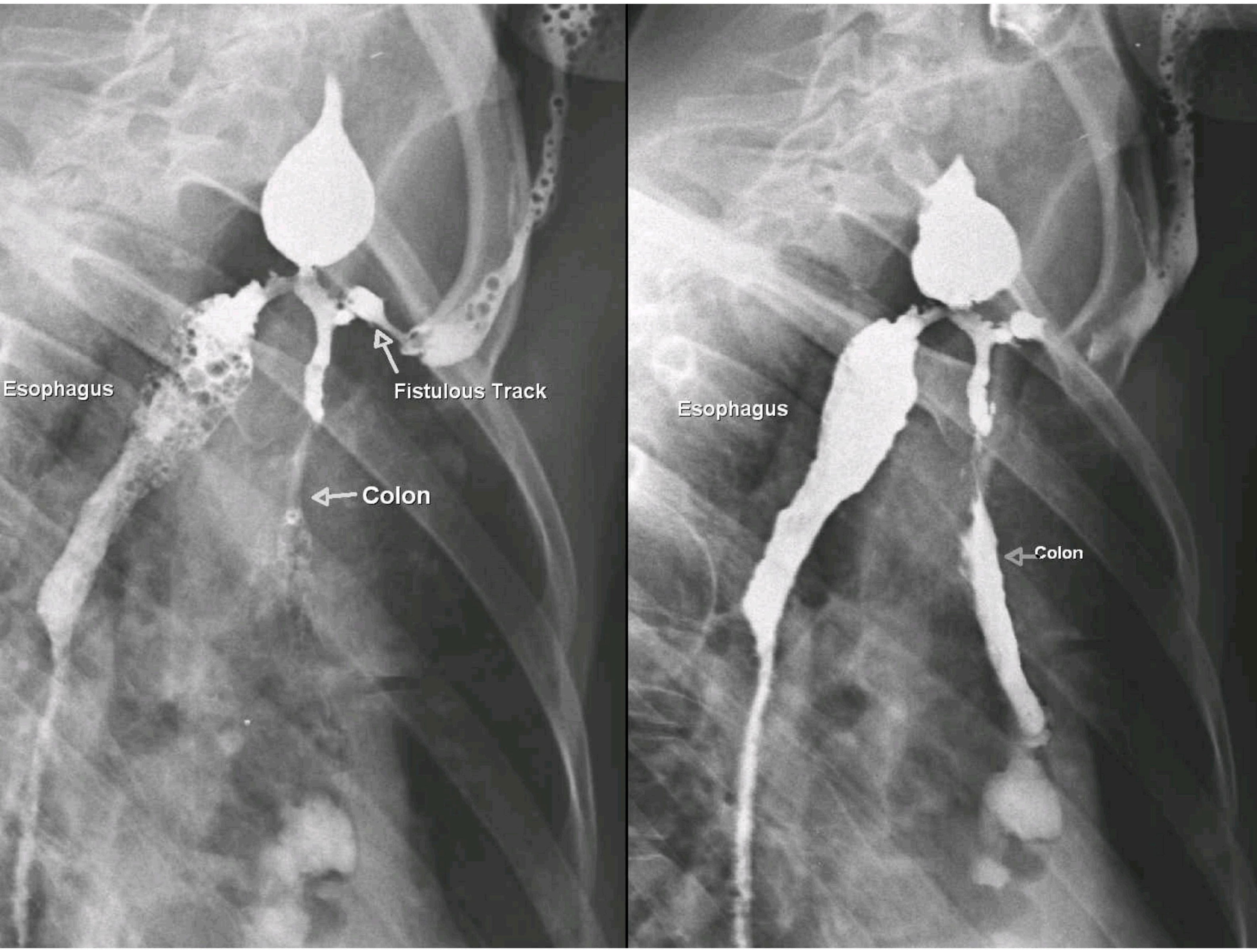
Esophagus
Fistulous Track
Colon
Esophagus
Colon

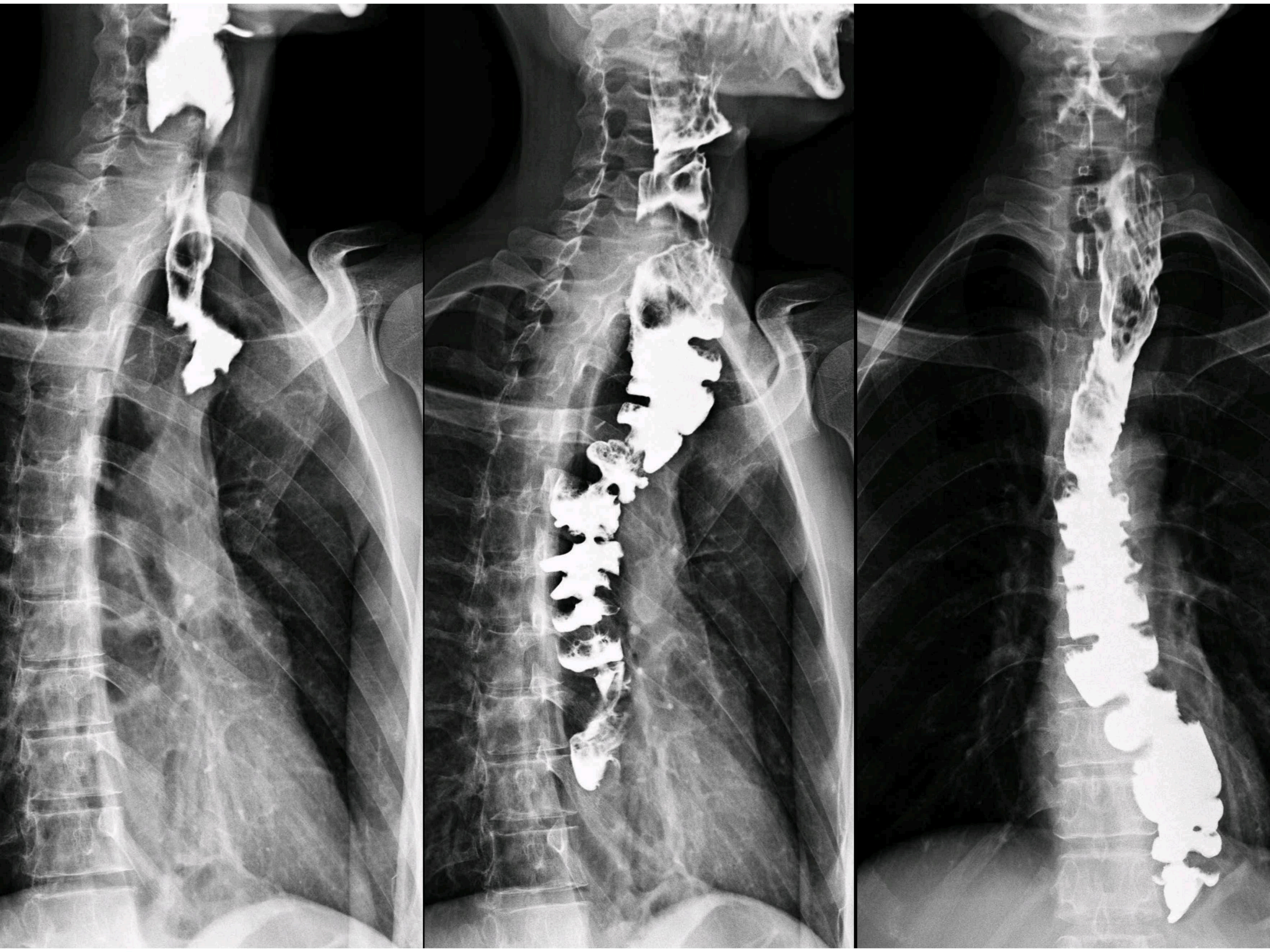

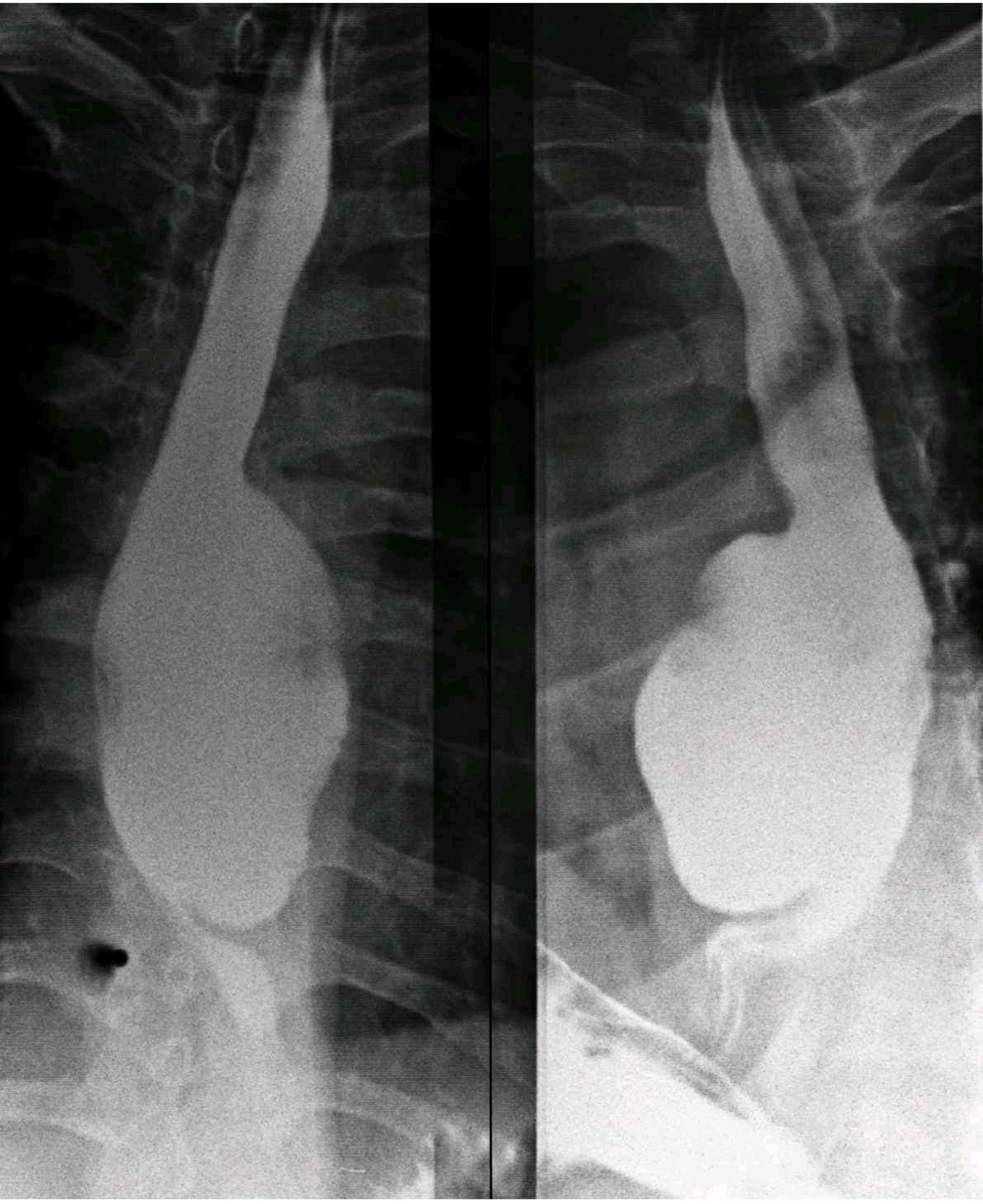

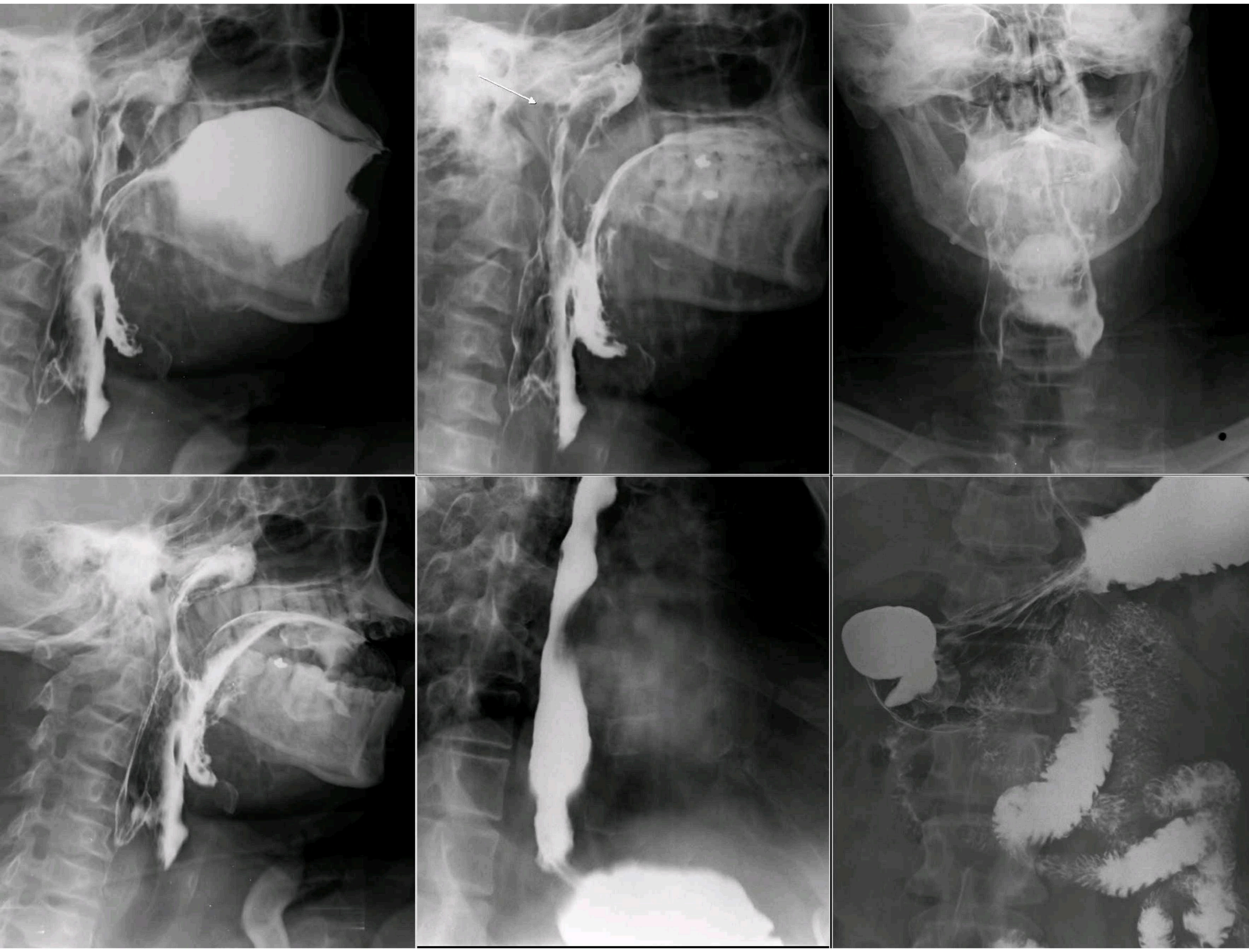

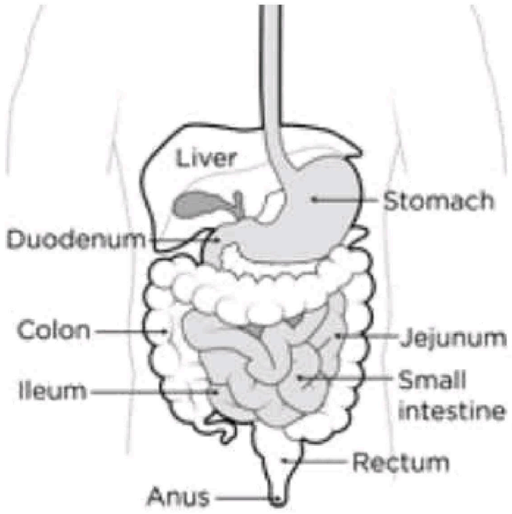

इन्ट्रोक्लायसिस या छोटी आंत की जांच

यह जांचने में निम्न परिस्थितियों में होती है जैसे :- पेट दर्द के साथ उल्टियां होने पर, पेट दर्द का कारण पता नहीं लगने पर, पेट फूलने पर, ऑपरेशन के उपरांत हाथों पर चिपक जाने पर, आंतों की टीबी या कैंसर का संदेह होने पर, आहार नली में रक्त स्त्राव होने पर, खून की कमी होने पर, दस्त लगने पर, बिना कारण वजन कम होने पर, छोटी आँत के सामान्य होने का सबूत प्राप्त करने के लिए

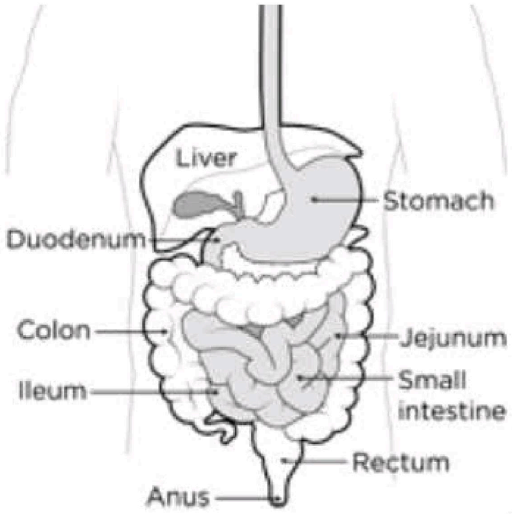

इन्ट्रोक्लायसिस या छोटी आंत की जांच

यह जांच मध्य प्रदेश तथा सेंट्रल इंडिया में सर्वप्रथम डॉक्टर जयंत यादव द्वारा 1993 में प्रारंभ की गई। इस जांच के लिए अमेरिकन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी द्वारा निर्धारित आवश्यक मापदंडों को पूर्ण करते हुए, समक्ष स्टैंडर्ड के रिजल्ट दिए जाते हैं। लगभग 20000 रोगियों का सफल परीक्षण इस विधि द्वारा 2022 तक किया जा चुका है जो कि संभवत राष्ट्रीय स्तर पर एक चिकित्सक द्वारा के परीक्षणों का कीर्तिमान है। इसमें उपयोग किये जाने वाले कैथेटर को छोटी आत के प्रारंभिक हिस्से जेजुनम तक जाना आवश्यक है अन्यथा यह जांच असफल हो जाती है। इस प्रक्रिया में रेडियोलॉजिस्ट की विशेष दक्षता आवश्यक है। इस ट्यूब को सही जगह पर स्थापित करने में हमारी सफलता की दर 99% से अधिक है जो कि अंतरराष्ट्रीय स्तर में सक्षम है और भारतवर्ष में सर्वश्रेष्ठ है कठिन परिस्थितियों में ट्यूब को डालना हमारी विशेषता है। औसतन इस कार्य में 1 मिनट के लगभग समय लगता है।

Right

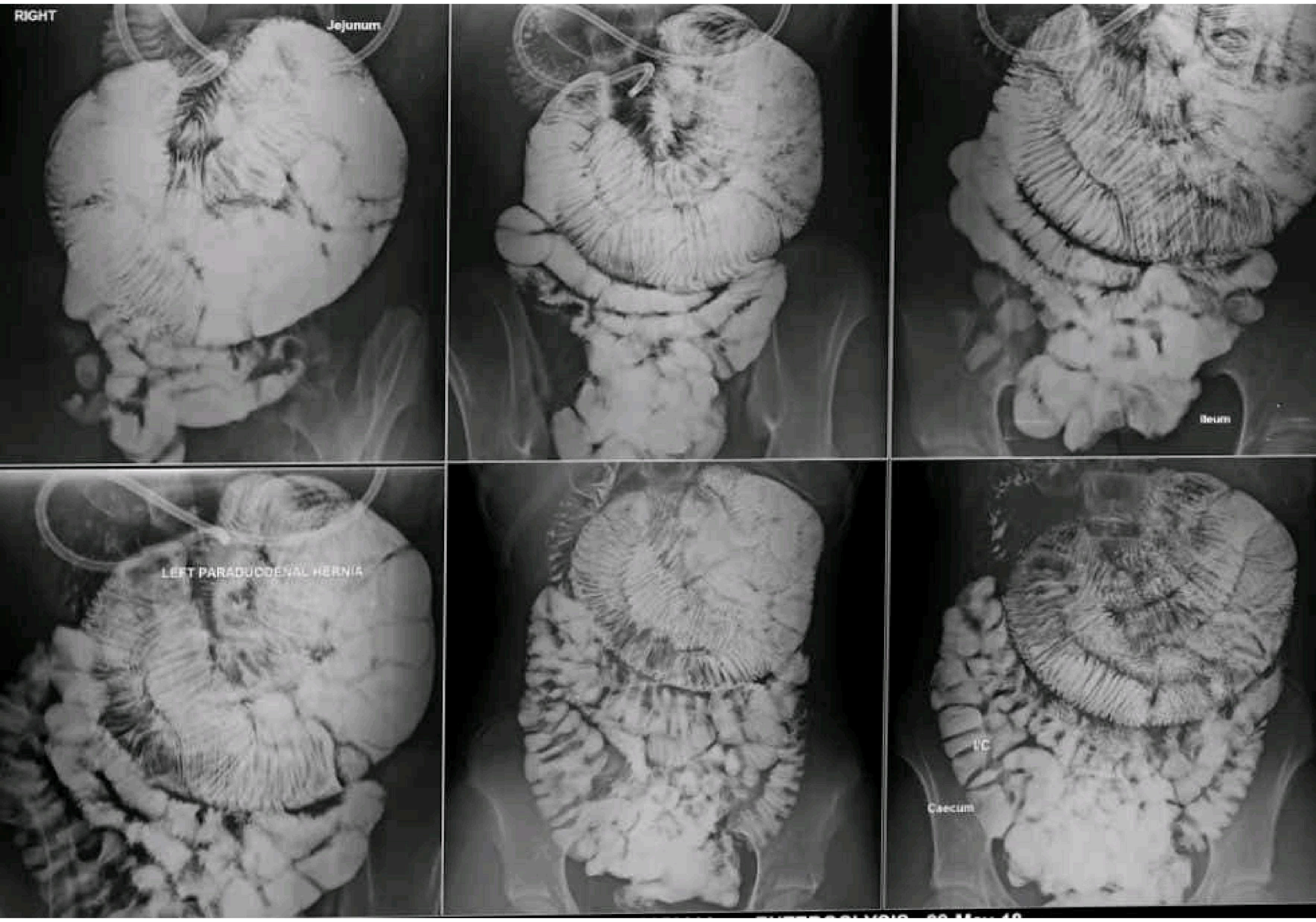
RIGHT
Jejunum
Ileum
LEFT PARADUODENAL HERNIA
I/C
Caecum

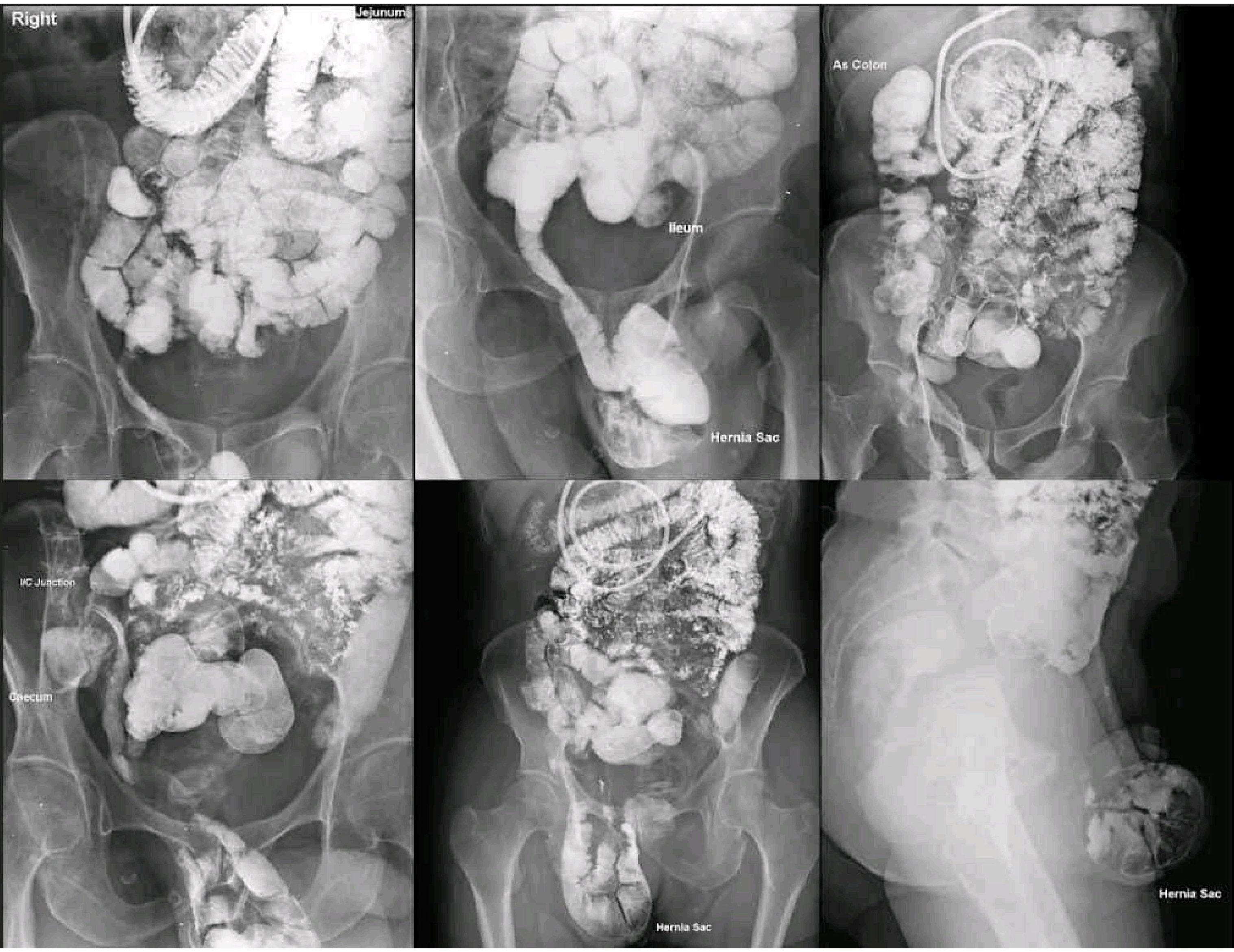

Right
Jejunum
Ileum
Hernia Sac
As Colon
I/C Junction
Caecum
Hernia Sac
Hernia Sac

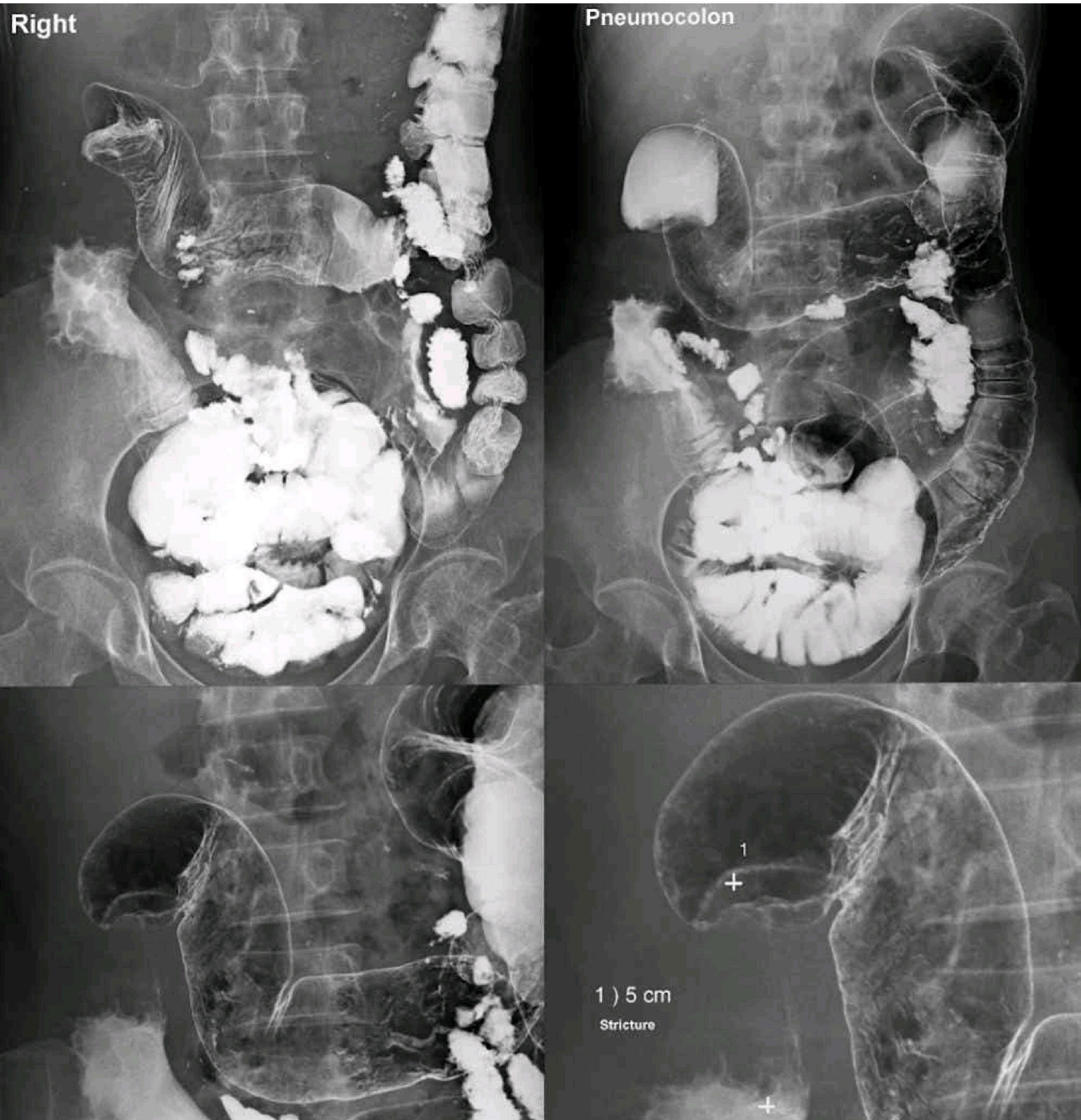
Right
Pneumocolon
1
1) 5 cm
Stricture
1

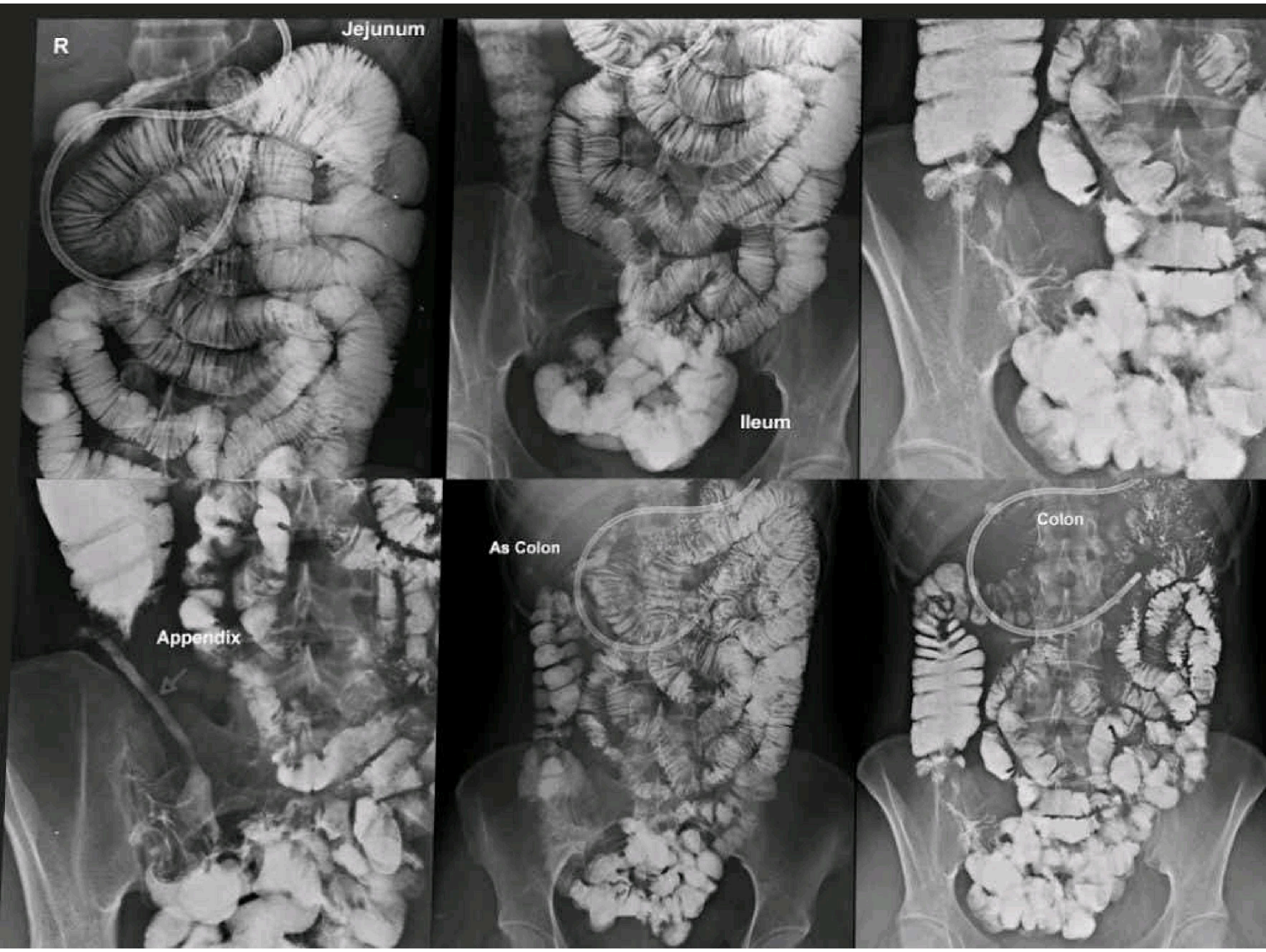
R
Jejunum
Ileum
Appendix
As Colon
Colon

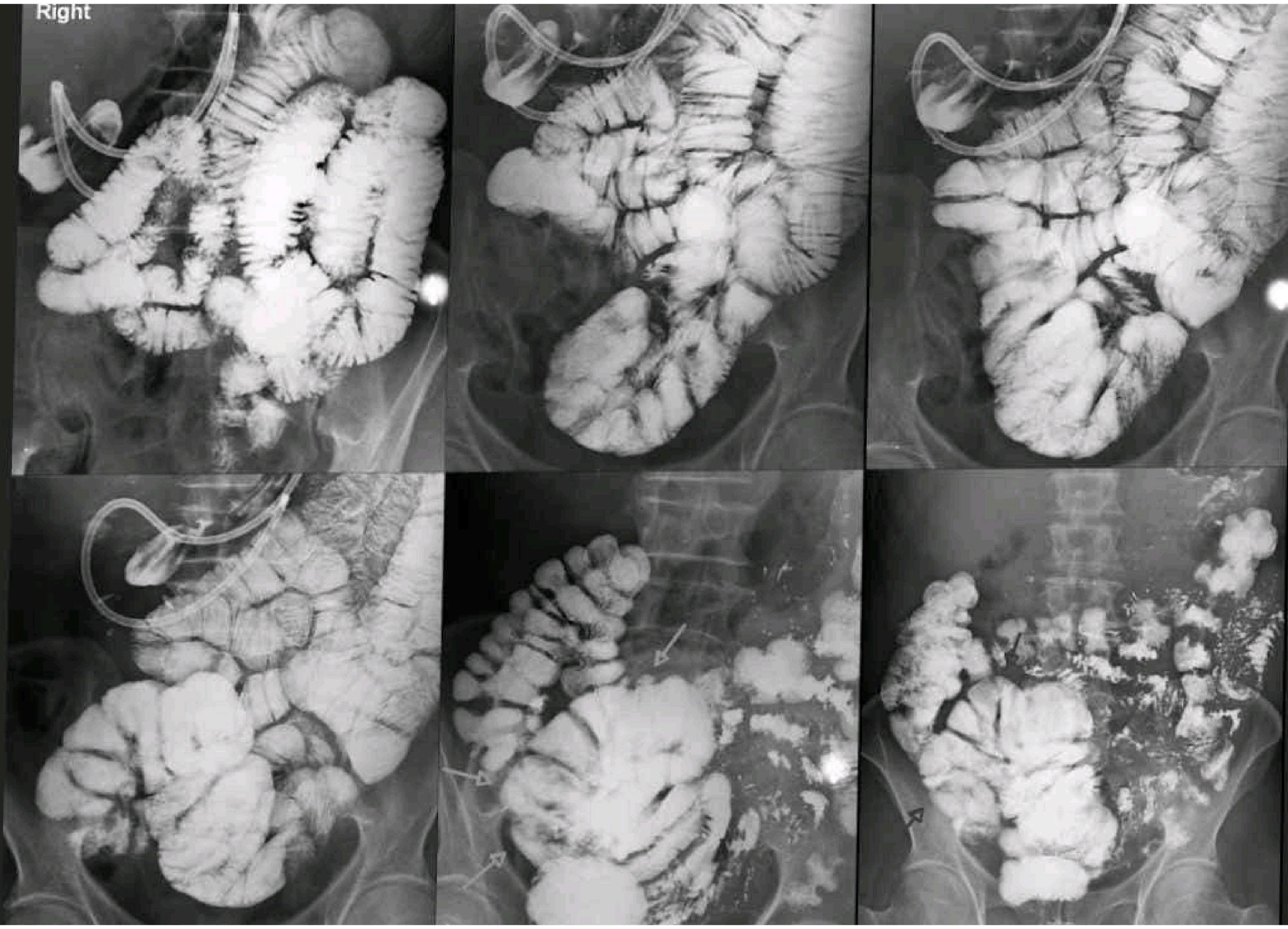
Right

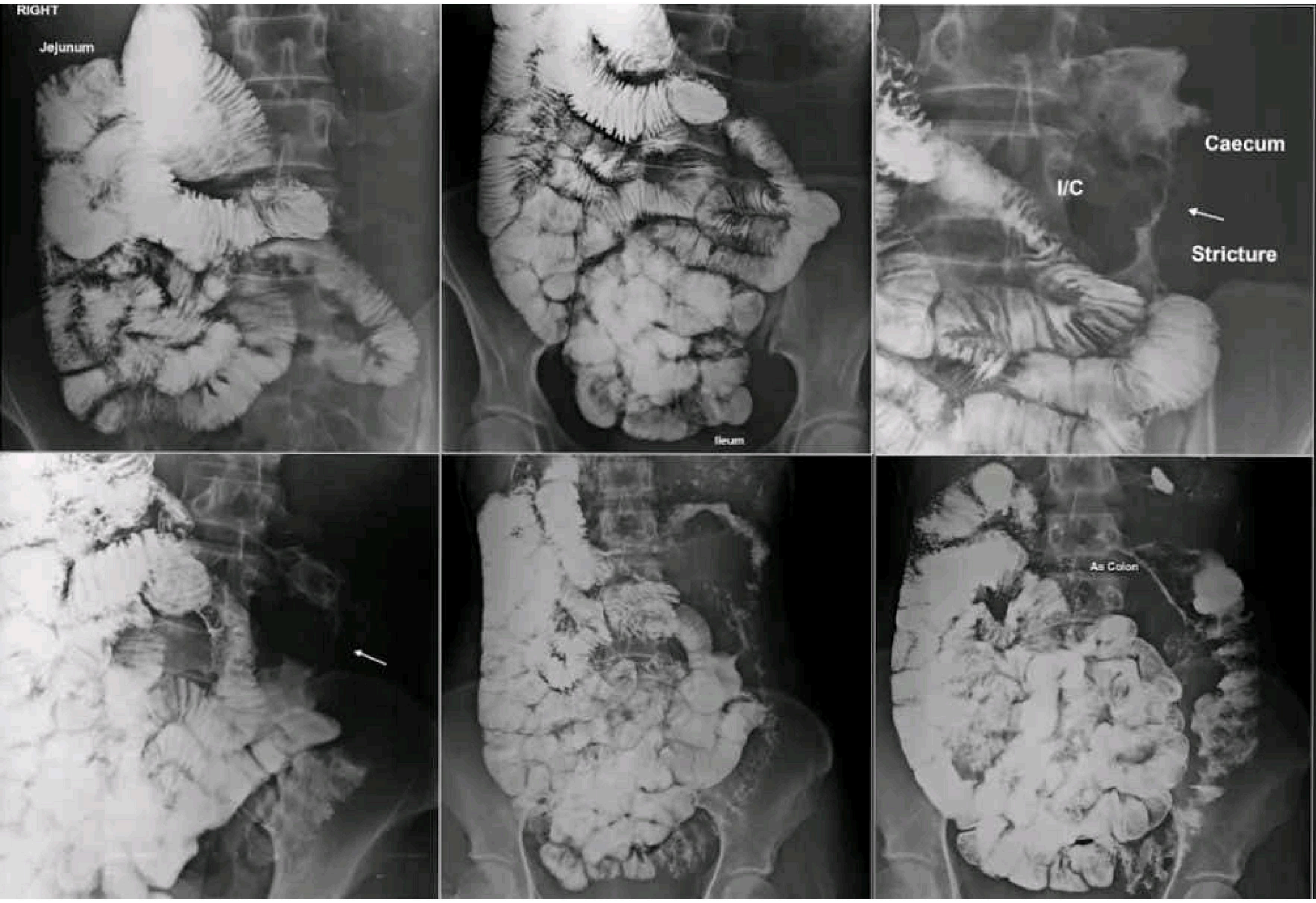
RIGHT
Jejunum
Ileum
Caecum
I/C
Stricture
As Colon

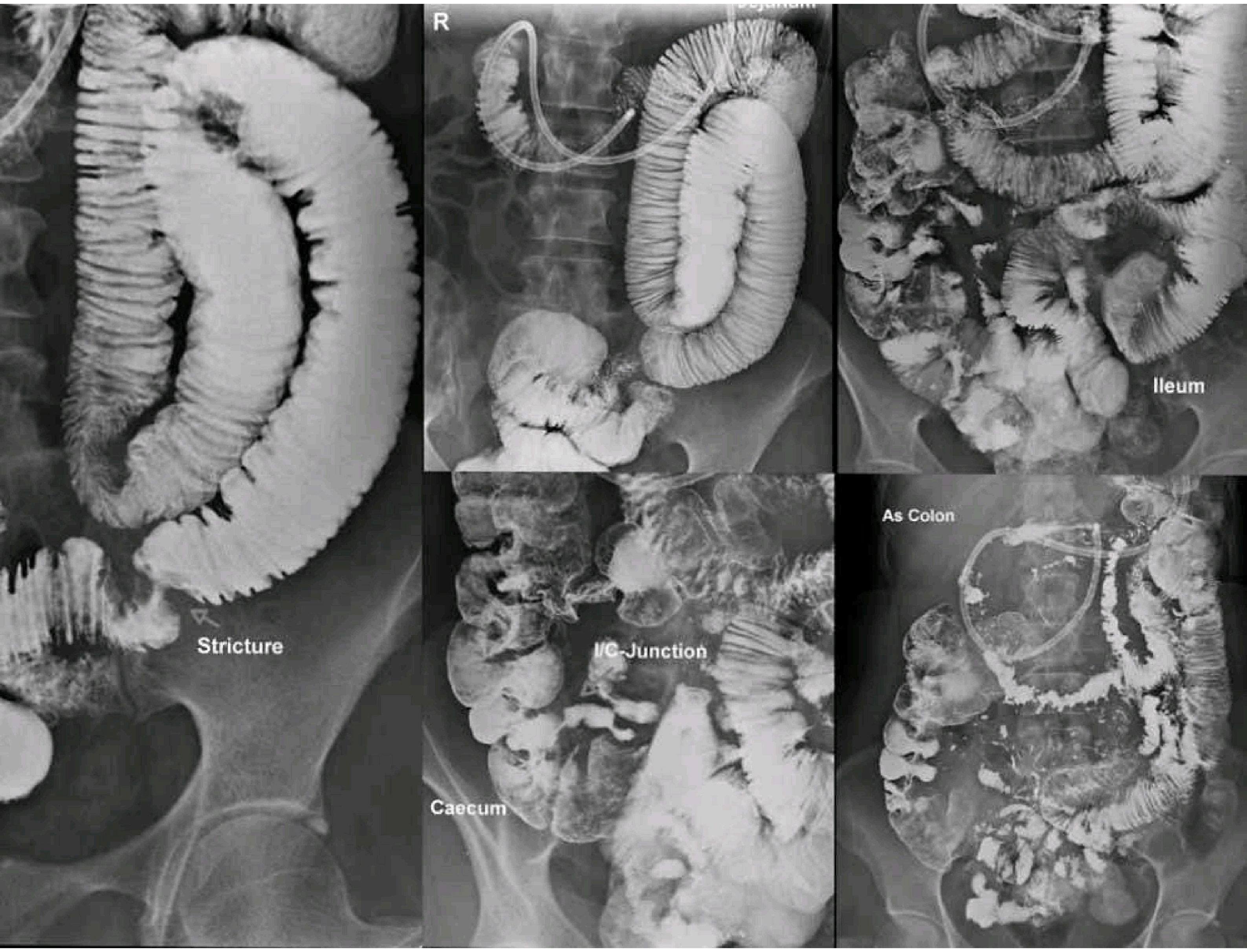
Stricture
R
Ileum
I/C-Junction
Caecum
As Colon

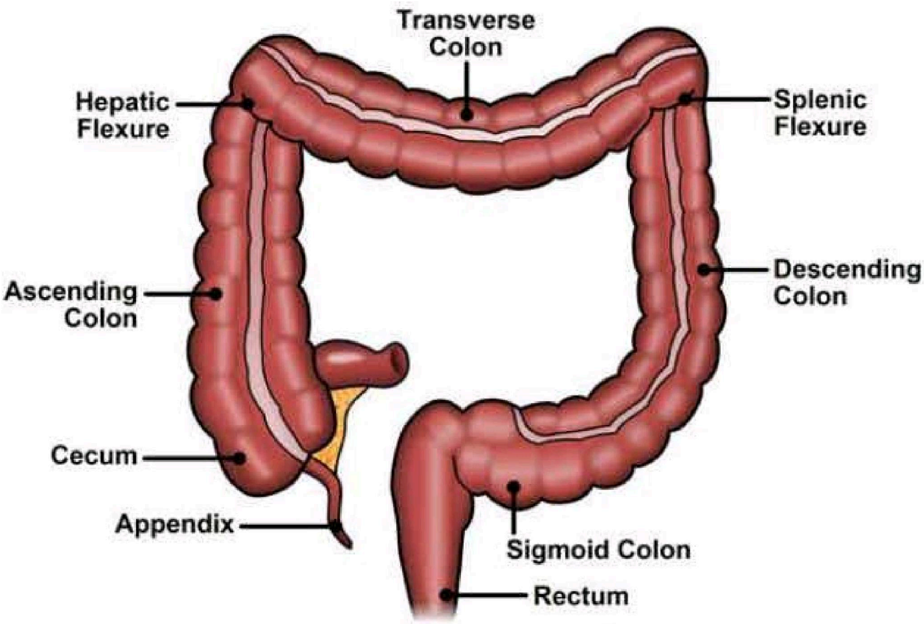

बेरियम एनीमा

यह रेडियोलॉजिकल प्रोसीजर बड़ी आत की बीमारियों का पता लगाने हेतु किया जाता है जिसमें बड़ी आत में होने वाले छाले, गांठ, टी बी, केंसर, आंतों में खाने को आगे बढ़ाने की गतिविधियां न होना, मल साफ न होना, मल का रुक जाना, बार बार दस्त लगना आदि के कारण का पता लगाने के लिये किया जाता है। छोटे बच्चों में पेट फूलना दो-चार दिन तक मल का न होना जैसे गम्भीर बीमारियों का पता लगाने में किया जाता है।

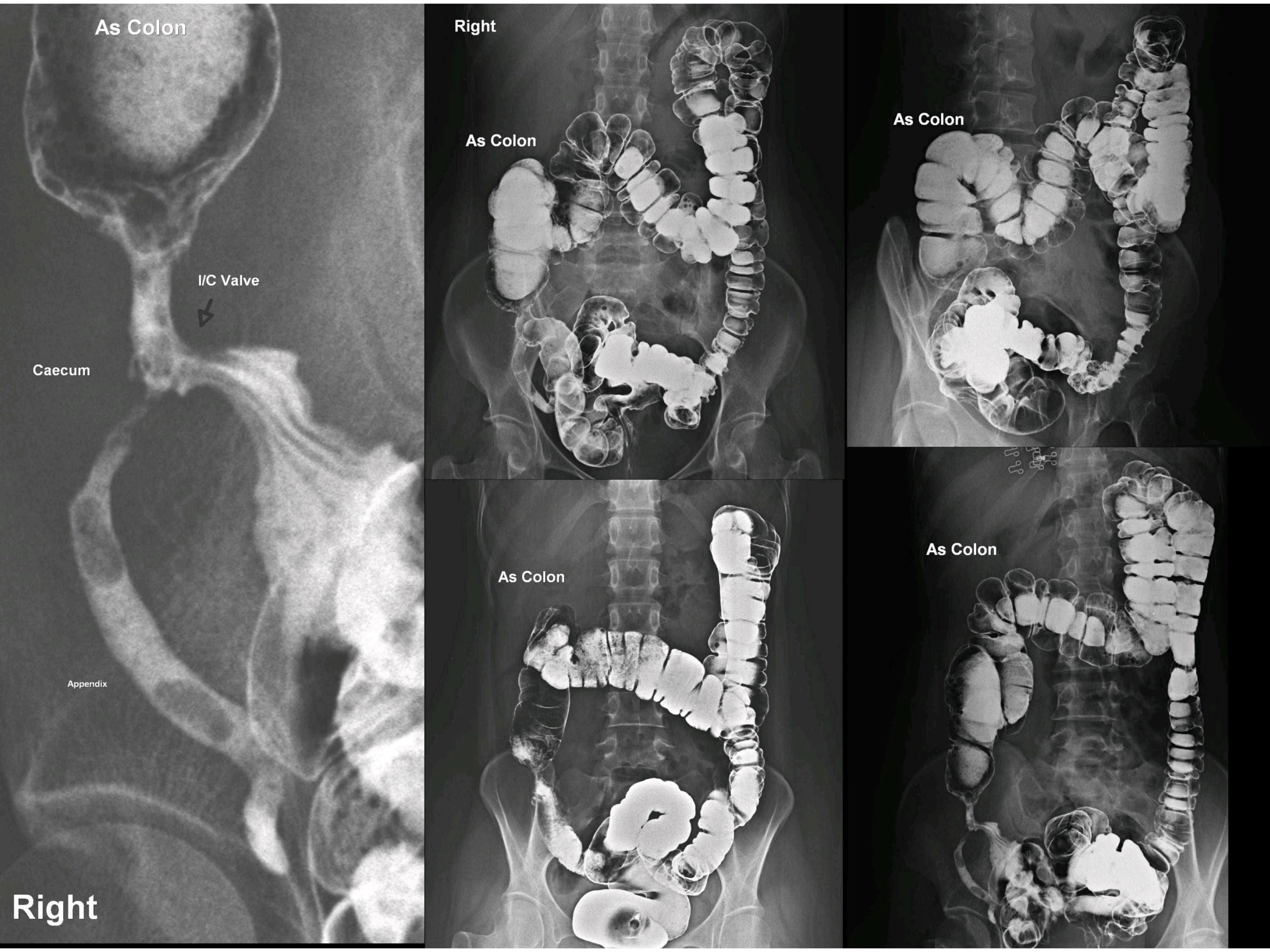
As Colon
I/C Valve
Caecum
Appendix
Right
Right
As Colon
As Colon
As Colon
As Colon

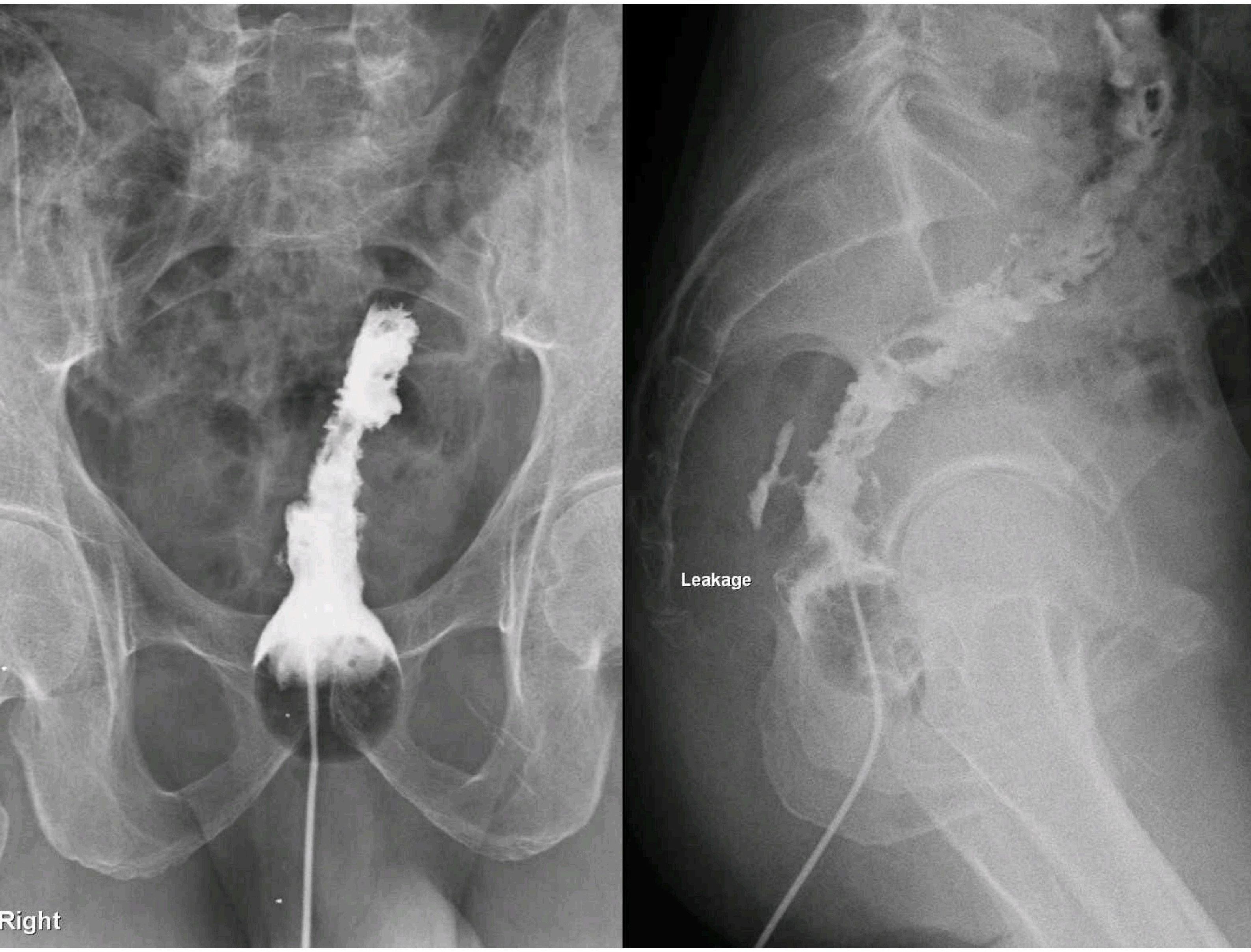
Right
Leakage

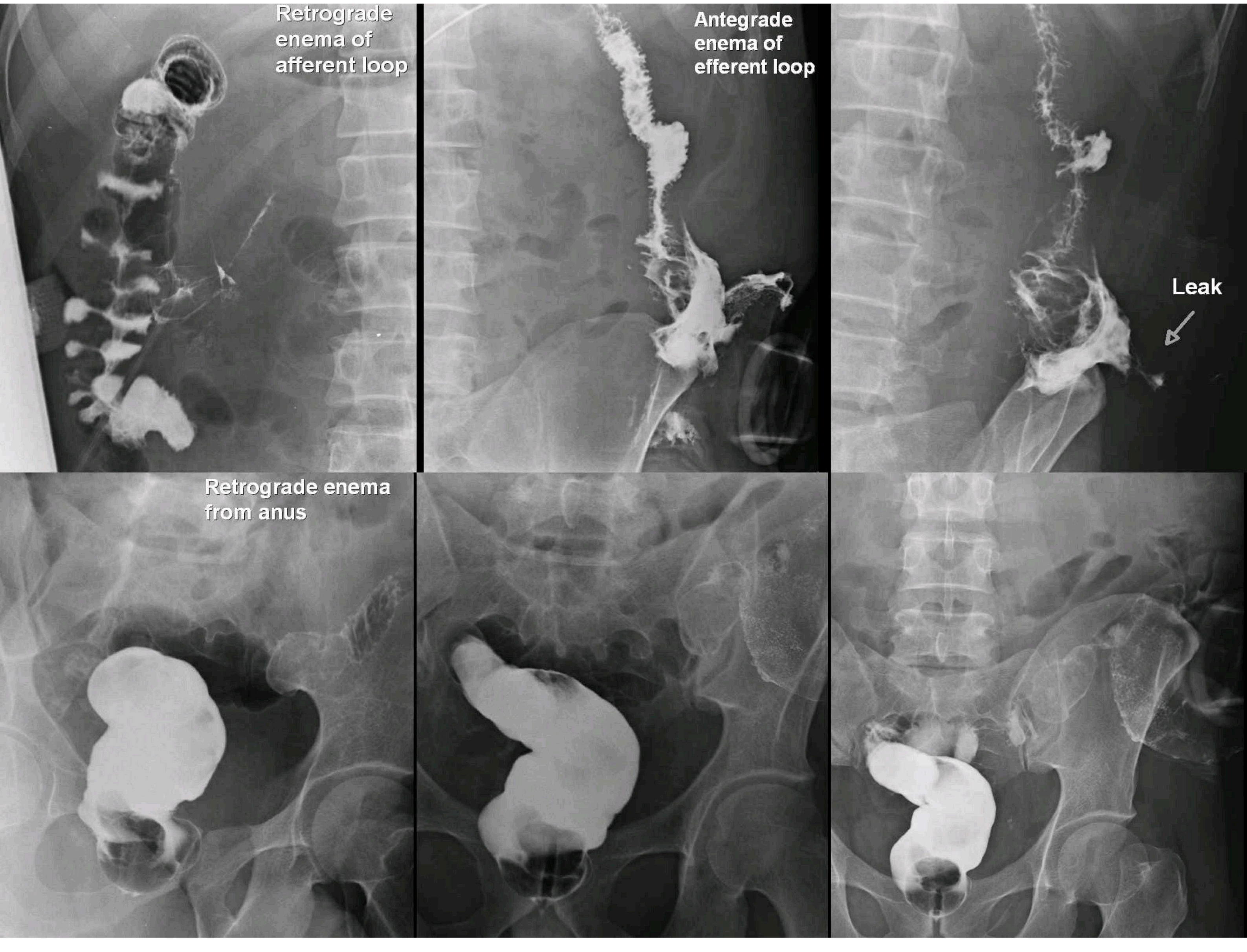
Retrograde enema of afferent loop
Antegrade enema of efferent loop
Leak
Retrograde enema from anus

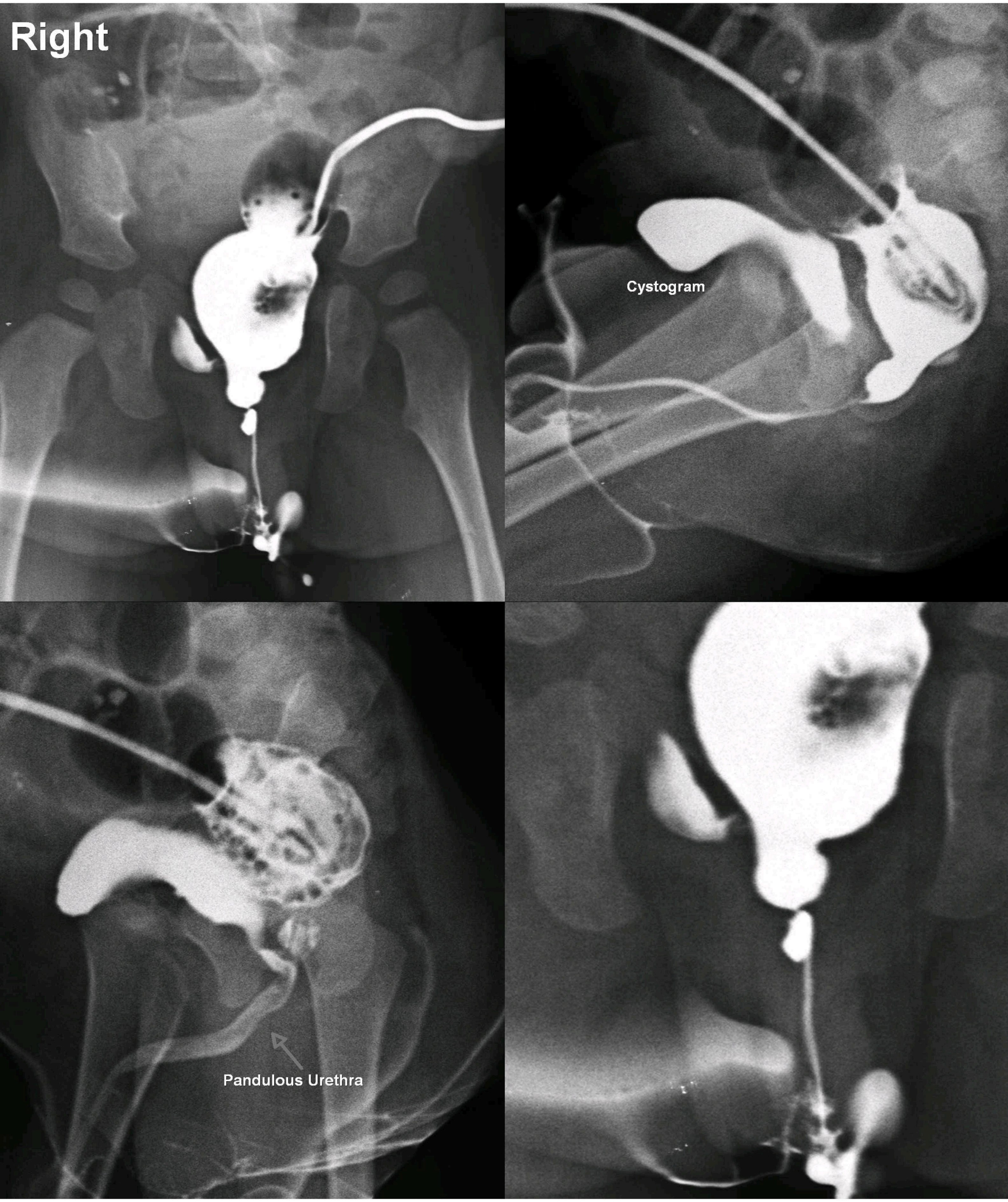
Right
Cystogram
Pandulous Urethra

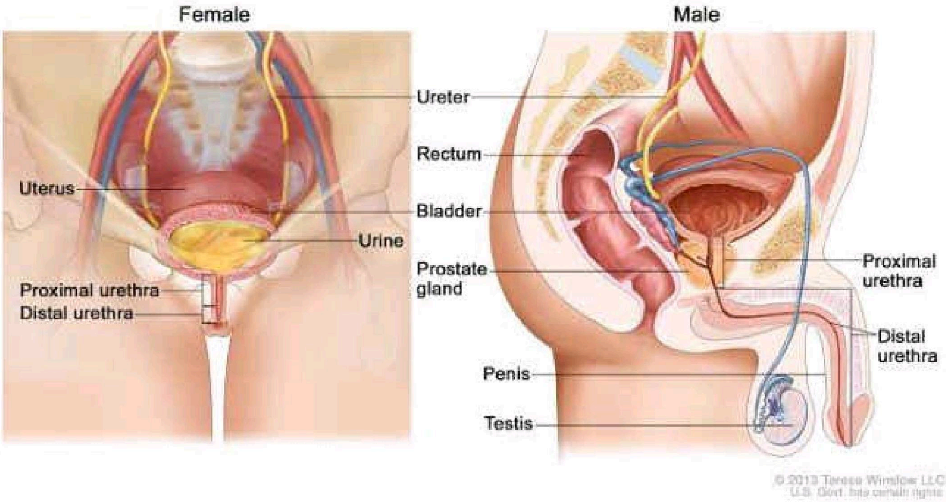

यूरेथ्रोग्राफी

पेशाब की नली तथा पेशाब की थैली में होने वाली बीमारियों का पता लगाने हेतु किया जाने वाला रेडियोग्राफिक प्रोसीजर है इस जांच के माध्यम से मरीज को होने वाले समस्या जैसे:- पेशाब का रुक जाना, पेशाब करने में जलन होना, पेशाब रुक रुक कर आना, पेशाब के साथ खून या सफेद तरल पदार्थ का आना, किडनी या पेशाब की थैली में होने वाले संक्रमण, पेशाब के साथ मल का आना, यूरिन का रिफ्लक्स होना आदि के पता लगाने में किया जाता है। यह सामान्य सी जांच है जो हमारे यंहा लगभग 15 से 20 मिनट में हो जाती है।

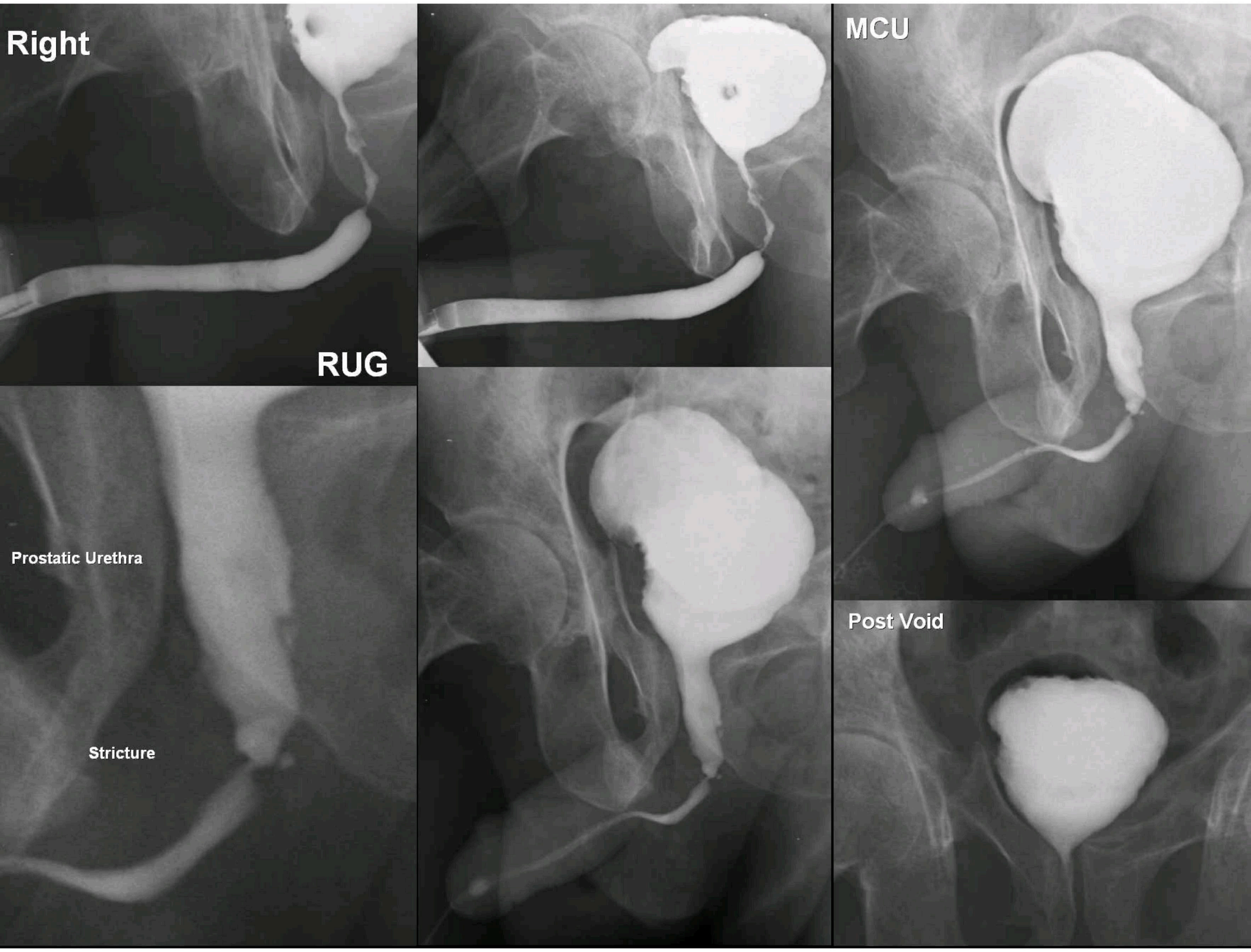

Right
RUG
Prostatic Urethra
Stricture
MCU
Post Void

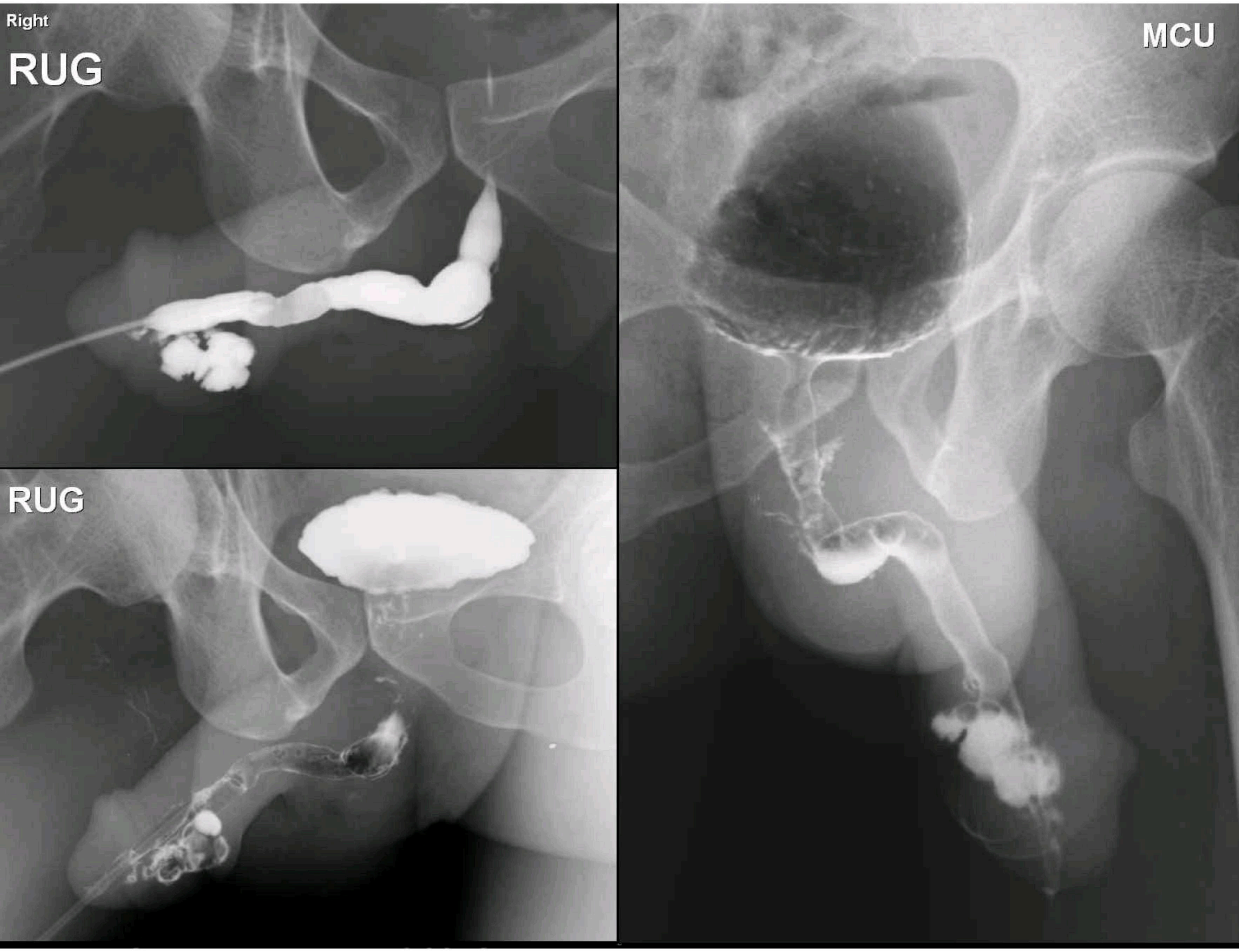
Right
RUG
RUG
MCU

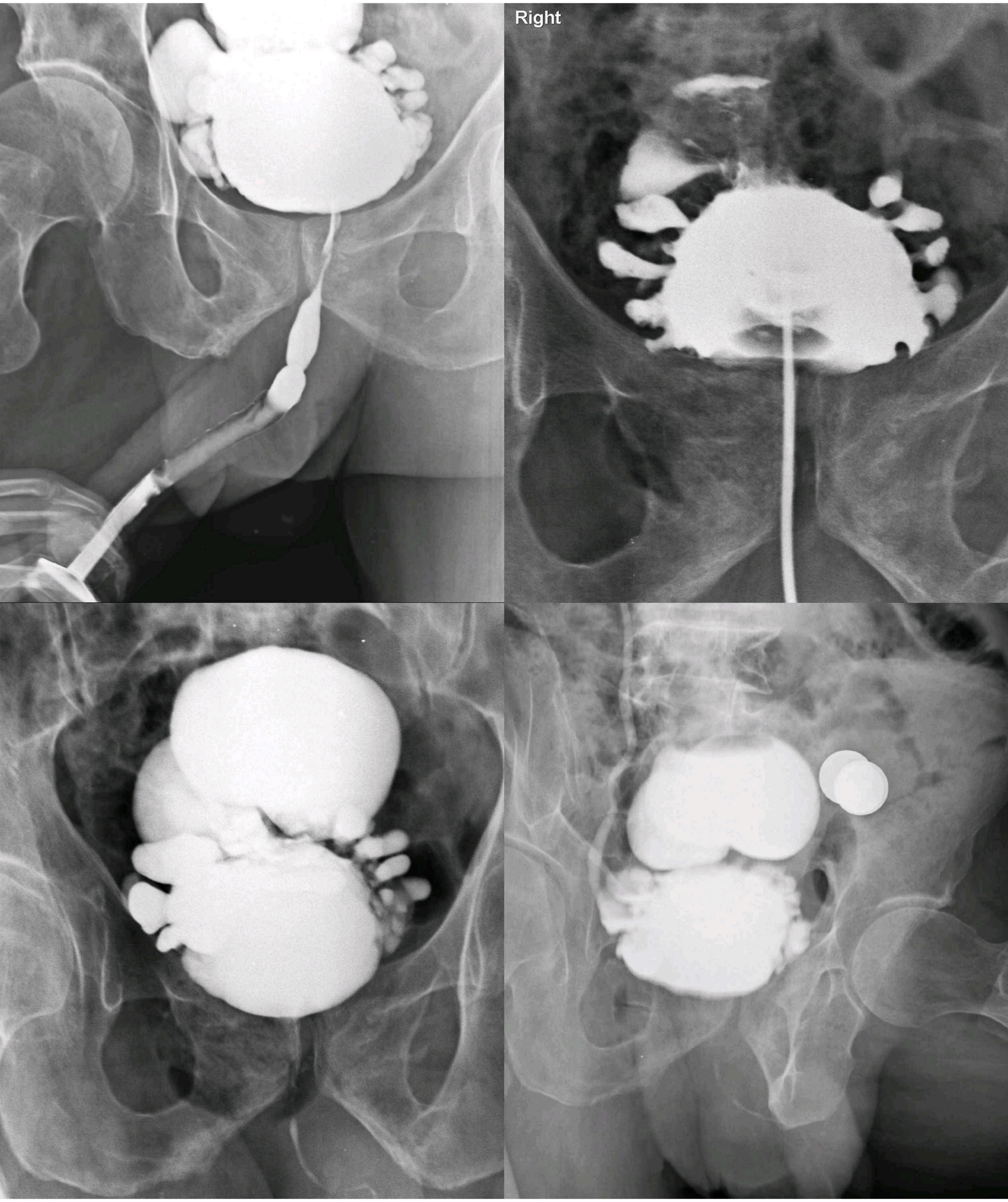
Right

Right
Posterior Urethra
Reflux
UB
Posterior Urethra

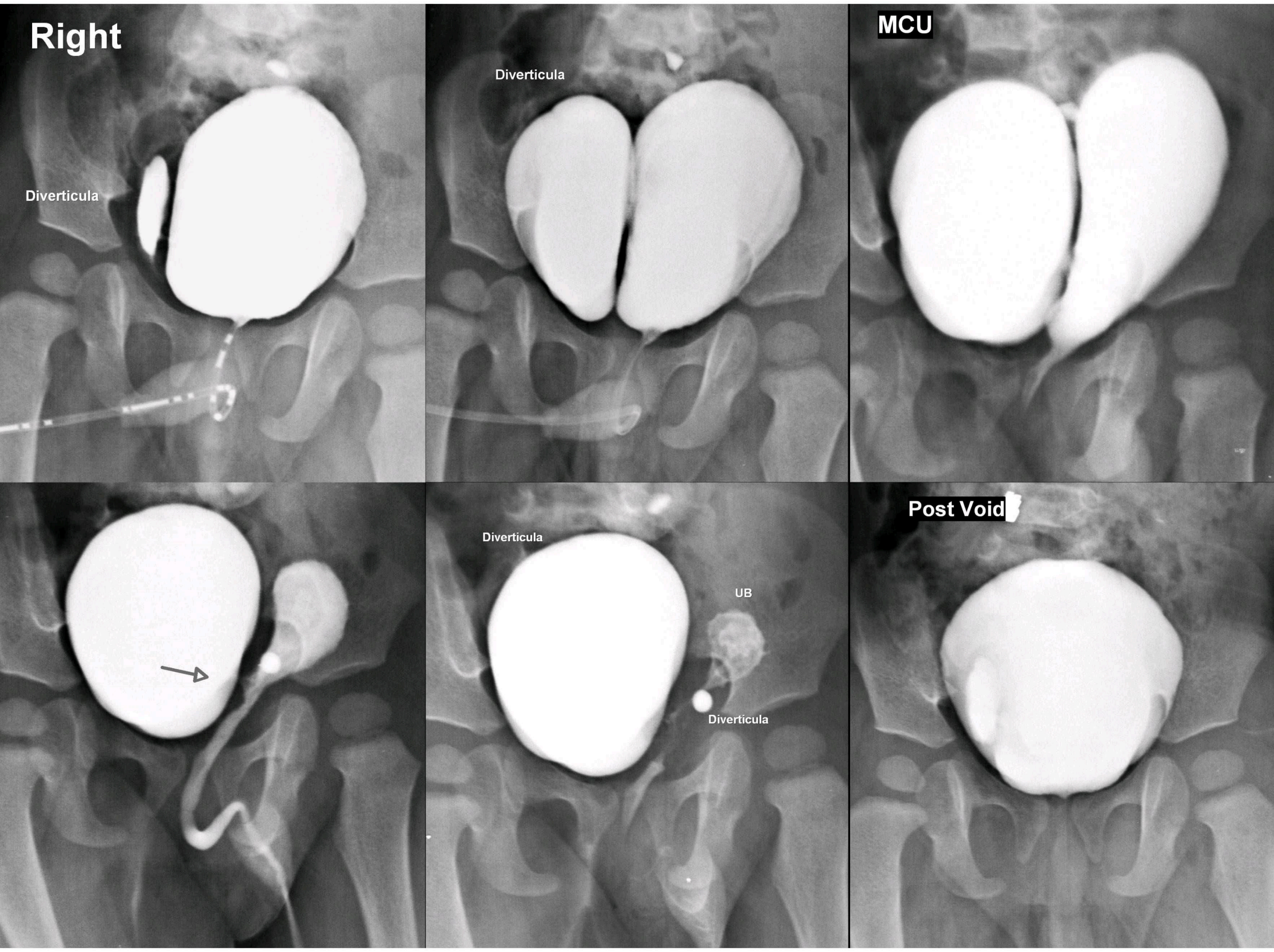
Right
Diverticula
Diverticula
MCU
Diverticula
UB
Diverticula
Post Void

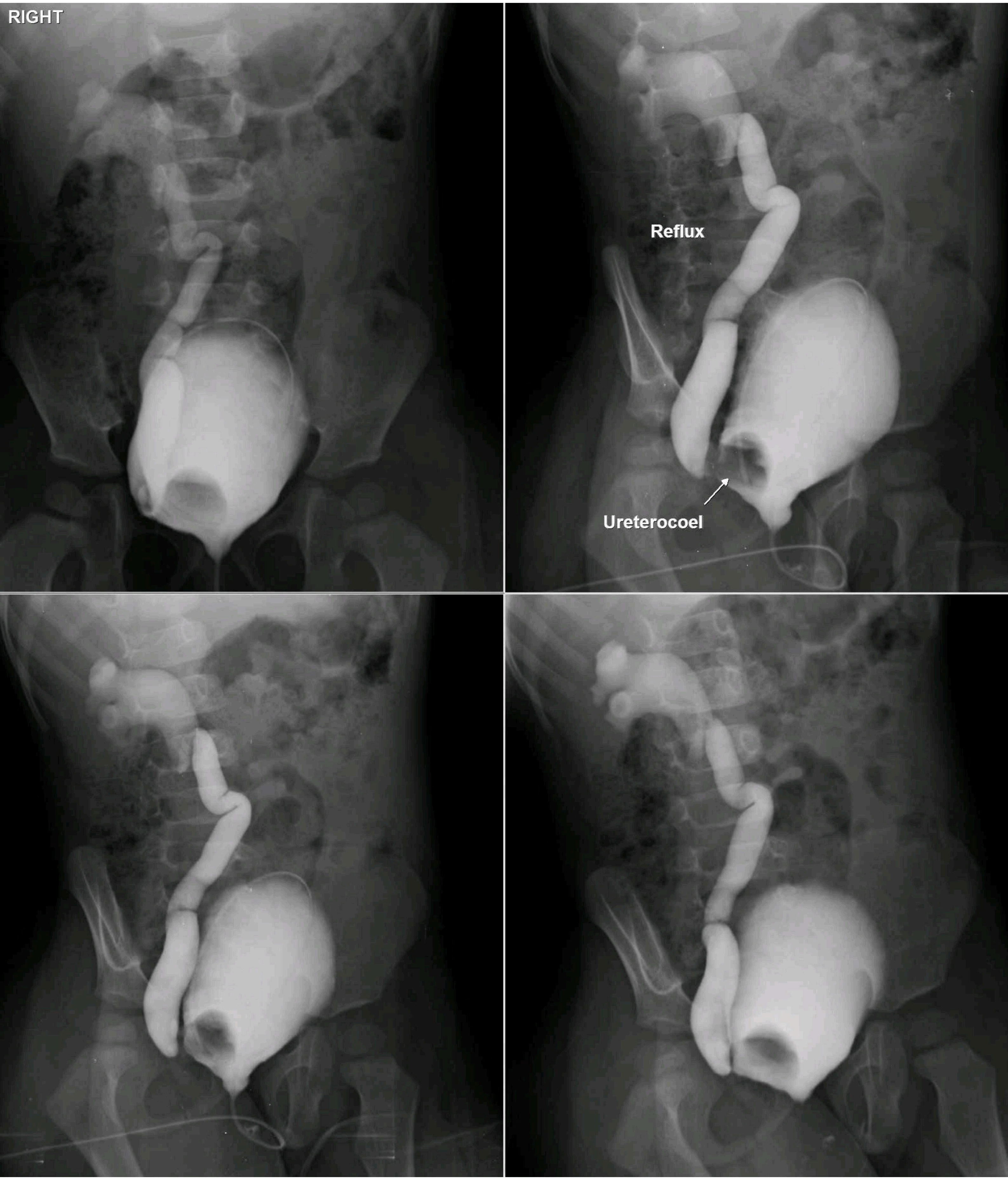
RIGHT
Reflux
Ureterocoel

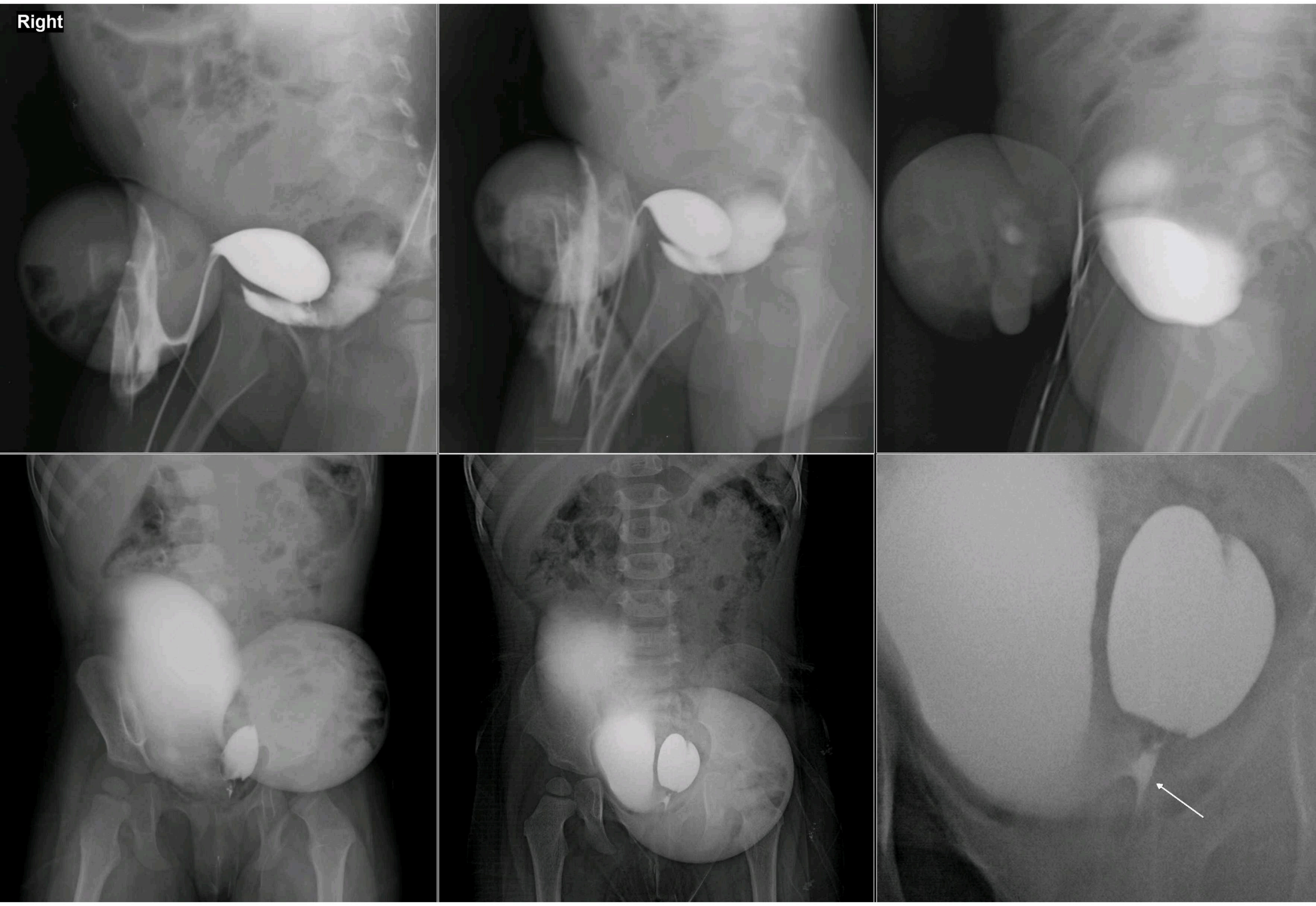
Right

Right
Feeding Tube
Prostatic Urethra
Bladder Neck
Prostatic Urethra

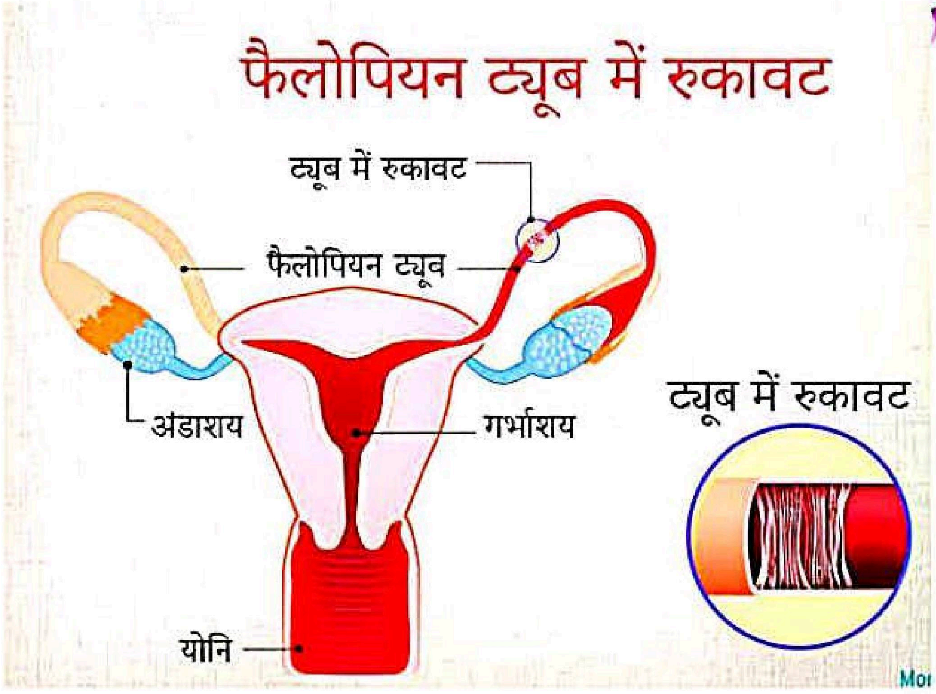

एचएसजी या Hysterosalpingogram

यहटेस्ट एक विशेष प्रकार का एक्स-रे है, जिसका उपयोग महिलाओं में प्रजनन क्षमता को देखने के लिए किया जाता है। यह टेस्ट एक रेडियोलॉजिकल प्रक्रिया है, जिसमें गर्भाशय के गुहा के साथ फैलोपियन ट्यूब्स के आकार और पेटेंट की जांच की जाती है। इसमें यह जांच की जाती है कि फैलोपियन ट्यूब ब्लॉक है या नहीं।

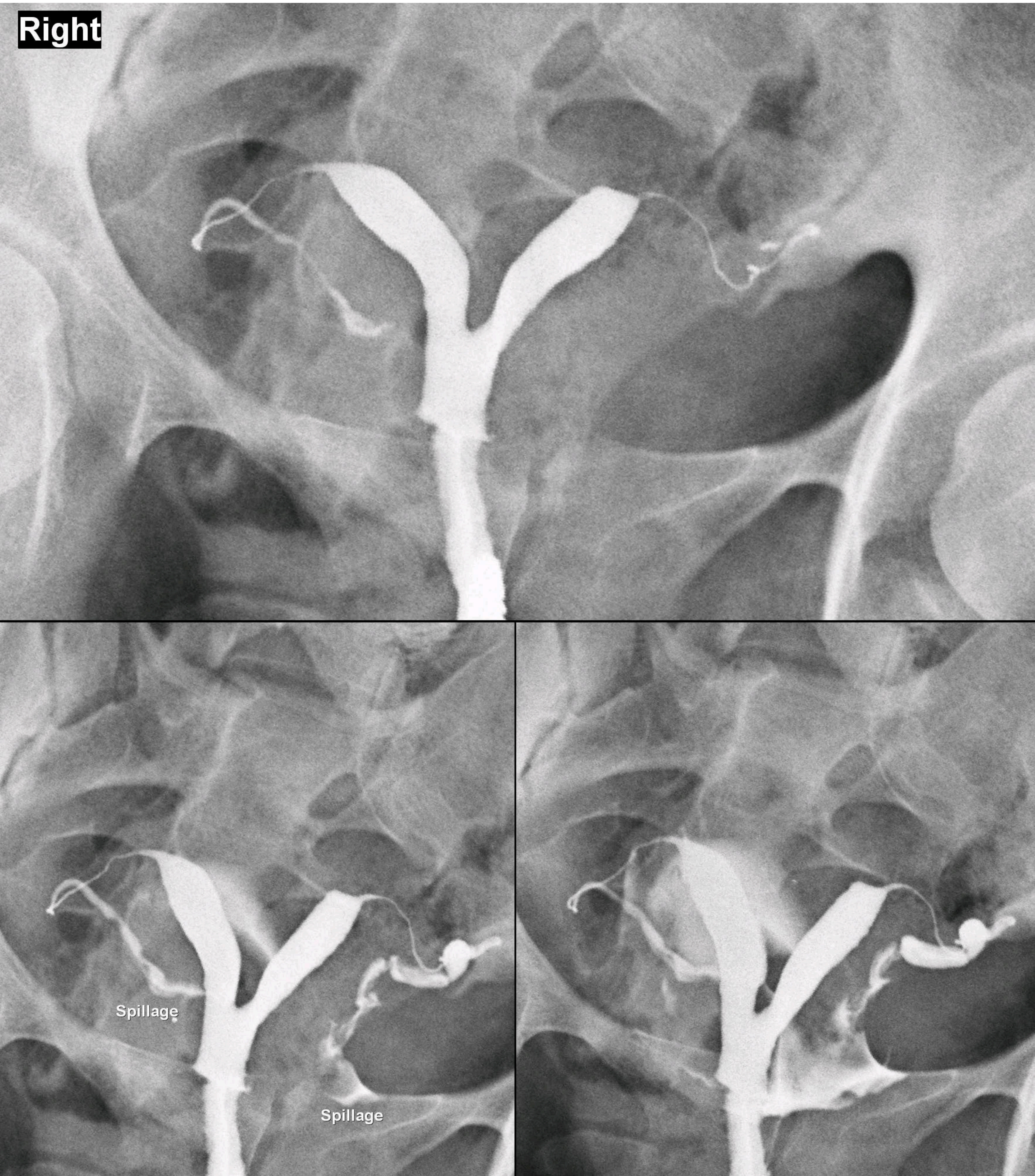
Right
Spillage
Spillage

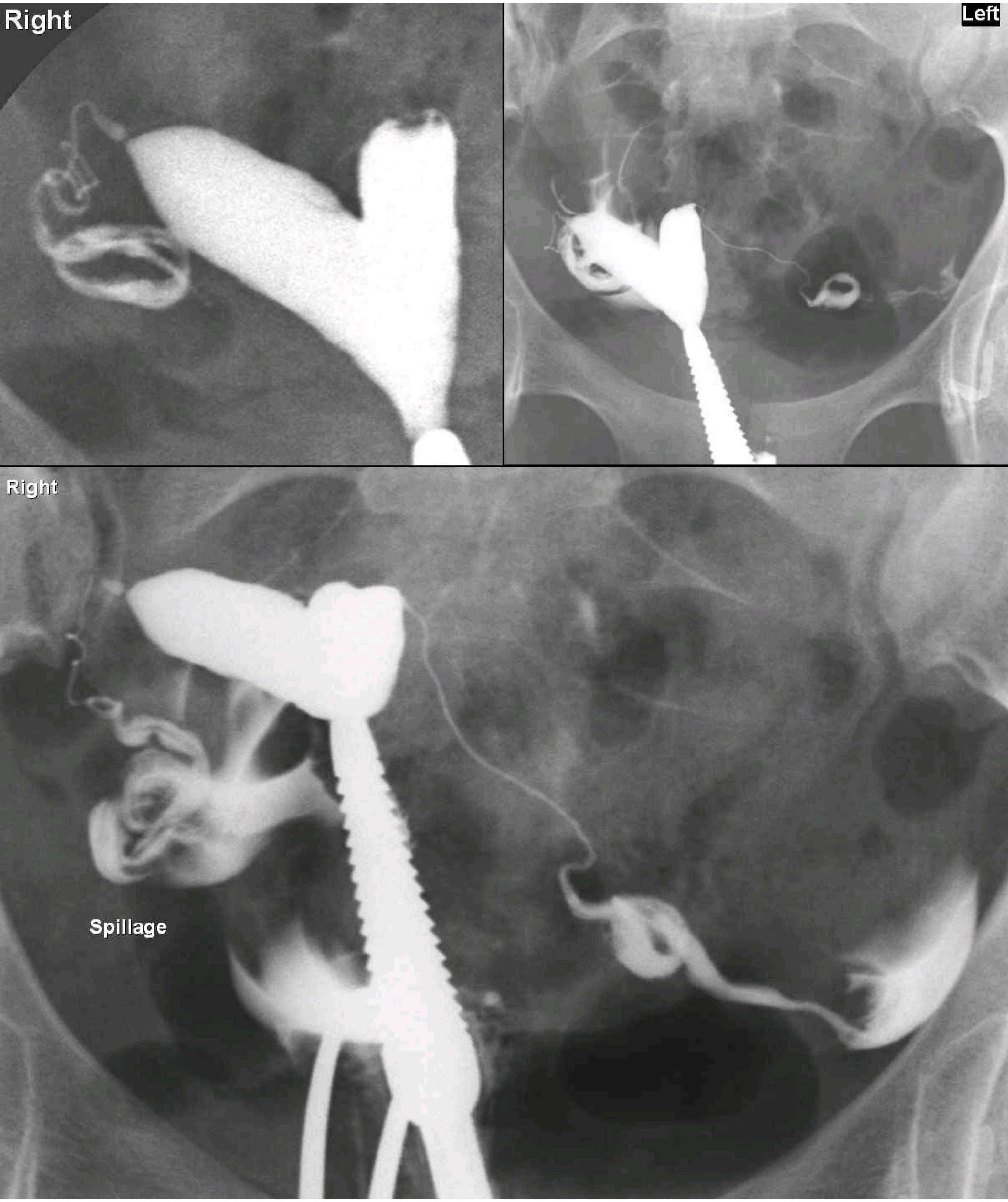
Right
Left
Right
Spillage

Right

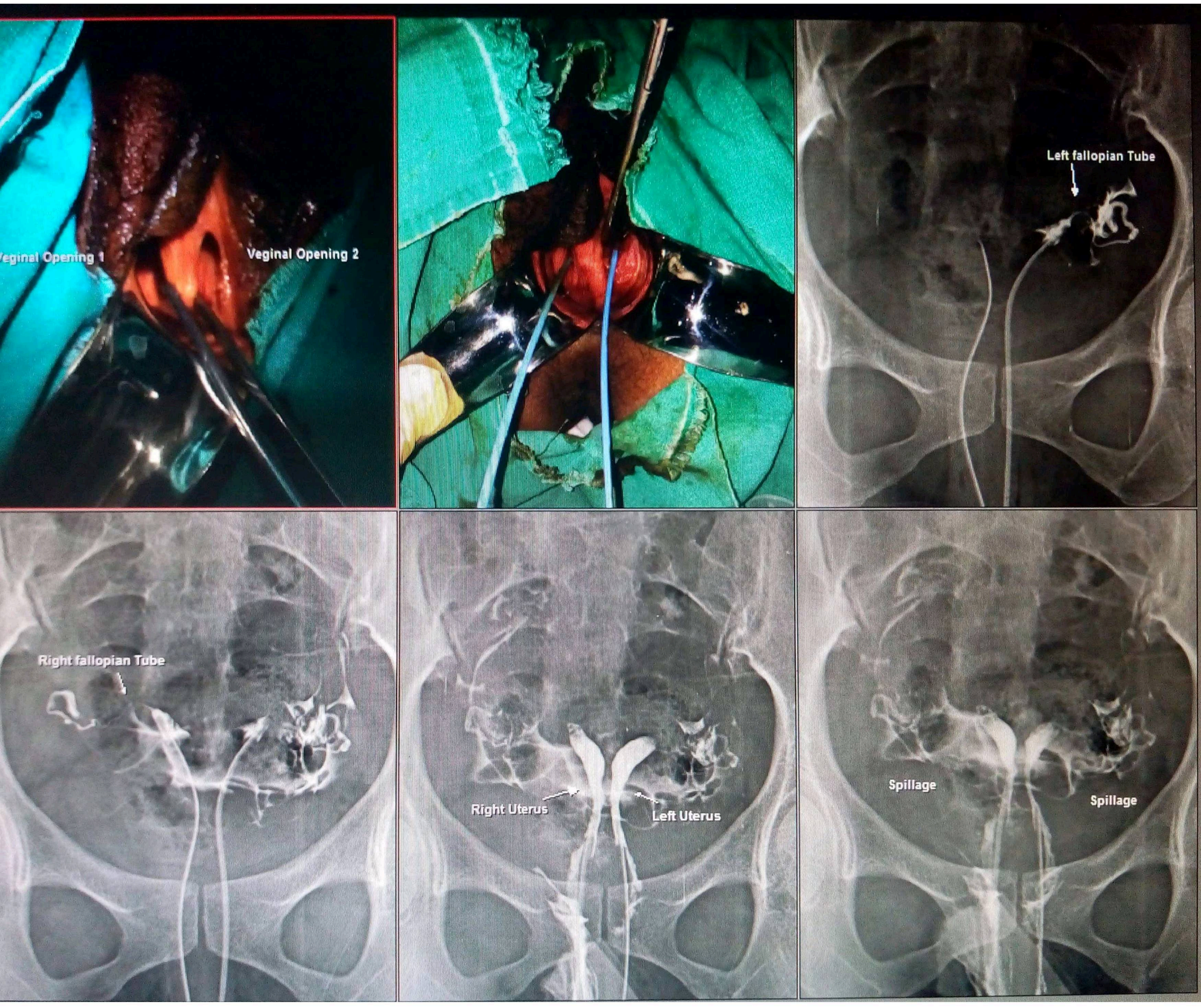
Veginal Opening 1
Veginal Opening 2
Left fallopian Tube
Right fallopian Tube
Right Uterus
Left Uterus
Spillage
Spillage

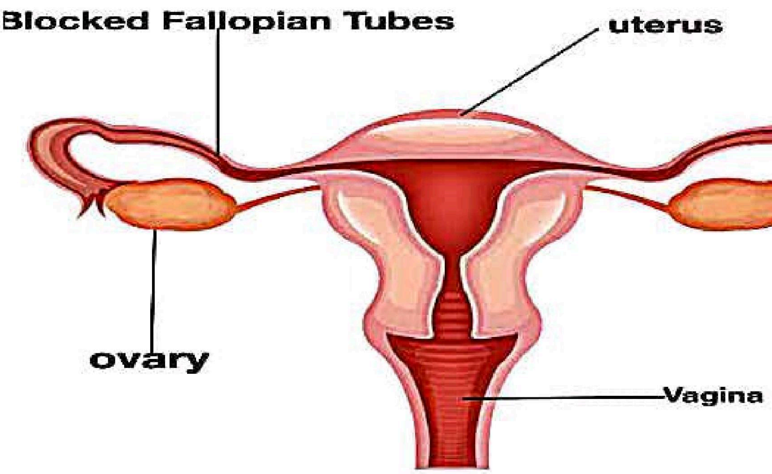

बच्चेदानी की नली को खोलना (F.T.R.)

इस विधि द्वारा गर्भ ना धारण करने वाली महिला का इलाज किया जाता है। एच एस जी जांच द्वारा जब यह पता लगा लिया जाता है कि बच्चेदानी की दो नली में रुकावट है तब एक पतली नली को बच्चेदानी की दो नली के मुंह पर रखकर उसके जरिए दवाब से विशेष दवाई का गोल डाला जाता है उस नली विशेष का चित्र प्राप्त किया जाता है इससे रुकावट की जगह की पहचान दोबारा होती है कई बार इस दबाव (High Pressure) घोल के द्वारा रुकावट पदार्थ नली के बाहर निकल जाता है अन्यथा महीन तार (Guide Wire) का प्रवेश नली में करवा कर नली को साफ किया जाता है। इस प्रक्रिया के उपरांत पुनः नली में घोल डाला जाता है जो कि बिना बाधा (Obstruction) के प्रवाह करता है। बच्चादानी की नालियों का रास्ता खुलने से गर्भधारण की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है। यह जांच महिलाओं के लिए वरदान से कम नहीं है, इस जांच का लाभ विगत कई वर्षों से हजारों महिलायें उठा चुकी है।

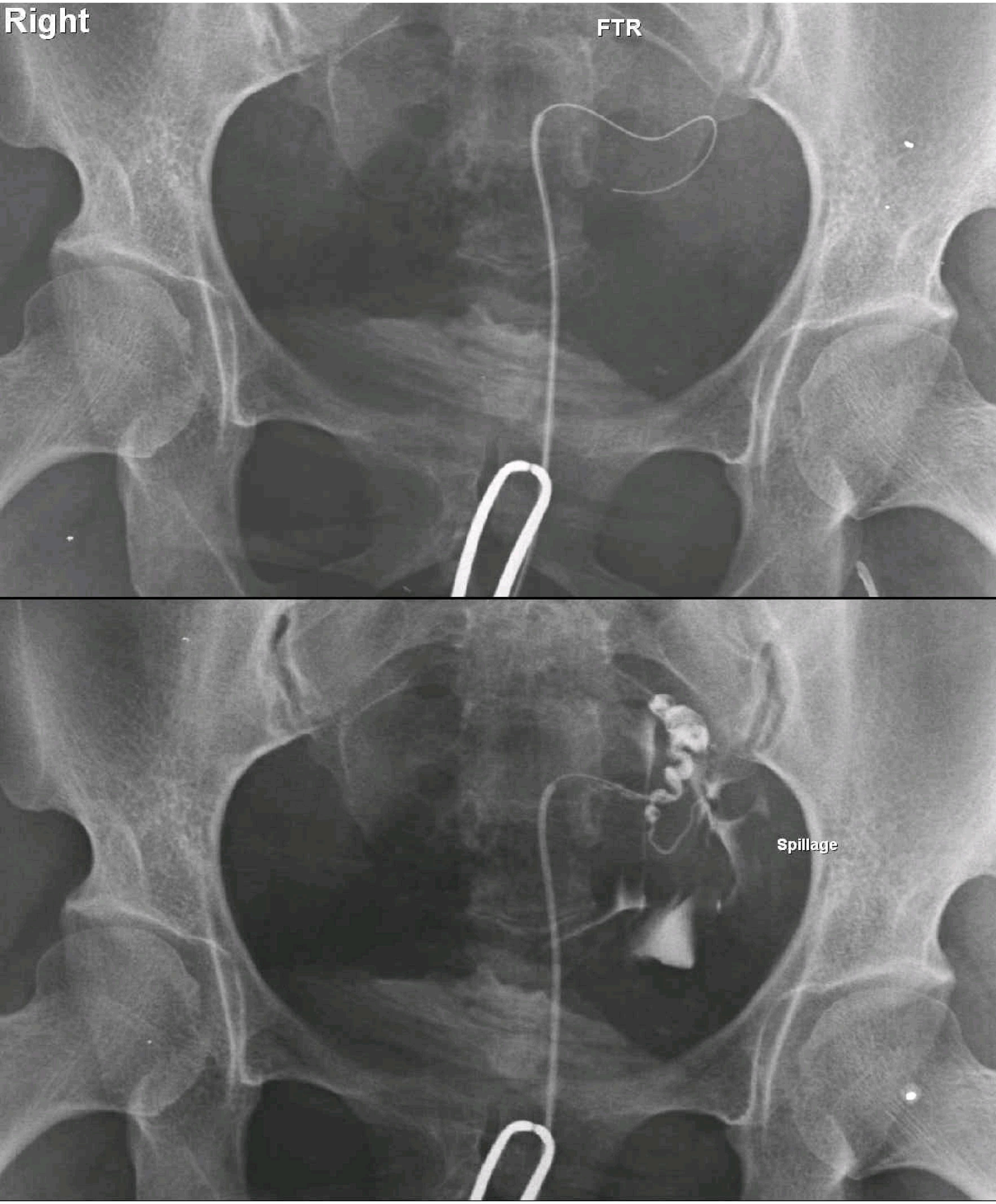
Right
FTR
Spillage

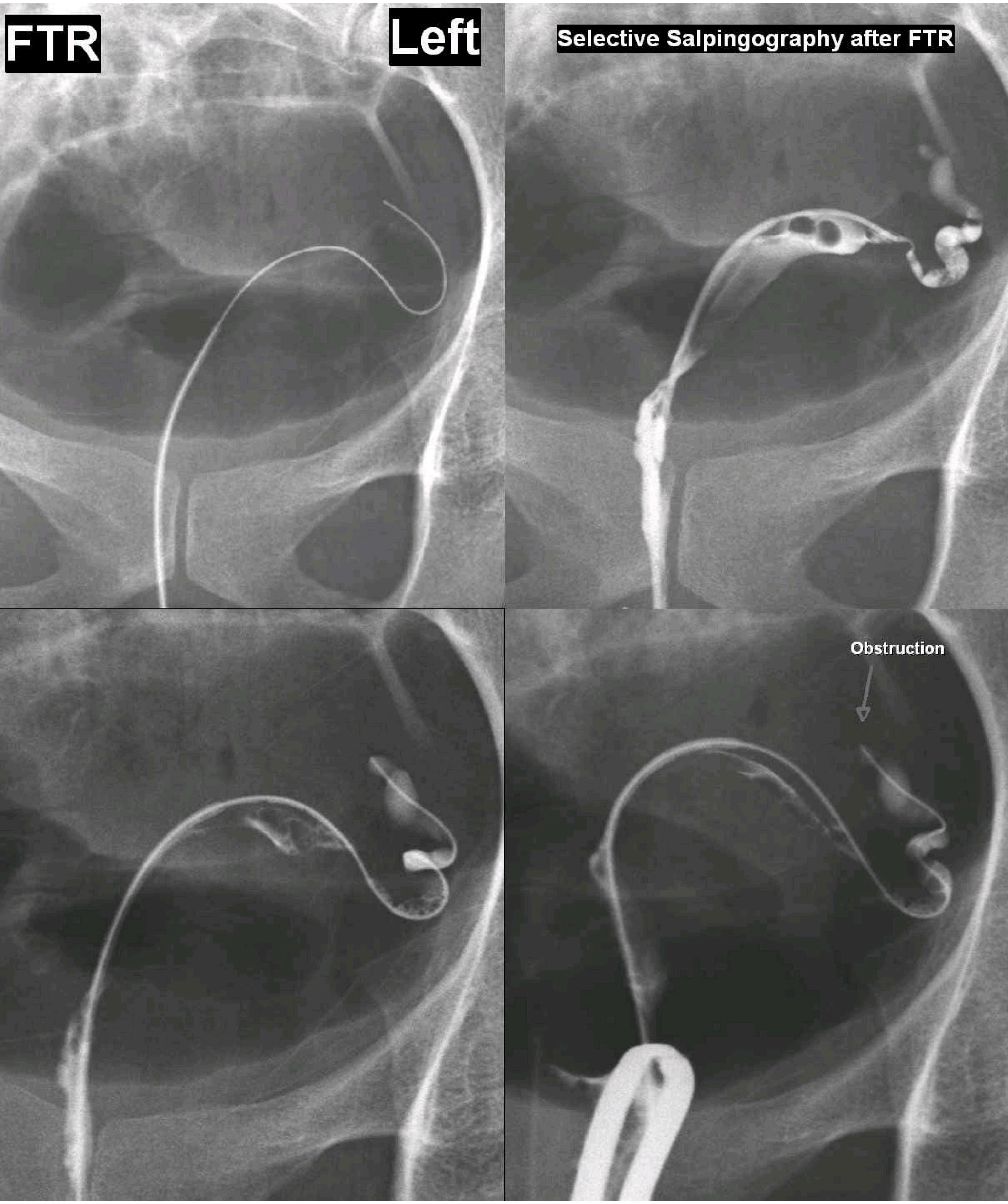
FTR
Left
Selective Salpingography after FTR
Obstruction

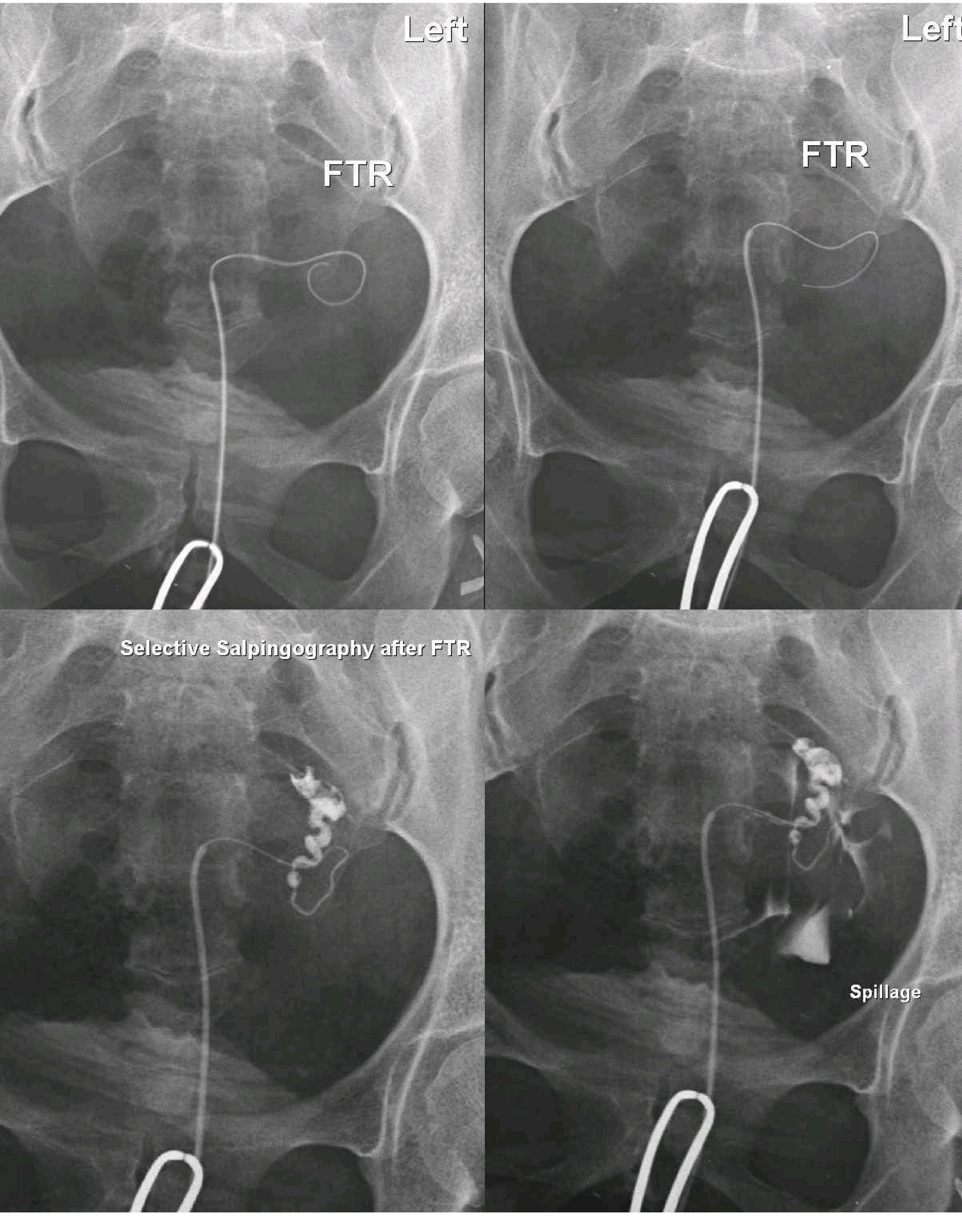

Left
FTR
Left
FTR
Selective Salpingography after FTR
Spillage

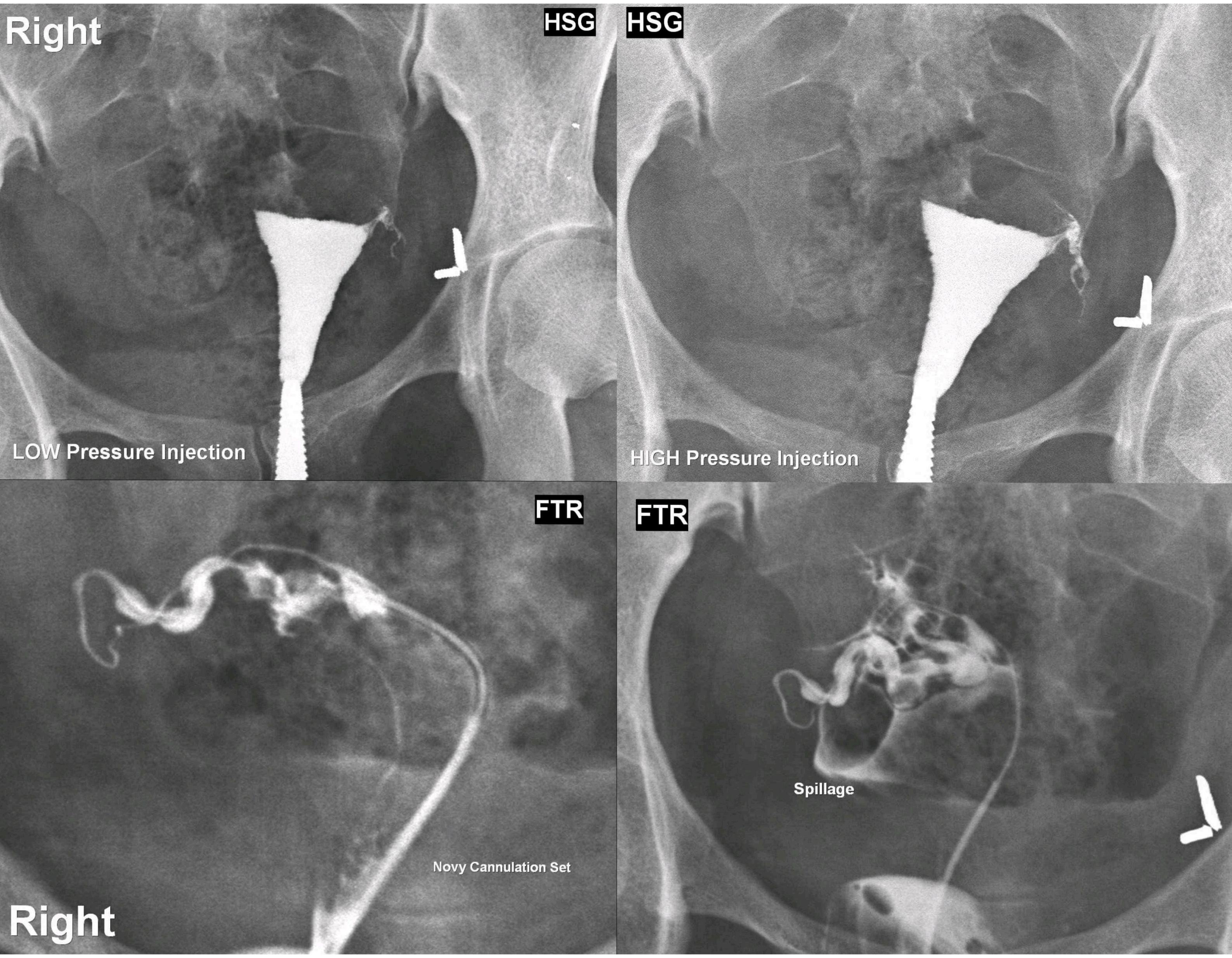
Right
HSG
LOW Pressure Injection
HSG
HIGH Pressure Injection
FTR
Novy Cannulation Set
Right
FTR
Spillage

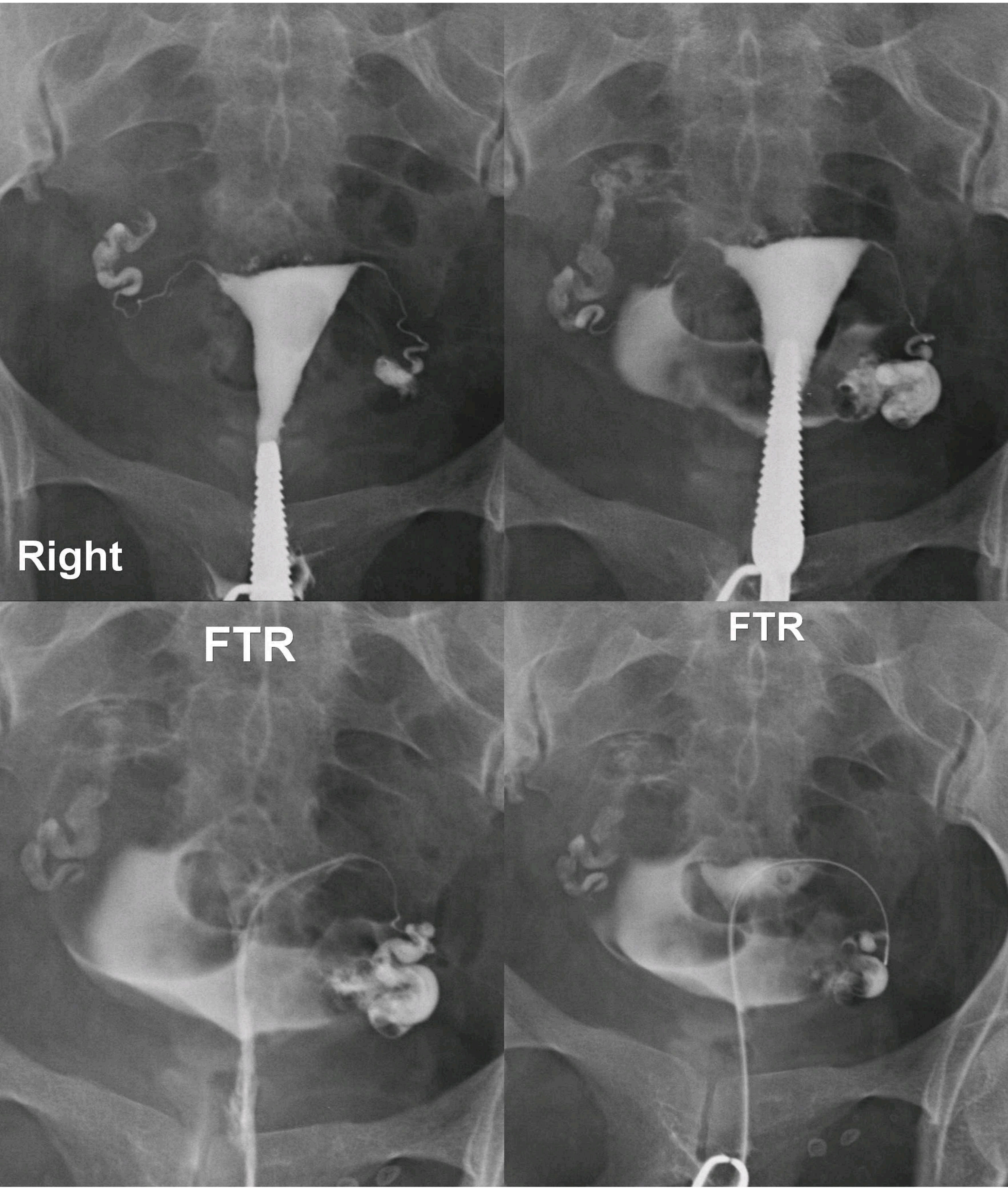

Right
FTR
FTR

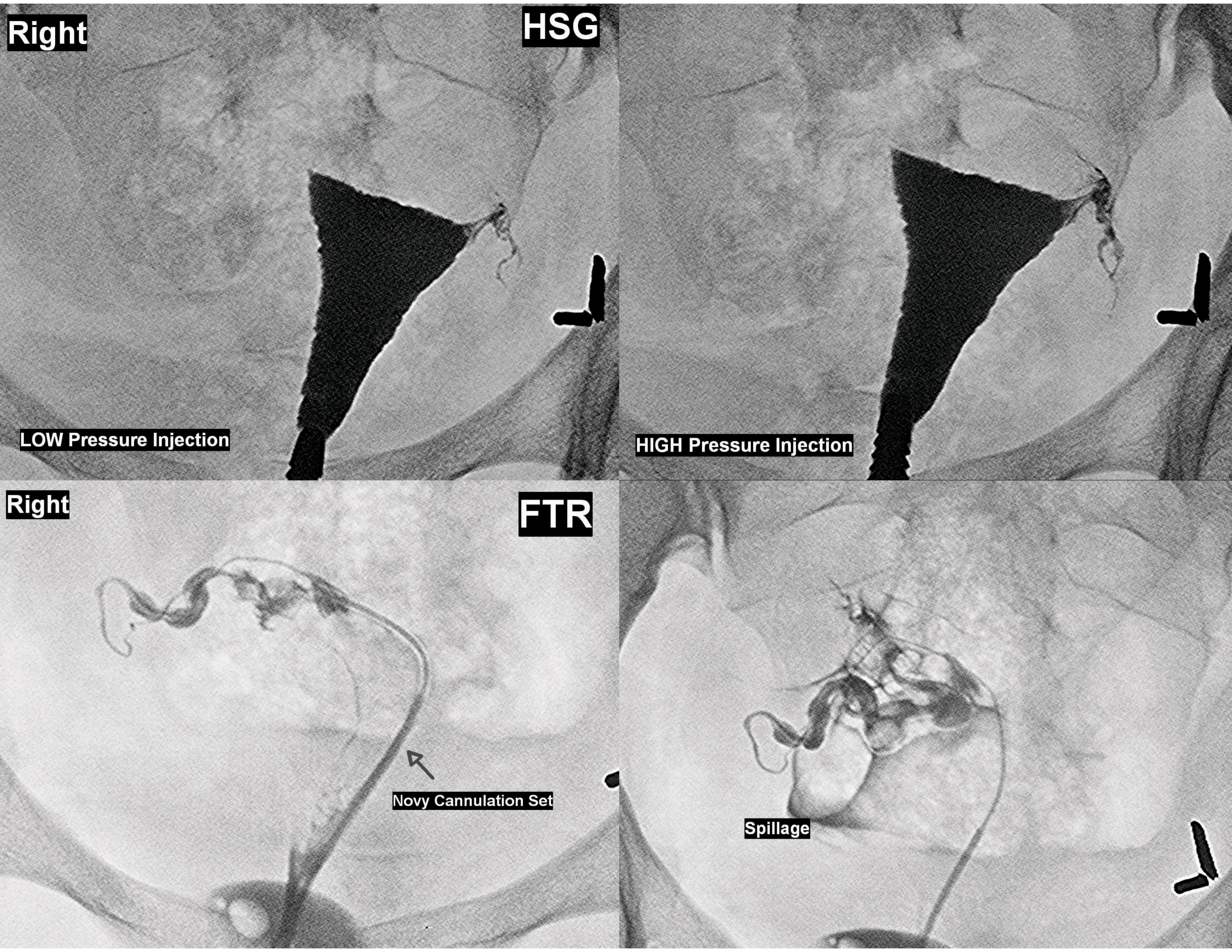
Right
HSG
LOW Pressure Injection
HIGH Pressure Injection
Right
FTR
Novy Cannulation Set
Spillage

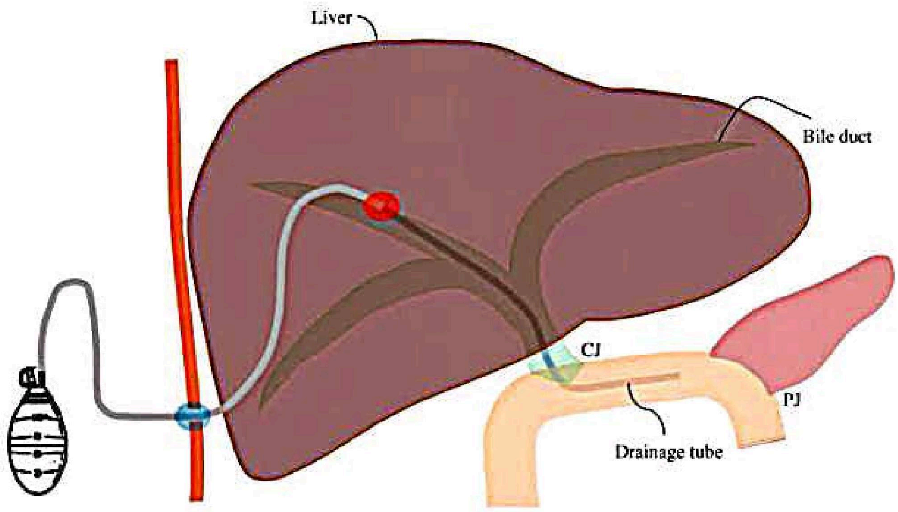

पी. टी. सी. (Per Cutaneous Transhepatic Cholengiography)

रेडियोलॉजिस्ट द्वारा किया जाने वाला यह परीक्षण इआरसीपी के असफल अथवा अनुपलब्ध होने पर किया जाता है । अंतर सिर्फ इतना है कि इसमें एक पतली सुई सीधे यकृत (लीवर) में डालकर दवाई को पित्त की नली में पहुंचाया जाता है। इआरसीपी तथा पीटीसी के द्वारा कई बीमारियों का इलाज भी किया जाता है और मेजर सर्जरी की आवश्यकता नहीं पड़ती है जैसे

1. पित्त नली में पथरी का इलाज (CBD Clearance)
2. पित्त की नली के स्टेंट (stent) डालना (CBD Stenting)
3. पित्त नली से मवाद निकालना (Naso Biliary Drainage)

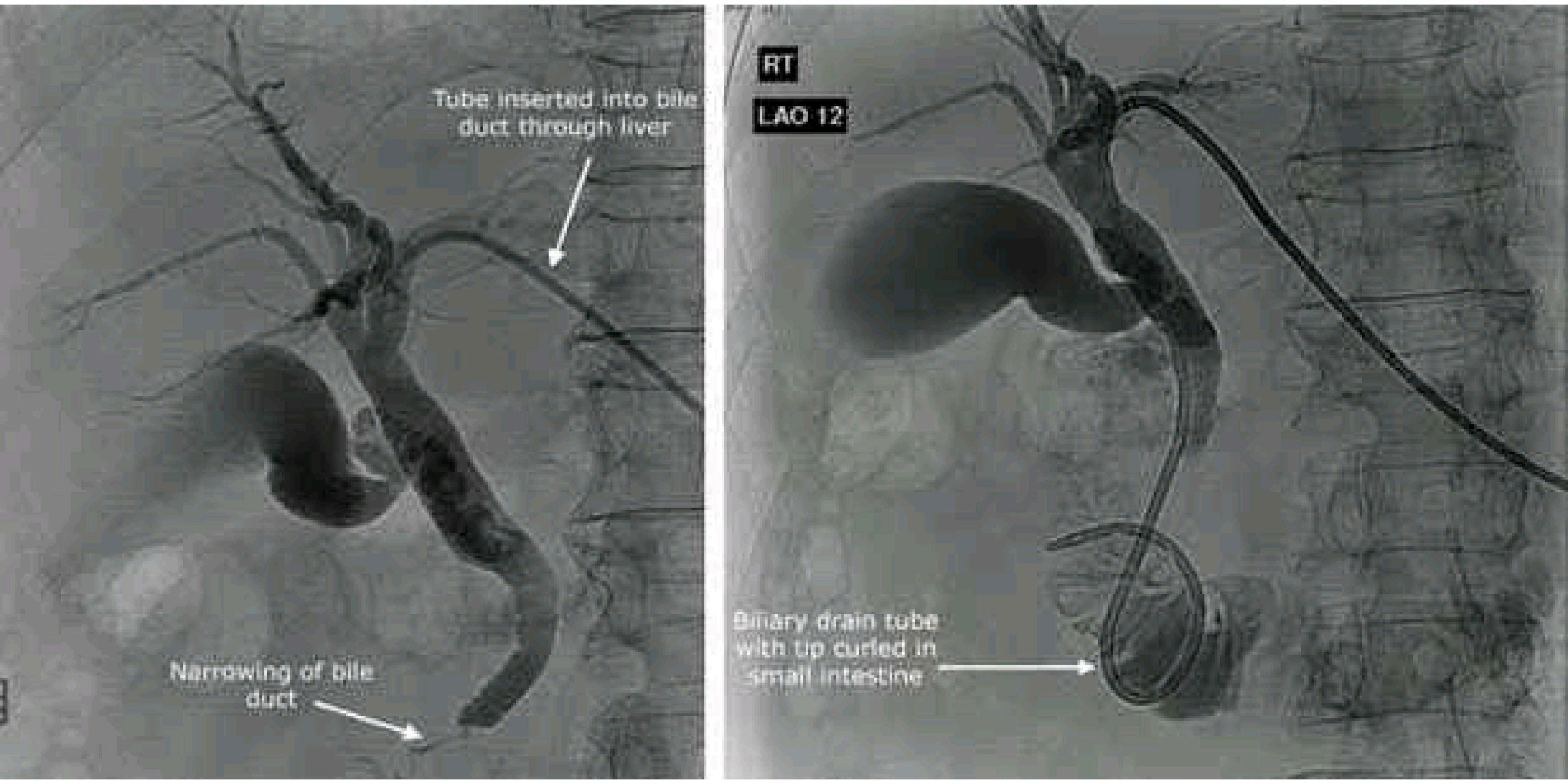
Tube inserted into bile duct through liver
Narrowing of bile duct
RT
LAO 12
Biliary drain tube with tip curled in small intestine

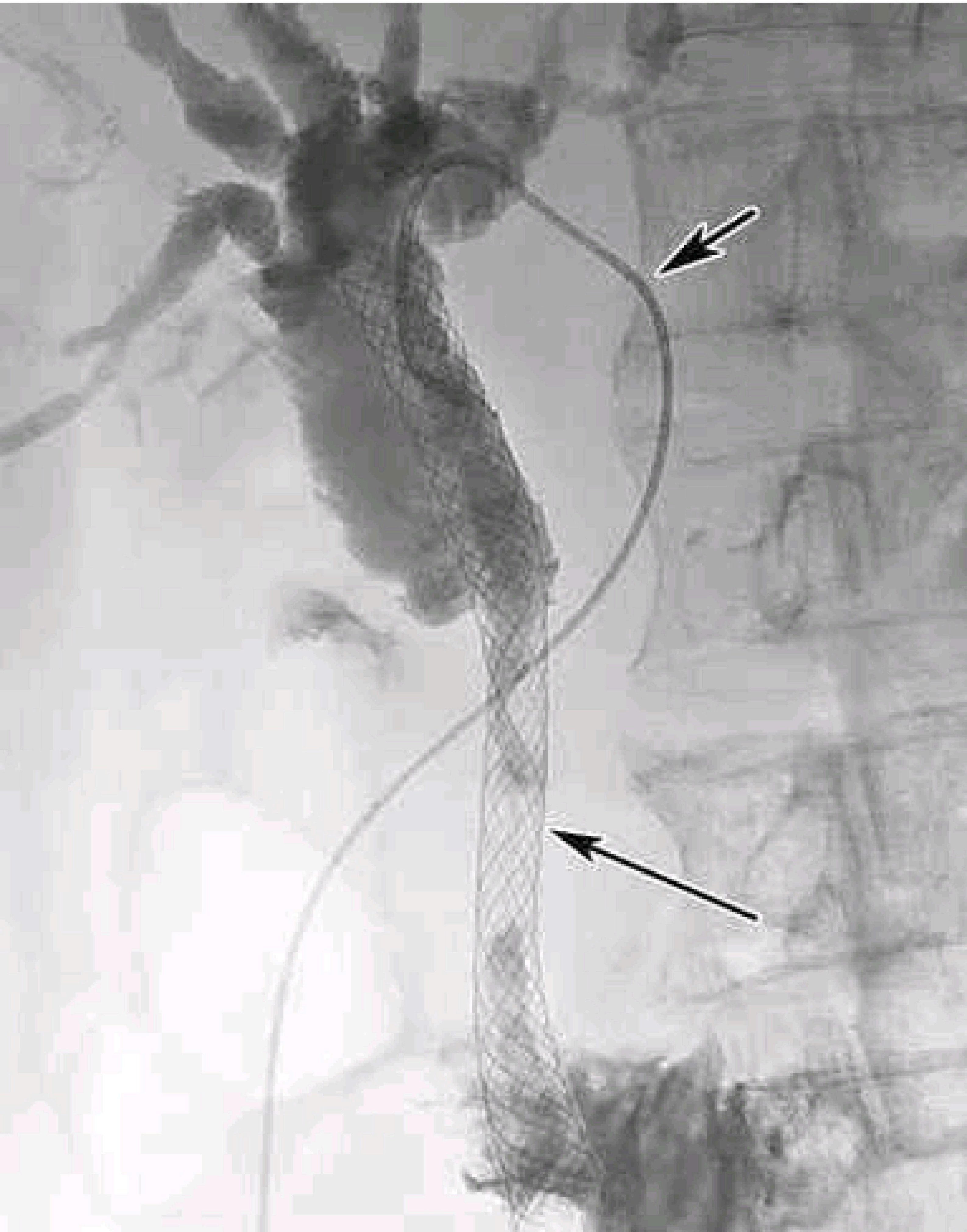

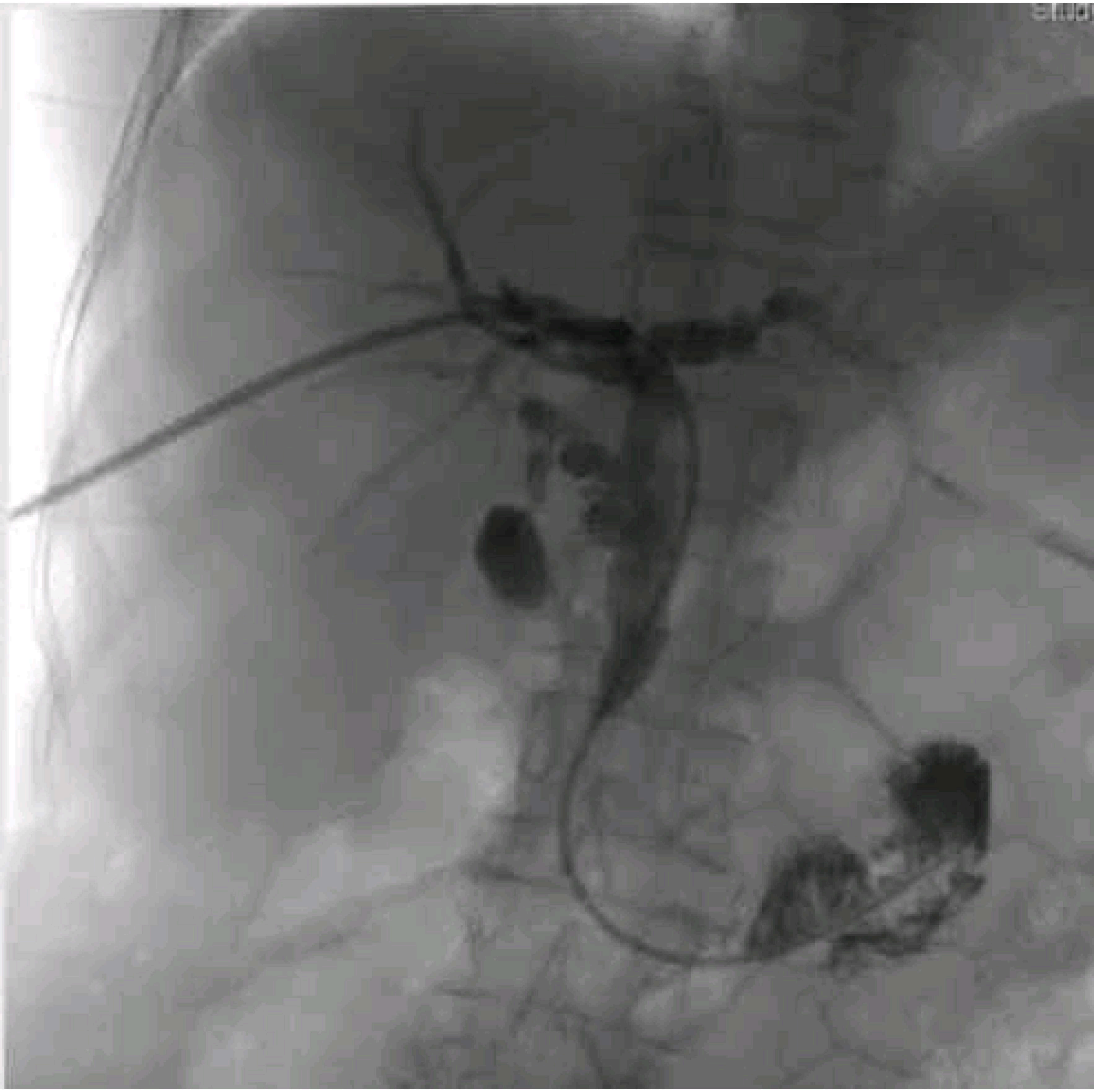

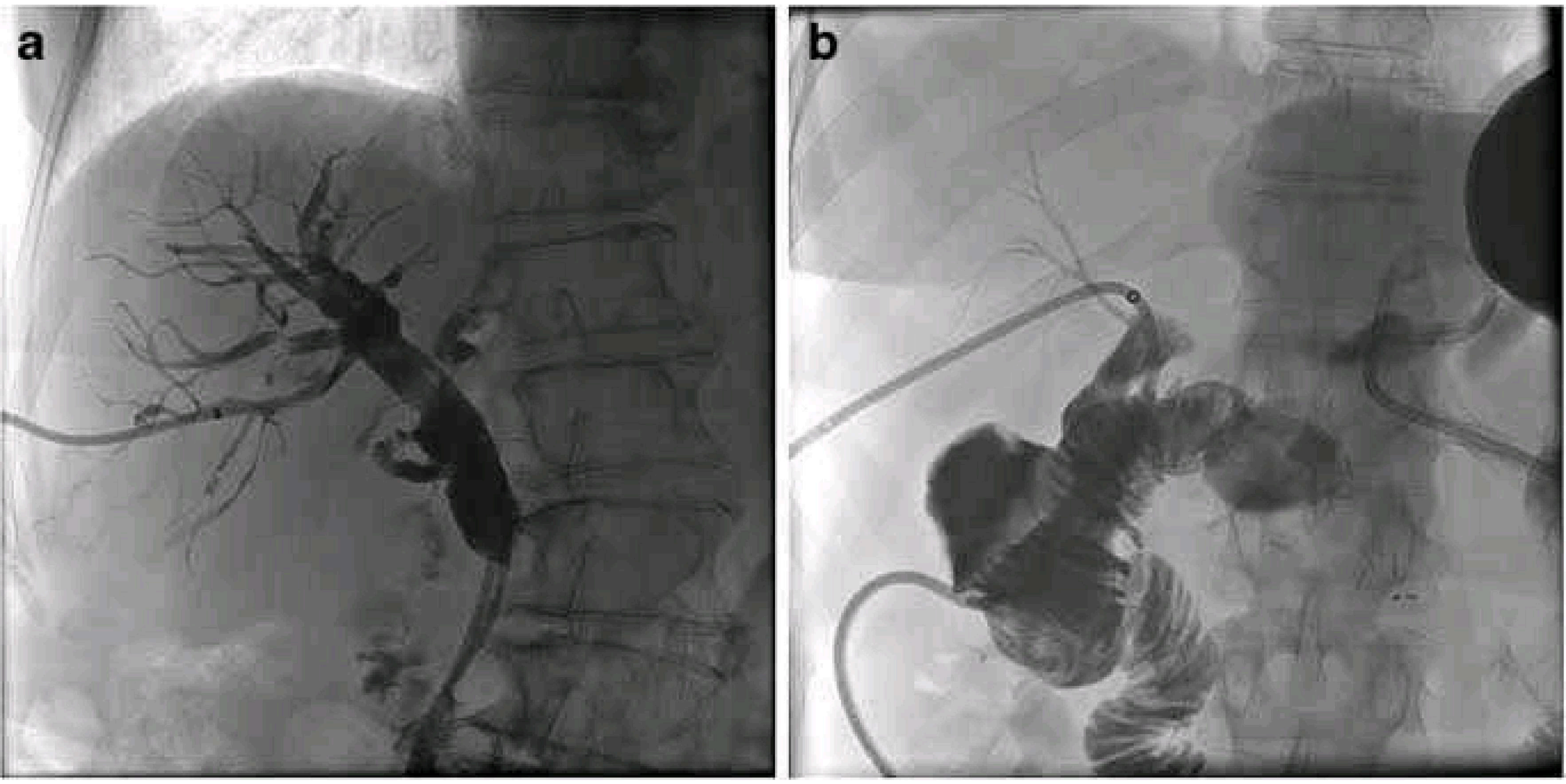

a
b

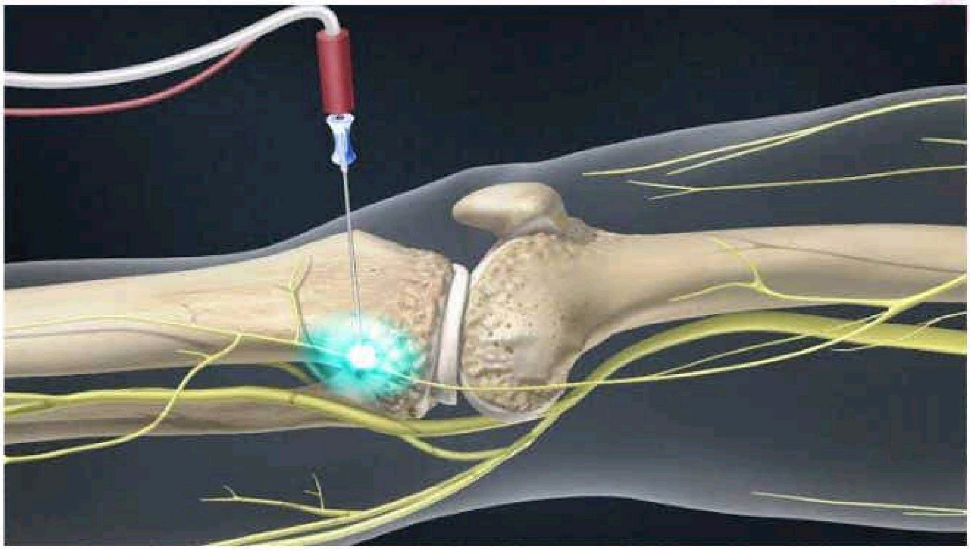

आर. एफ. ए. (RFA)
रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन सर्जरी

रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन सर्जरी को आमतौर पर निम्न स्थितियों का इलाज करने के लिए किया जाता है - जैसे :- वेरीकोज वेन्स
बिनाइन प्रोस्टेट हाइपरप्लासिया या प्रोस्टेट बढ़ना, स्लीप एपनिया
नस में गंभीर दर्द होना, एरिद्मिया (हृदय के उस हिस्से को निकालना या नष्ट करना जो असामान्य धड़कनों का कारण बन रहा है), कैंसरयुक्त ट्यूमर के आकार को कम करने के लिए। (यह सर्जरी तब की जाती है, जब कीमोथेरेपी व अन्य इलाज प्रक्रियाओं से कैंसर ठीक नहीं हो रहा हो)

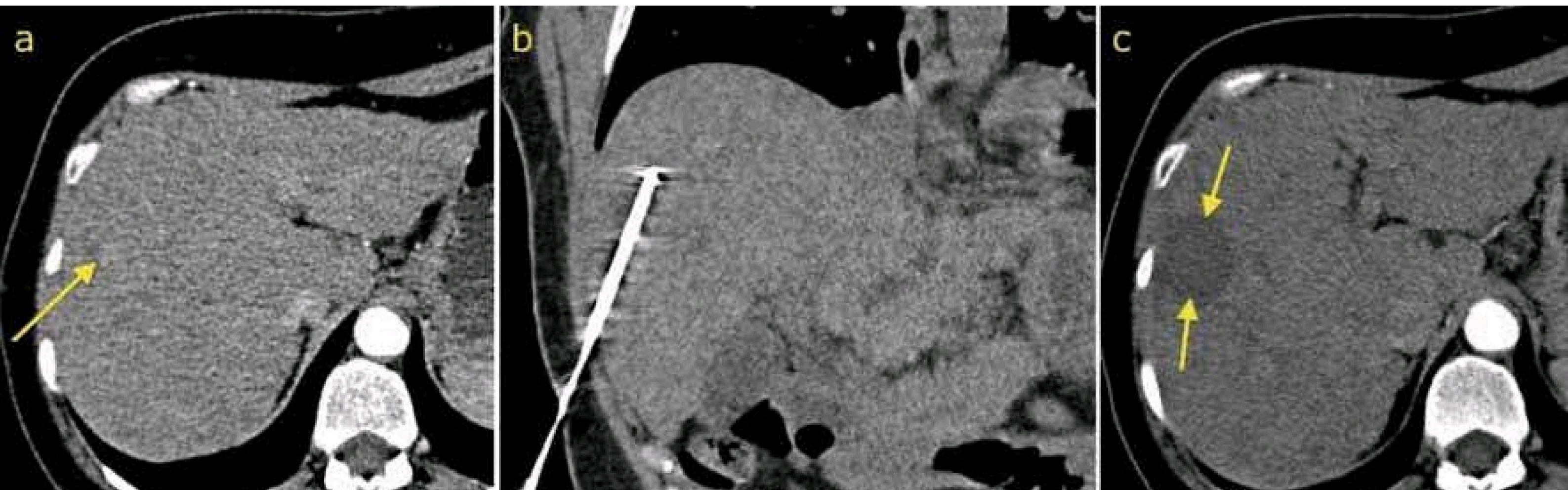
a
b
c

OV 29.8cm
ND
TND
a.
b.
29.6cm

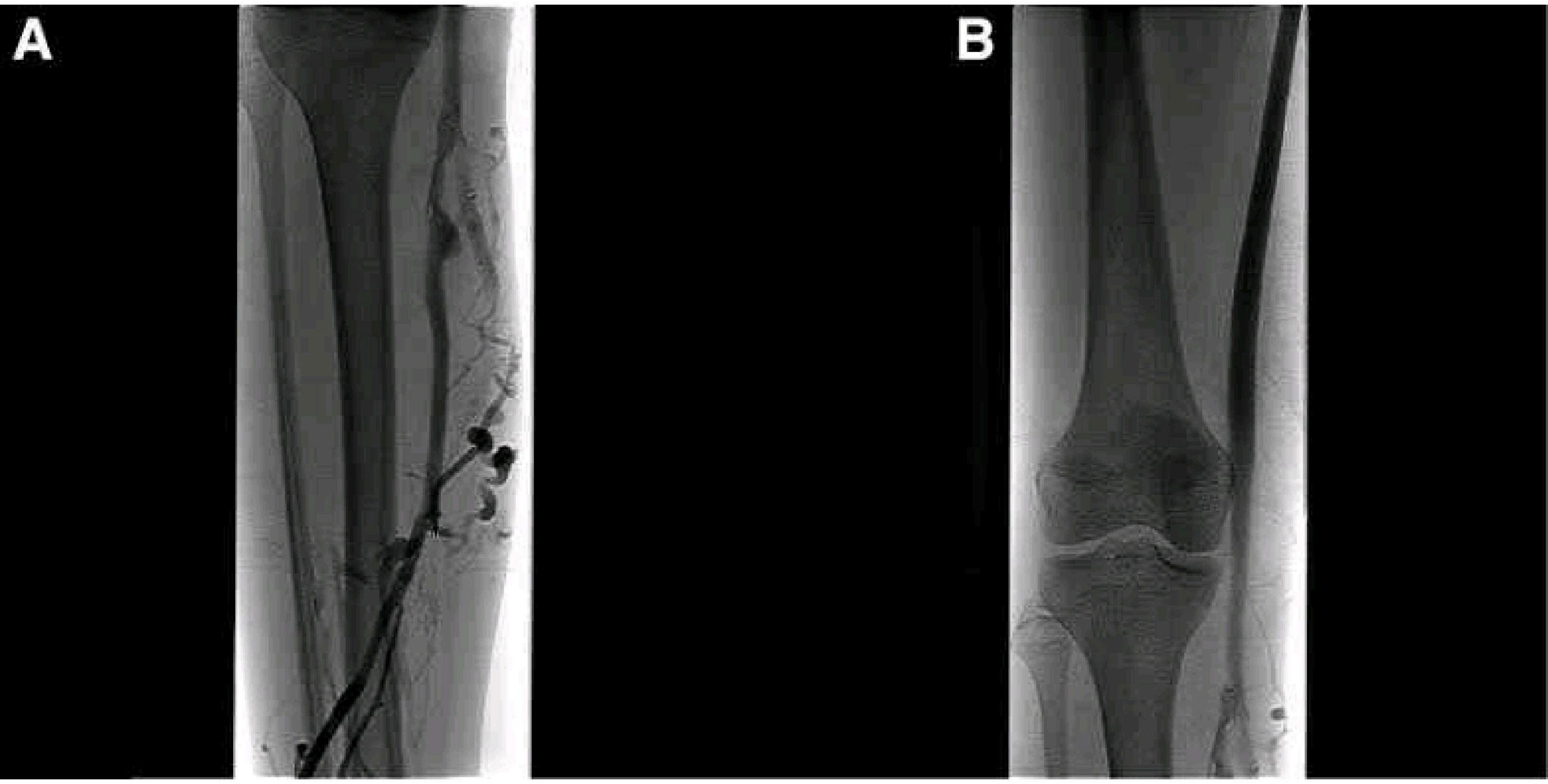
A
B

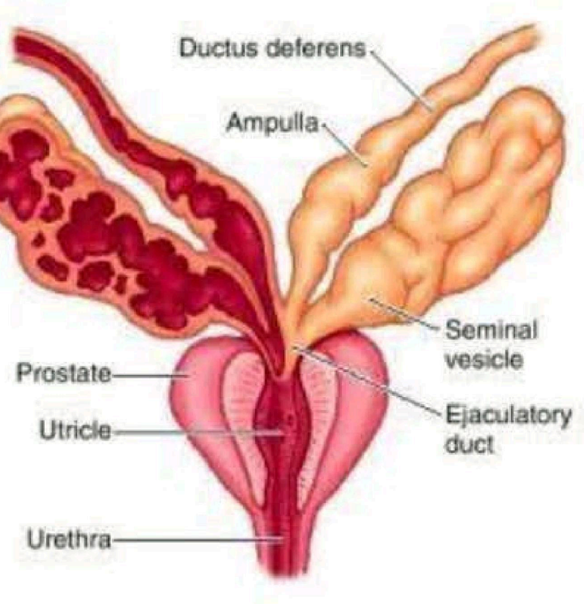

वेसोग्राफी Vasography

यह टेस्ट पुरुषों के अण्डकोष में उपस्थित नलियों के रुकावट का पता लगाने के लिए किया जाता है जिनका कार्य संभोग के दौरान स्पर्म को बाहर निकलाने में होता है।

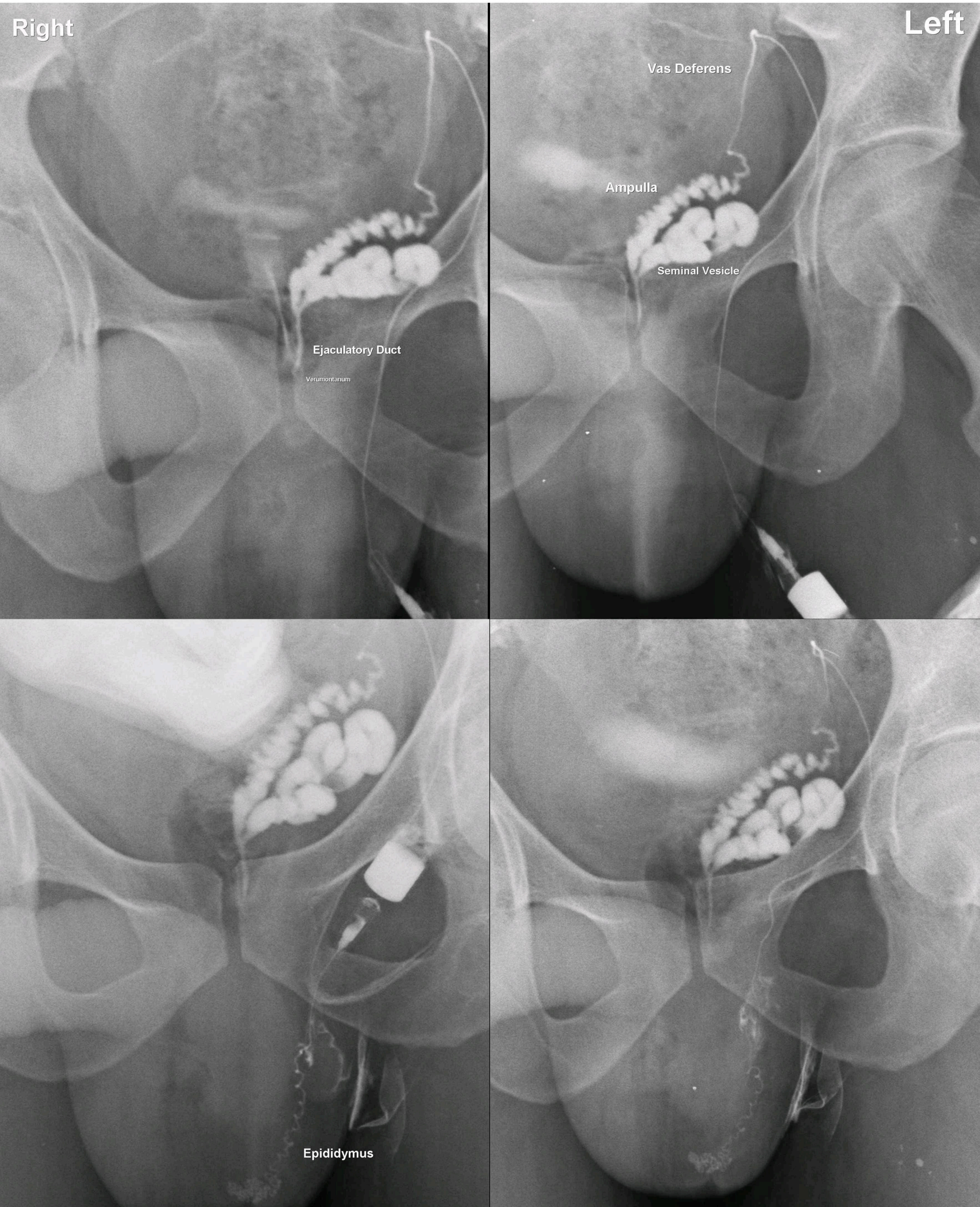
Right
Ejaculatory Duct
Verumontanum
Left
Vas Deferens
Ampulla
Seminal Vesicle
Epididymus